{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 15 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 291
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,054.94
निफ्टी	-	24,052.05
सोना	-	151006
चांदी	-	235000
डॉलर	-	96.10

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

वीणा मानवी का नामांकन रद्द

पटना। बांकीपुर उपचुनाव में मंगलवार को बड़ा दिलचस्प मोड़ आ गया है। यहां तेजप्रताप की पार्टी से उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन रद्द कर दिया गया है। वीणा मानवी के नामांकन के दौरान भी काफी हंगामा देखने को मिला था। उन्हें नामांकन के ठीक बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में मंगलवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। यहां तेज प्रताप यादव की पार्टी जनतांत्रिक जनता दल की प्रत्याशी वीणा मानवी का नामांकन पत्र रद्द कर दिया गया है। जांच के दौरान निर्वाचन अधिकारियों ने पाया कि उनके नामांकन पत्र में निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया था। प्रत्याशी के नामांकन पत्र पर 10 प्रस्तावकों (प्रपोजर) के हस्ताक्षर होना अनिवार्य होता है। वीणा मानवी के नामांकन पत्र में केवल 9 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर पाए गए। इसी तकनीकी कमी के चलते उनका नामांकन खारिज कर दिया गया।

हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

श्रीनगर। जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज सईद को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था, जानकारी मंगलवार को सामने आई है। इससे पहले 6 जुलाई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम हमले को लेकर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने कहा था कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश हाफिज सईद ने ही रची थी। एनआईए ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों की हत्या की थी।

सोनम की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट 21 जुलाई को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 21 जुलाई को मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें पति राजा रघुवंशी की हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत को चुनौती दी गई है। सोनम पर पिछले वर्ष हनीमून के दौरान अपने पति की हत्या का आरोप है। मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी सोनम को पिछले साल जून में अपने कारोबारी पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। यह मामला तब सामने आया जब पिछले साल 23 मई को यह दंपत्ति मेघालय के सोहरा इलाके से लापता हो गया और पिछले साल 2 जून को राजा रघुवंशी का शव एक गहरी खाई से बरामद हुआ। पुलिस का आरोप है कि सोनम ने पैसों के लालच में भाड़े के हत्यारों के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की साजिश रची थी।

कुछ ना कहना

20 प्रतिशत टैरिफ पर ट्रंप का यू-टर्न

होर्मुज में जहाजों से नहीं होगी वसूली, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्यों वापस लिया फैसला?

दुबई । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों पर 20त्न शुल्क लगाने के अपने प्रस्ताव से पीछे हटने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अब इसकी जगह खाड़ी देशों के साथ व्यापार और निवेश समझौतों को प्राथमिकता दी जाएगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया के नेताओं के साथ हुई 'बेहद सकारात्मक और उपयोगी बातचीत' के बाद उन्होंने 20 प्रतिशत 'संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिपूर्ति शुल्क' लगाने का प्रस्ताव वापस लेने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, 'मैंने तय किया है कि 20त्न शुल्क की जगह अब खाड़ी के विभिन्न देश अमेरिका में व्यापार और निवेश के बड़े समझौते करेंगे'।

निवेश बहुत बड़े होंगे- डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि टोल शुल्क के बजाय अब खाड़ी देशों के बड़े निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे अमेरिका और इन देशों दोनों को फायदा होगा। अब हम पूरी तरह से नाकाबंदी लगाएंगे, लेकिन यह सिर्फ उन जहाजों पर होगी जो ईरानी बंदरगाहों से आ-जा रहे हैं या जिनमें ईरान से जुड़ा कोई सामान या माल होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'पश्चिम एशिया के नेताओं के साथ हुई बहुत अच्छी और सकारात्मक बातचीत के आधार पर मैंने फैसला किया है कि अमेरिका की 20 प्रतिशत टोल शुल्क को हटाकर उसकी जगह व्यापार और निवेश समझौते किए जाएंगे। इन समझौतों के तहत अलग-अलग खाड़ी देश अमेरिका में निवेश करेंगे। ये निवेश बहुत बड़े स्तर पर होंगे, लेकिन साथ ही इन देशों के लिए भी बेहद फायदेमंद साबित होंगे और उनके भविष्य को मजबूत बनाने में मदद करेंगे'।

'पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है तेल का उत्पादन'

डोनाल्ड ट्रंप ने पोस्ट में आगे कहा, 'तेल का उत्पादन पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है और इसका श्रेय अमेरिका की सेना की शानदार ताकत को जाता है। मैं विशेष रूप से रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन और अमेरिका के सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर को सलाम करता हूं। उनकी वजह से और दुनिया की सबसे ताकतवर सेना के सभी सदस्यों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट अब सभी जहाजों के लिए खुला है, सिवाय ईरान से जुड़े जहाजों के और इसकी वजह ईरान का झूठ बोलने वाला, हिंसक और गलत नीतियों वाला नेतृत्व है, जो देश को पूरी तरह बर्बादी की ओर ले जा रहा है'। ट्रंप ने कहा कि जैसा कि सभी जानते हैं, अमेरिका में किसी भी देश द्वारा किया गया सबसे बड़ा डॉलर निवेश पहले से मौजूद है। लेकिन ये नए निवेश इस संख्या को और भी बढ़ा देंगे। हम देखेंगे कि अमेरिका में कारखाने, प्लांट और नई मशीनरी ऐतिहासिक स्तर पर आएंगी, जिससे लाखों और अच्छे वेतन वाली अमेरिकी नौकरियां पैदा होंगी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका फिर से जीत रहा है, पहले से कहीं ज्यादा। वह दौर खत्म हो गया है जब ईरान सैकड़ों हजारों लोगों की मौत का कारण बना, जिनमें 52,000 प्रदर्शनकारी भी शामिल थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होगा।

टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्रों का भविष्य अधर में

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द होने और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सवाल उठाए, जिससे करीब छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जो इन छात्रों के भविष्य के लिए चिंता का कारण है।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ और परीक्षा रद्द कर दी गई। दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है, इससे 6 लाख उम्मीदवार अनिश्चितता में जी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले आजाद घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, जबकि ईमानदारी से मेहनत करने वाले छात्रों को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि ये छात्र ही देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को संबोधित कर अपनी 3 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, न कि उम्मीदवारों को सजा दी जाए। तीसरी मांग में उन्होंने कहा कि उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को तेज़ी से कदम उठाने चाहिए और प्रशासनिक विफलता का बोझ उन मेहनती छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सालों तक तैयारी की है।

समय रैना पर सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट, दिव्यांगों पर टिप्पणी को बताया असंवेदनशील

नई दिल्ली। दिव्यांग व्यक्तियों पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के केंद्र में हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि हास्य के नाम पर किसी की गरिमा को ठेस पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि दिव्यांग व्यक्तियों का सम्मान सर्वोपरि है और उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि दिव्यांग समुदाय को दया नहीं, बल्कि सम्मान और गरिमा चाहिए। न्यायालय ने समय रैना सहित अन्य संबंधित लोगों से अपने लोकप्रिय मंच का उपयोग

दिव्यांगों की उपलब्धियों को सामने लाने और उनके प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए करने को कहा। अदालत ने सुझाव दिया कि नियमित कार्यक्रम आयोजित कर दिव्यांग व्यक्तियों की प्रेरणादायक कहानियों को लोगों तक पहुंचाया जाए, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से भी दिव्यांगों के सम्मान की रक्षा के लिए कड़े कानूनी प्रावधानों पर विचार करने को कहा। अदालत ने संकेत दिया कि यदि किसी समुदाय की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियां की जाती हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कानून की आवश्यकता हो सकती है। मामले की अगली सुनवाई में अदालत इस संबंध में उठाए गए कदमों की समीक्षा करेगी।

बच्चे कई बार गलतियां कर देते हैं...लेकिन हमें संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा रखनी चाहिए

-सुप्रीम कोर्ट में गाली देने वाले वकील पर अमर्यादित हरकत पर सीजेआई ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में एक बेंच में खुद याचिकाकर्ता बनकर पेश हुए व्यक्ति की अमर्यादित हरकत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बच्चे कई बार गलतियां कर देते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा की रक्षा करना सबकी जिम्मेदारी है। 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में एक शख्स ने बेंच में अपनी याचिका पेश करते हुए अभद्रता की थी। उस शख्स ने सीजेआई सूर्यकांत को लेकर भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। जब सोमवार को एक कार्यक्रम में सीजेआई से इसपर मीडिया ने प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा की रक्षा करना हम सबका उत्तरदायित्व है।

सीजेआई ने कहा ...लेकिन मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि हमें संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा और मान-सम्मान बनाए रखना चाहिए...यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है, सबको इसे निभाना है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केवी विश्वनाथम और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच में लखनऊ के प्रबल प्रताप नाम के एक याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई हो रही थी। याचिकाकर्ता खुद ही अपनी केस की पैरवी कर रहा था। उसने पहले तो बेंच को मिस्टर जुडिशल सर्वेंट कहकर संबोधित किया और फिर कहा कि मैं आपको आदेश देता हूं...। इतना कहकर वह अपनी सीट से उठा और बेंच की ओर कागज फेंकना शुरू कर दिए।

इसी दौरान जब सुप्रीम कोर्ट की सिक्योरिटी ने उसे रोकते हुए बाहर करने की कोशिश की तो उसने देश के सीजेआई के लिए गालियों तक का इस्तेमाल किया। हालांकि, बेंच ने उसके खिलाफ किसी तरह की अवमानना की कार्यवाही यह कहकर शुरू नहीं की, क्योंकि वह परेशान नजर आ रहा था। कोर्ट ने उसके प्रति सहानुभूति दिखाने का फैसला किया। हालांकि कोर्ट ने उसकी याचिका को तथ्यों के आधार पर खारिज कर दिया। आरोपी डुप्लेक्स टेक्नोलॉजी नाम की एक कथित कंपनी पर देश में साइबर क्राइम सिंडिकेट चलाने का आरोप लगा रहा था। इसी कड़ी में वह लखनऊ के विकासनगर के एसीपी और संबंधित कंपनी के खिलाफ एफआईआर की मांग कर रहा था।

सीबीएसई की 3-भाषा नीति पर रोक लगाने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की 3-भाषा नीति पर रोक लगाने से इनकार किया। यह नीति मौजूदा 2026-27 एकेडमिक ईयर से लागू की गई। कोर्ट ने बोर्ड के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई अगले हफ्ते स्थगित की।

याचिकाकर्ताओं ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच के सामने कहा कि नई नीति के अनुसार, छात्रों को क्लास 9 से दो भारतीय भाषाएं पढ़नी होंगी। इसका मतलब यह होगा कि उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं। याचिकाकर्ताओं ने यह भी बताया कि नीति के तहत अंग्रेजी को गैर-मूल भाषा माना गया और मूल भाषाओं के लिए शिक्षकों और पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता पर चिंता जताई।

भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे, सुप्रीम कोर्ट का राज्य सरकार को परिसर के पास नई जगह देने का निर्देश

भोजशाला परिसर के पास होगी हर शुक्रवार नमाज

नई दिल्ली/धार। सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला मामले पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ विभिन्न मुस्लिम पक्षों द्वारा दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाओं पर फिलहाल कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया और हाईकोर्ट के फैसले से पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार कर दिया। जिसके चलते अभी भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार के भोजशाला मंदिर से सटे किसी खुले स्थान पर नमाज के लिए जगह देने को कहा है। यह आदेश हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच होने वाले नमाज के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह आदेश मप्र हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से यह भी कहा है कि बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करें। सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे।

कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार किया

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया।

आतंकियों से जुड़े 8 संदिग्ध पकड़े

अहमदाबाद। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 संदिग्धों को पकड़ा है। यह कार्रवाई गुजरात के सिद्धपुर, पालनपुर, नवसारी समेत कई स्थानों और मध्य प्रदेश के देवास में एक साथ छापेमारी के दौरान की गई। एटीएस का कहना है कि सभी संदिग्ध पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे और गुजरात में जैश का सक्रिय नेटवर्क तैयार करने की कोशिश कर रहे थे। एटीएस ने आरोपियों के मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने थोक में रद्द कर दिए हाईकोर्ट के 28 फैसले

कोर्ट ने कहा- किसी को ऐसे नहीं घोषित कर सकते विदेशी

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के 28 फैसलों को एक साथ रद्द करते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है। इन फैसलों में विदेशी न्यायाधिकरणों (फॉरेन ट्रिब्यूनल) द्वारा 27 व्यक्तियों को विदेशी साबित करने के आदेशों को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने की स्थिति का निर्धारण एक ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए जो संवैधानिक नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार निष्पक्ष, वैध और तर्कसंगत हो। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को सुनाए गए अपने फैसले में इन सभी मामलों को नए सिरे से कानूनी रूप से निर्धारित करने के लिए संबंधित विदेशी न्यायाधिकरणों को वापस भेज दिया। न्यायालय ने कहा, इसलिए, इन सभी मामलों में हाई कोर्ट द्वारा दिए गए विवादित फैसलों एवं आदेशों को रद्द किया जाता है। संबंधित विदेशी न्यायाधिकरण या पहले के अवैध प्रवासी (निर्धारण) न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए संबंधित विचारों एवं आदेशों को भी रद्द किया जाता है।

न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकता और विदेशी होने का दर्जा संवैधानिक और कानूनी रूप से बहुत अहम है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने राज्य सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि यह राज्य की जायज़ एवं आवश्यक जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि जो लोग कानूनी रूप से भारतीय नागरिकता का दावा करने के हकदार नहीं हैं, वे प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल करके, झूठे दावे करके या प्रक्रिया में होने वाली देरी का फायदा उठाकर यह दर्जा हासिल न कर सकें। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि राज्य को यह पक्का करना चाहिए कि इस तरह की स्थिति का फैसला एक ऐसी प्रक्रिया से हो जो निष्पक्ष, कानूनी एवं तर्कसंगत हो। विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा नौ के तहत कानूनी जिम्मेदारी पूरी तरह से लागू है। अपीलकर्ताओं की मुख्य शिकायत यह थी कि उन्हें एकतरफा या लगभग एकतरफा कार्यवाही में विदेशी घोषित कर दिया गया, जबकि उन्हें अपने भारतीय नागरिक होने का सबूत देने का पर्याप्त और सार्थक मौका नहीं दिया गया। अदालत ने कहा कि एकतरफा कार्यवाही में भले ही अनुपस्थित पक्ष की भागीदारी न हो, लेकिन इससे न्यायाधिकरण द्वारा निष्पक्ष विचार और सार्थक निर्णय लेने की आवश्यकता खत्म नहीं हो जाती। न्यायाधिकरण को स्वतंत्र रूप से यह सुनिश्चित करना होगा कि सही प्रक्रिया का पालन किया गया है, राज्य द्वारा पेश किए गए सबूतों की जांच करनी होगी, और किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करने से पहले इसके कारण दर्ज करने होंगे। न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशी घोषित किए जाने का नतीजा कोई 'मामूली सिविल परिणाम' नहीं होता।

लड़का-लड़की अपनी मर्जी से घर छोड़ दें तो ऐसे मामलों को कैसे रोक सकते हैं?

-सुप्रीम कोर्ट ने प्रेम संबंधों से जुड़े मामलों में पॉक्सो कानून के दुरुपयोग पर जताई चिंता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को किशोर-किशोरियों के आपसी प्रेम संबंधों से जुड़े मामलों में पॉक्सो यानी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण कानून के दुरुपयोग पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने सवाल किया कि अगर कोई लड़का और लड़की अपनी मर्जी से घर से चले जाए तो राज्य ऐसे मामलों को कैसे रोक सकते हैं? कोर्ट ने कहा कि 15 से 18 साल की उम्र भावनात्मक बदलाव की होती है, इसलिए हर ऐसे मामले को पॉक्सो का मामला मानना उचित नहीं हो सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को किशोर किशोरियों की आपसी सहमति वाले रिश्तों में पॉक्सो कानून के दुरुपयोग पर गंभीर चिंता जताई। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ किशोरों के निजता के अधिकार से जुड़े स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने कहा कि कई मामलों में जब किशोरियां अपने साथी के साथ घर छोड़ देती हैं, तो परिवार अपनी इज्जत बचाने के लिए पॉक्सो के तहत आपराधिक मामले दर्ज करा देते हैं। बाद में अदालतों को ऐसे मामलों में आरोपियों को बरी करना पड़ता है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि किशोरों के आपसी सहमति वाले रिश्तों में भी पॉक्सो कानून के तहत मुकदमे दर्ज हो रहे हैं, जिससे कई युवाओं को जेल जाना पड़ता है।

सीनियर वकील ने कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए पॉक्सो मामलों की निगरानी के लिए डैशबोर्ड बनाने का सुझाव दिया। कोर्ट ने कहा कि 2012 में सहमति की आयु 16 से बढ़ाकर 18 वर्ष किए जाने के बाद ऐसे संबंध अवैध हो गए, लेकिन इस तरह के मामले पहले भी होते थे। इसलिए कोर्ट के निर्देश व्यावहारिक होने चाहिए।

स्कूली वैन चालको पर फिर गिरी कार्यवाही की गाज

यातायात पुलिस ने जप्त किए 7स्कूली वाहन, चालानी कार्यवाही, कर वसूला जुर्माना, तरह-तरह के बहाने बनाते नजर आए स्कूली वाहन चालक

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर में ज्यादातर ऐसे स्कूली वैन चलाक है जिनके पास न तो फिटनेस है न बीमा है और न ही परमिट। जो वाहन के जर्जर होने के बाद भी क्षमता से अधिक स्कूली बच्चों को ढोने का कार्य कर स्कूली बच्चों की जान को जोखिम में डालकर वाहन चला रहे हैं।नगर में ज्यादातर स्कूली वैन चालक, वाहन में क्षमता से अधिक बच्चे बिठाकर लंबी दूरी तक उन्हें स्कूल पहुंचाने का कार्य करते है।बावजूद इसके भी अब तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही थी। लेकिन पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय के निर्देशन पर स्कूली वाहनो के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह मंगलवार को भी नगर में देखने को मिला।जहा यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न चौक चौराहों में कार्यवाही करते हुए स्कूली बच्चों को बैठाकर स्कूल लाने ले जाने वाले स्कूल वैन सहित अन्य वाहनों को रोककर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने नियम विरुद्ध सड़को पर दौड़ रहे करीब 7 वाहनो को जप्त कर,वाहन चालकों पर जुर्माने की कार्यवाही कर, राजस्व वसूल किया है। तो वही स्कूली बच्चों को ढोने वाले स्कूली वैन चालको के खिलाफ, आगे भी यहां कार्यवाही जारी रखने की बात कही गई है।

चेकिंग अभियान के दौरान मिली तरह-तरह की खामियां

यातायात पुलिस ने ऐसे स्कूली वैन चालकों के खिलाफ चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है जो अत्यधिक मात्रा में बच्चों को भरकर स्कूल लाने ले जाने का काम करते हैं। या उन वाहन चालकों के पास वाहनों का फिटनेस, बीमा, लाइसेंस ,परमिट सहित अन्य दस्तावेज नहीं है। जिन्हें पकड़कर यातायात पुलिस द्वारा उनके खिलाफ चालानी कार्यवाही की जा रही है।बताया जा रहा है कि जिन स्कूली वाहनों में यह कार्रवाई की गई है उन वाहन चालकों में से किसी के पास बीमा, फिटनेस या वाहन चलाने का लाइसेंस नहीं था। तो कोई क्षमता से अधिक बच्चे भरकर उन बच्चों को स्कूल लाने ले जाने का कार्य कर रहा था। जिनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही कर जुर्माना वसूल किया है। वही ओवरलोड वाहन ना चलाने ,कागजात कंप्लीट रखने ,बीमा ,फिटनेस लाइसेंस के साथ वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई है।

कार्यवाही से बचने तरह-तरह के बहाने बनाते नजर आए वाहन चालक

इस वाहन चेकिंग के दौरान वैन चालकों ने यातायात पुलिस की इस कार्यवाही से बचने के लिए तरह-तरह के बहाने बताएं। वाहन चालकों ने पुलिस को बताया कि उनके पास जो दस्तावेज कम है ,वे दस्तावेज बनाने के लिए उन्होंने आरटीओ कार्यालय में आवेदन दिया है। लेकिन आरटीओ कार्यालय से दस्तावेज नहीं बन पा रहे हैं। जिसके चलते उनके पास उक्त दस्तावेज नहीं हैं। तो कोई कभी-कभी बच्चों को लाने ले जाने की बात कहते हुए कार्यवाही से बचने का बहाना बनाते नजर आया, तो कोई घर पर दस्तावेज रखे हैं या दस्तावेज बनाने दिए हैं कहकर अपने आप को बचाता हुआ नजर आया। लेकिन पुलिस ने किसी की एक न सुनी और सब पर चालानी कार्यवाही कर जुर्माना वसूल लिया।

उधर अन्य मार्गों में क्षमता से अधिक सवारी भरकर दौड़ते रही वैन

एक ओर नगर में स्कूल वैन में भरकर स्कूली बच्चों को लाने ले जाने का काम करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही कर जुर्माना वसूला जा रहा था, तो उधर बस स्टैंड, काली पुतली चौक, बैहर रोड़, और रेलवे स्टेशन मार्ग सहित अन्य जगहों पर ऑटो व वैन चालक क्षमता से अधिक सवारी भरकर विभिन्न मार्गों पर वाहन दौड़ते हुए नजर आए। जिन पर पुलिस कर्मियों का ध्यान नहीं गया और वह पूर्व की भांति बेखौफ होकर नियम विरुद्ध ऑटो व वैन का संचालन करते हुए दिखाई दिए।

विशेष अभियान के तहत आगे भी जारी रहेगी कार्यवाही- तिवारी

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान यातायात थाना उपनिरीक्षक विजय तिवारी ने बताया की नियम विरुद्ध सड़को पर दौड़ रहे 7 स्कूली वैन को जप्त कर थाने में खड़ा किया गया है,वाहन चालकों से जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की जा रही है,यदि ये लोग जुर्माना नही भरेंगे तो जप्त सभी वाहन न्यायालय के सुपुर्द कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई चल रही है इसमें फिटनेस, इंश्योरेंस, पीयूसी,परमिट सहित अन्य दस्तावेज देखे जा रहे हैं,जिनके पास उपलब्ध नहीं है उन पर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने बताया कि वाहन चालक तरह के बहाने बना रहे हैं ये लोग बोलते हैं कि वाहन के कागज आरटीओ कार्यालय से नहीं बन रहे हैं। जब हमने पता किया तो पता चला कि ये लोग कागज बनवाने ही नहीं गए,ये लोग जानबूझकर वाहन के कागज नहीं बना रहे हैं यह अभियान 17 जुलाई तक जारी रहेगा। वहीं उन्हें निर्देशित किया गया है कि वह कागज कंप्लीट रखें, ओवरलोडेड वाहन ना चलाएं ,यातायात नियमों का पालन करें। यदि वह दोबारा ऐसी गलती करते हैं तो उन्हें तो उनके वाहन जप्त कर न्यायालयीन कार्यवाही की जाएगी।वहीं उन वाहन चालकों के लाइसेंस भी निरस्त किए जाएंगे।

खैरागढ़ से लापता महिला की तलाश बालाघाट तक पहुंची

इंदिरा नगर में की गई खोजबीन
दो बच्चों की मां है उषा खुशरो

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले से लापता एक महिला के बालाघाट में होने की आशंका के चलते उसके परिजन मंगलवार को बालाघाट पहुंचे। कोतवाली पुलिस के सहयोग से नगर के वार्ड क्रमांक 24 स्थित इंदिरा नगर क्षेत्र में महिला की तलाश की गई।लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। हालांकि स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर यह सामने आया कि कुछ दिन पहले महिला ने इसी क्षेत्र में किराए का कमरा तलाशने का प्रयास किया था। ऐसे में उसके बालाघाट में ही कहीं होने की संभावना जताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के ग्राम कोदवा (गंडई) निवासी प्रहलाद सिंह खुशरो खेती किसानी करते हैं। उनकी पत्नी उषा खुशरो 31 वर्ष पिछले 21 जून से लापता हैं। दंपती के दो बच्चे हैं और परिवार में अन्य सदस्य भी हैं। उषा का मायका बेहयाटोला में है और वह समय समय पर वहां आती जाती थीं।बताया गया कि उषा पिछले कुछ समय से माइग्रेन की बीमारी से पीड़ित थीं और इलाज के लिए हर 15-20 दिन में दुर्ग जाती थीं। कई बार उनके पति या परिवार के अन्य सदस्य साथ जाते थे।जबकि कभी-कभी वह अकेले भी उपचार के लिए निकलती थीं। 21 जून को उषा इलाज कराने के लिए अकेले दुर्ग जाने घर से निकली थीं।लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटीं। काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं चलने पर परिजनों ने संबंधित थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।इसी बीच खैरागढ़ पुलिस को 30 जून को बालाघाट डाकघर से भेजा गया एक रजिस्टर्ड पत्र प्राप्त हुआ।जो कथित रूप से उषा द्वारा लिखा गया था। पत्र में उल्लेख था कि वह मध्यप्रदेश के बालाघाट नगर के वार्ड क्रमांक 24 इंदिरा नगर में किराए के मकान में रह रही हैं। साथ ही यह भी लिखा गया था कि उनकी तलाश न की जाए और उनके संबंध में पति या पिता द्वारा किसी प्रकार की रिपोर्ट दर्ज न कराई जाए। यदि रिपोर्ट दर्ज हो तो उसे निरस्त माना जाए।11 जुलाई को खैरागढ़ पुलिस ने इस पत्र की जानकारी प्रहलाद सिंह को दी। इसके बाद 14 जुलाई को प्रहलाद सिंह अपने परिजनों और रिश्तेदारों के साथ बालाघाट पहुंचे तथा कोतवाली पुलिस से संपर्क किया। पुलिस के सहयोग से इंदिरा नगर क्षेत्र में महिला की तलाश की गई।लेकिन सफलता नहीं मिली। हालांकि क्षेत्र के कुछ लोगों ने महिला की फोटो देखकर बताया कि कुछ दिन पहले वह यहां किराए का कमरा तलाशने आई थीं। इस आधार पर परिजनों को विश्वास है कि उषा बालाघाट या आसपास के क्षेत्र में ही हो सकती हैं।

जनहित में अपील

लापता महिला उषा खुशरो (31 वर्ष) के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई भी जानकारी हो या वह कहीं दिखाई दें, तो कृपया निकटतम पुलिस थाने अथवा उनके परिजनों को तत्काल सूचना दें। आपकी एक छोटी-सी जानकारी एक परिवार को पुनः मिलाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में पांच दिवसीय भावातीत ध्यान योग शिविर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के द्वारा प्रदत्त भावातित ध्यान पांच दिवसीय कार्यक्रम का सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल बालाघाट में 13 जुलाई दिन मंगलवार को शुभारंभ किया गया। शिविर में शाला के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक ध्यान, एकाग्रता और आंतरिक संतुलन से जुड़े विभिन्न अभ्यास किए। सर्वप्रथम इसमें सरस्वती पूजन एवं गुरु परंपरा को माल्यार्पण कर गुरु परंपरा की पूजा की गई जो कि महर्षि विद्या मंदिर के प्राचार्य श्री सतीश चैरसिया एवं तुमसर से पधारे प्राचार्य श्री हरिओम दुबे एवं सभी ध्यान शिक्षकों के द्वारा पूजा अर्चना की गई, तत्पश्चात सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की प्राचार्या कु. पूर्णिमा देशमुख द्वारा सभी आगंतुक अतिथियों का एक पेड़ देकर स्वागत किया गया तत्पश्चात सर्वप्रथम महर्षि जी के पावन वचनों को जन-जन तक सतीश चैरसिया जी द्वारा पहुंचाया गया एवं हरिओम दुबे द्वारा भी महर्षि जी के जीवन परिचय एवं भावतित ध्यान पर चर्चा की गई साथ में भावातित ध्यान के शिक्षक श्री मनोज ज्योतिषी, सुनीता तिवारी, रमेश कवरे स्वाति द्वारा भावातित ध्यान पर प्राथमिक भाषण व तैयारी भाषण दिया गया, तत्पश्चात सभी ध्यानियों को मनोज ज्योतिषी द्वारा ध्यान कराया गया। इसमें महर्षि जी के विश्व शांति हेतु इन स्कूलों में जाकर तथा आवर्त ज्ञान एवं महर्षि जी के जीवन को जन-जन तक पहुंचाने का हम लोगों ने प्रयास किया तथा हम लोग महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रदत्त भावातित ध्यान कार्यक्रम एवं उनके द्वारा रचित पुस्तकों के बारे में सभी लोगों को अवगत कराया, पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम भावातित ध्यान का परिचय एवं उससे होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी गई। इस पूरे कार्यक्रम को सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की षिक्षिका श्रीमती प्रीति शुक्ला ने मंच का संचालन किया तथा इसमें शाला के सभी शिक्षक शिक्षकों का बहुमूल्य योगदान रहा। इस कार्यक्रम में शाला मैनेजमेंट का भी काफी योगदान रहा जिसमें श्री अंशुल जायसवाल, श्री संजीव मिश्रा, श्री नरेश धुवारे एवं शाला प्राचार्या कु. पूर्णिमा देशमुख का योगदान सराहनीय।

बालाघाट में 15 से 19 जुलाई तक हल्की वर्षा और गरज-चमक के आसार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जिले में 15 से 19 जुलाई 2026 के दौरान मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस अवधि में मध्यम बादल छाए रहने, हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ बिजली गिरने तथा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना व्यक्त की गई है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) बड़गांव-बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्रय अगासे ने बताया कि इस दौरान जिले का अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह के समय हवा में 81 से 83 प्रतिशत तथा दोपहर में 62 से 70 प्रतिशत तक आर्द्रता रहने की संभावना है। वहीं, हवा की सामान्य गति 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटा दक्षिण दिशा से रहने का पूर्वानुमान है।

श्रद्धांजलि-पुष्पांजलि-स्मृति शेष

स्वर्गीय श्रीमती अल्पना शुक्ला (शशि)पत्नि स्व, जय प्रकाश जी शुक्ला, सुप्रसिद्ध ज्योतिषद्याचार्य , बालाघाट,जिला की प्रसिद्ध महिला ज्योतिषाचार्य-दैवीय कृपा के वशीभूत भविष्य वक्ता के व्यक्तित्व का देहावसान, दिनांक 3 जुलाई 2026 की रात्री को हो गया है।

दिवंगत आत्मा की शांति हेतु त्रयोंदशी पूजन पाठ दिनांक 16 जुलाई 26 को निज निवास वार्ड नं. 9 गुजरी चौक, बालाघाट मे आयोजित कियागया है।

कृपया दिवंगत आत्मा की शांति -मोक्ष हेतु, पधार कर प्रार्थना करने की कृपा करें।

-शोकाकुल परिवार-
वेदांत, सिद्धांत (नीति -योगी)शुक्ला

रूपझर पुलिस की बड़ी कार्रवाई अवैध गोवंश परिवहन करते पिकअप वाहन सहित चालक गिरफ्तार

पांच मवेशी सुरक्षित गौशाला भेजे गए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में गोवंश के अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रूपझर पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना नंबर की एक पिकअप (बोलेरो) वाहन से अवैध रूप से ले जाए जा रहे पांच मवेशियों को बरामद किया। पुलिस ने वाहन चालक को मौके से गिरफ्तार कर वाहन जप्त कर लिया है। मामले में संबंधित धाराओं

के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक 14 जुलाई को रूपझर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बिना नंबर की एक पिकअप (बोलेरो) वाहन में गोवंश को अवैध रूप से उकवा से बालाघाट की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोककर जांच की।तलाशी के दौरान वाहन में तीन भैंस एवं दो बोदे अवैध रूप से परिवहन करते पाए गए। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम जितेंद्र कर्वे पिता देवाराम कर्वे ग्राम टेकाड़ी थाना भरवेली निवासी बताया।पुलिस ने वाहन सहित मवेशियों को अपने कब्जे में लेकर चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। बरामद मवेशियों का पशु चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण (मेडिकल परीक्षण) कराया गया। जिसके बाद उन्हें सुरक्षित रूप से गौशाला में भेज दिया गया।रूपझर पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि मवेशियों को कहां से लाया गया था और उन्हें किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। जांच के आधार पर प्रकरण में अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। रूपुझर थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धूमकेती ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में गोवंश के अवैध परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0015/ड-154/2026-27
मौजा खारी, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक तेजू मानेश्वर पिता नारू मानेश्वर जाति मरार, निवासी ग्राम खारी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा डोकरबंदी, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता मनोती पति नारू का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 14.04.2022 मृत्यु स्थल ग्राम खारी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 20.07.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 15.07.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0025/ड-154/2026-27
मौजा टेकाड़ी ला., रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अब्दुल वहाब पिता शेख सत्तार जाति मोमिन जुलाह, निवासी वार्ड नंबर 20 बघोली, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा टेकाडी ला., रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादाजी शेख वजीर पिता शेख रहीम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 05.12.1982 मृत्यु स्थल ग्राम टेकाड़ी ला. के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 24.07.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 15.07.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0016/ड-154/2026-27
मौजा कोपे, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शीला भोयर पिता अशोक भोयर जाति पंवार, निवासी ग्राम कोपे, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कोपे, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता हौसनबाई पति ब्रजलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 13.06.2004 मृत्यु स्थल ग्राम कोपे के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 24.07.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 15.07.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

कृषि महाविद्यालय बालाघाट ने छात्रवृत्ति संबंधी खबरों का किया खंडन, आरोपों को बताया निराधार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कृषि महाविद्यालय मुरझड़-बालाघाट के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने पिछले दिनों समाचार पत्रों में प्रकाशित एक खबर का कड़ा खंडन किया है। 13 जुलाई 2026 को मीडिया में कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही से प्रभावित कई छात्रवृत्ति, महीनों बाद भी खातों में नहीं पहुंची राशि शीर्षक से प्रकाशित समाचार को उन्होंने पूरी तरह भ्रामक, तथ्यहीन और संस्थान की छवि धूमिल करने वाला बताया है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. देशमुख ने स्पष्ट किया कि प्रकाशित समाचार में लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने बताया कि तथ्यों को गलत तरीके से जोड़ा गया है। खबर में छात्रवृत्ति और एरियर राशि को एक ही मानकर भ्रम पैदा किया गया, जबकि दोनों की प्रकृति और भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह अलग-अलग होती है। उन्होंगने बताया कि जांच में आरोप गलत पाए गए है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा एक आंतरिक जांच कराई गई। जांच में समाचार में लगाए गए किसी भी आरोप की पुष्टि नहीं हुई है। यह भी साफ हुआ कि कॉलेज प्रशासन के स्तर पर सभी जरूरी विभागीय कार्यवाही पूरी तरह समय पर की गई थी। महाविद्यालय प्रबंधन ने भुगतान की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि कॉलेज स्तर से कोई लापरवाही नहीं हुई है। सभी पात्र विद्यार्थियों के प्रकरण नियमानुसार संबंधित पोर्टल पर समय रहते अपलोड कर भेजे जा चुके हैं। छात्रवृत्ति और एरियर राशि का अंतिम अनुमोदन व भुगतान शासन के सक्षम विभाग द्वारा तय प्रक्रिया के तहत किया जाता है, जिस पर महाविद्यालय का सीधा नियंत्रण नहीं होता है। कॉलेज प्रशासन ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे इस प्रकार की भ्रामक और तथ्यहीन खबरों पर ध्यान न दें।

बहुचर्चित चावल मामले पर पहली बार बोले एसपी, 5,429 मीट्रिक टन चावल जांच के घेरे में, एथेनॉल प्लांट मालिक समेत कई आरोपी फरार

एसआईटी की जांच तेज, 13 आरोपियों पर एफआईआर, चार गिरफ्तार, कई राइस मिलर्स से पूछताछ जारी, दूसरे चरण में प्रदेशभर की सप्लाई होगी जांच के दायरे में

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एथेनॉल प्लांट के नाम पर सरकारी फोर्टिफाइड चावल की कथित हेराफेरी से जुड़े बहुचर्चित मामले में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मंगलवार को पहली बार मीडिया के सामने खुलकर जानकारी साझा की। लंबे समय से चर्चा और सवालों के केंद्र बने इस मामले पर एसपी ने बताया कि पुलिस लगातार दस्तावेजी आधार पर जांच कर रही है तथा इसके लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है। एसआईटी पिछले कई दिनों से पूरे नेटवर्क की परतें खंगालने में जुटी है। अब तक कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं, कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और फरार आरोपियों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि इस मामले में अब तक 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इनमें पहली बार छिंदवाड़ा के बोरगांव स्थित एवीजे एथेनॉल प्लांट के मालिक पिता-पुत्र तथा सिवनी के नंदगोपाल राइस मिलर्स के संचालक सोनू जैन का नाम भी सामने आया है। ये सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। हालांकि एसपी ने यह भी बताया कि मामले में अभी कुछ अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद ही उनके नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। प्रेस वार्ता में एसपी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल जांच का पहला चरण केवल बालाघाट जिले के एफसीआई और सीडब्ल्यूसी गोदामों से पिछले छह से आठ महीनों के दौरान एवीजे एथेनॉल प्लांट भेजे गए चावल तक सीमित है। पुलिस इस पूरी सप्लाई चेन की जांच कर रही है कि सरकारी चावल किन-किन माध्यमों से एथेनॉल प्लांट तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि इसके बाद जांच का दूसरा चरण शुरू होगा, जिसमें प्रदेश के अन्य जिलों से एवीजे एथेनॉल प्लांट भेजे गए चावल की भी विस्तार से जांच की जाएगी। एसपी ने बताया कि अब तक की जांच में 5,429 मीट्रिक टन चावल का रिकॉर्ड सामने आया है। यदि इसकी अनुमानित कीमत का आकलन किया जाए तो यह राशि करीब साढ़े 12 करोड़ रुपये बैठती है। पुलिस इस पूरे मामले में प्रत्येक ट्रक, परिवहन दस्तावेज, गोदाम रिकॉर्ड और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की बारीकी से जांच कर रही है। मंगलवार को दिनभर यह चर्चा रही कि मामले में एक पूर्व मंत्री से

जुड़े राइस मिलर्स के पार्टनर को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि एसपी आदित्य मिश्रा ने ऐसी किसी गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि कई राइस मिलर्स और इस प्रकरण से जुड़े अन्य लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान जिनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अब तक ट्रक चालक दुर्गेश शेंडे, एवीजे एथेनॉल प्लांट के प्रतिनिधि राहुल प्रताप, सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव और सिवनी के ट्रांसपोर्टर उबेद खान को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले की जांच राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में गठित एसआईटी कर रही है, जिसमें 20 से 25 सदस्यीय टीम शामिल है। अब तक जांच के दौरान 20 ट्रकों को बरामद कर उनसे जुड़े दस्तावेजों और परिवहन रिकॉर्ड की जांच की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, इस पूरे नेटवर्क से जुड़े और भी तथ्य सामने आ सकते हैं। गौरतलब है कि 3 जून को वारासिवनी थाना क्षेत्र स्थित संचेती राइस मिल से एवीजे एथेनॉल प्लांट के लिए भेजे जा रहे फोर्टिफाइड चावल से भरे ट्रकों के पकड़े जाने के बाद यह मामला उजागर हुआ था। इसके बाद 5 जून को एफआईआर दर्ज हुई और जांच के दौरान ट्रकों की संख्या, आरोपियों की भूमिका तथा सरकारी चावल के कथित दुरुपयोग को लेकर कई अहम तथ्य सामने आते गए। मामले ने जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी व्यापक चर्चा बटोरी है। फिलहाल पुलिस का पूरा फोकस बालाघाट से एवीजे एथेनॉल प्लांट तक भेजे गए सरकारी चावल की सप्लाई चेन की जांच पर है। वहीं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और एसआईटी की आगे की जांच के बाद इस बहुचर्चित चावल घोटाले में कई और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

एटीएम फ्रॉड का शिकार बना बुजुर्ग, शातिर ठग ने करीब 70 हजार रु किए पार

ट्रांजेक्शन कैंसल करने का झांसा देकर,बुजुर्ग से की गई ठगी, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ आरोपी,तलाश में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। नगर में एटीएम फ्रॉड का एक ताजा मामला सामने आया है,जिसने बैंक उपभोक्ताओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गोंदिया रोड स्थित एसबीआई एटीएम में एक शातिर ठग ने मददगार बनकर एक बुजुर्ग को अपना शिकार बनाया और उनके खाते से 69 हजार 800 रुपये निकाल लिए। राहत की बात यह रही कि बैंक ने संदिग्ध ट्रांजेक्शन देखकर समय रहते खाता ब्लॉक कर दिया, जिससे करीब 10 हजार रुपये की और निकासी होने से बच गई। पूरी वारदात पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

500 रुपये निकालने आए, गंवा बैठे 70 हजार

जानकारी के अनुसार ग्राम छतेरा निवासी रामदयाल पारधी किसी निजी कार्य से बालाघाट आए थे। रुपये की आवश्यकता होने पर वे गोंदिया रोड स्थित एसबीआई के एटीएम से 500 रुपये निकालने पहुंचे। रुपये निकालकर जैसे ही वे बाहर निकले, पहले से मौजूद एक युवक ने उन्हें रोकते हुए कहा कि उन्होंने ट्रांजेक्शन कैंसल नहीं किया, इसलिए वह मशीन का उपयोग नहीं कर पा रहा है।युवक की बातों में आकर बुजुर्ग दोबारा एटीएम के अंदर गए। इसी दौरान शातिर ने मशीन पर बटन दबाकर उन्हें भ्रमित किया, उनका एटीएम कार्ड अपने हाथ में

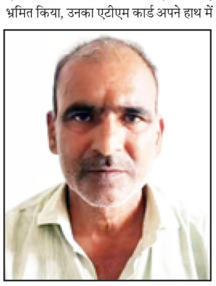

लिया और चालाकी से कार्ड बदल दिया। इसके बाद उसने दोबारा पिन डालने को कहा। बुजुर्ग ने पिन दर्ज कर दिया और आरोपी बदला हुआ कार्ड वापस देकर मौके से फरार हो गया।

कुछ ही मिनटों में दो बार खाते से निकाले रुपये

घटना के लगभग 15 से 20 मिनट बाद बैंक से फोन आया कि खाते से बड़ी रकम निकाली जा रही है। जब पीडित ने बैलेंस की जानकारी ली तो पता चला कि खाते से पहले 29,900 रुपये और फिर 39,900 रुपये, कुल 69,800 रुपये निकाल लिए गए हैं। बैंक ने संदिग्ध गतिविधि देखते हुए तत्काल खाता ब्लॉक कर दिया, जिससे करीब 10 हजार रुपये की अतिरिक्त निकासी रुक गई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश शुरू

पीडित ने तत्काल साइबर सेल, संबंधित बैंक और थाना कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एटीएम के पास स्थित कंप्यूटर दुकान के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जुटा ली है, जिसमें संदिग्ध युवक दिखाई दे रहा है। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव

इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि एटीएम के भीतर किसी भी अजनबी की मदद लेने या उसे अपना पिन नंबर देखने देने की छोटी-सी गलती भारी नुकसान का कारण बन सकती है। पुलिस और बैंक अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि एटीएम का उपयोग करते समय किसी अनजान व्यक्ति की बातों में न आएं, पिन नंबर पूरी तरह गोपनीय रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत बैंक व पुलिस को सूचना दें।

आपने ट्रांजेक्शन कैंसल नहीं किया,कहकर दिया झांसा- पारधी

पीड़ित रामदयाल पारधी ने बताया जब वे एटीएम से बाहर निकले तो उन्हें एक युवक ने बुलाया और कहा कि आपने ट्रांजेक्शन कैंसल नहीं किया है जिससे वह एटीएम का उपयोग नहीं कर पा रहा है।तब मैं अंदर गया तो युवक ने मशीन में कार्ड डालकर ट्रांजेक्शन कैंसल करने कहा। मैने जैसे ही कार्ड मशीन में डाला उसने मशीन का कोई बटन दबाकर फिर से कार्ड डालने कहा।मैं जब तक कार्ड निकालता युवक ने ही खुद कार्ड निकाला और शातिर ढंग से कार्ड बदल दिया।जब मैने दोबारा कार्ड मशीन में डाला तो युवक ने पिन डालने भी कहा जो मैने डाल दिया।उसके बाद युवक ने मुझे कार्ड निकालकर दिया जिसे लेकर मैं चला गया। जिसके कुछ देर बाद ही बैंक से पैसे निकलना शुरू हो गए। हमारी मांग है कि हमारे बैंक अकाउंट से गई रकम हमें वापस लौटायी जाए ,ऐसे लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए, युवक को पड़कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए ताकि किसी अन्य के साथ ऐसा ना हो सके।

घरेलू विवाद में पति ने पत्नी पर पेट्रोल डाल कर लगाई आग

झुलसी महिला जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हीरापुर के कच्ची बारंग में सोमवार की देर रात घरेलू विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग से झुलसी महिला अरुणा पति सुशील कठौते 39 वर्ष को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार जारी है। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला अरुणा कठौते कवेलू फैक्ट्री में मजदूरी करती हैं। परिवार में उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें 14 वर्षीय पुत्र, 13 वर्षीय पुत्री और 11 वर्षीय पुत्र शामिल हैं। उनके पति सुशील कठौते मिस्त्री का काम करते हैं। परिजनों के अनुसार वह शराब पीने के आदी हैं और नशे की हालत में अक्सर घरेलू विवाद करते रहते हैं।बताया गया कि 13 जुलाई की रात सुशील शराब के नशे में घर लौटा था। इसी दौरान घर में पंखा चलाने की बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद सुशील जमीन पर सो गया था। अरुणा ने उसे खाना खाने के लिए कहा लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद अरुणा अपने बच्चों के साथ भोजन कर सो गई।आरोप है कि रात करीब 11:30 बजे सुशील ने सो रही अरुणा पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा दी। आग लगते ही अरुणा की चीख-पुकार सुनकर बच्चे जाग गए। अरुणा ने जमीन पर लोटकर किसी तरह आग बुझाई लेकिन तब तक उसकी कमर के नीचे का हिस्सा झुलस चुका था।घटना के बाद अरुणा अपने बच्चों के साथ हीरापुर में रहने वाली अपनी ननद सुषमा कठौते

के घर पहुंची। वहां से 108 एंबुलेंस की सहायता से उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है।जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने अरुणा के बयान दर्ज कर प्रकरण की डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए भरवेली थाना भेज दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप को साइड देते समय अनियंत्रित हुई मोटरसाइकिल- युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धुटी रोड पर स्थित ग्राम नरसिंगा के पास सोमवार की शाम एक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक मुकेश पिता बसंत सिरसाम 28 वर्ष ग्राम कोचेवाड़ा थाना लामता निवासी है। जिसे लामता से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुकेश सिरसाम अपने परिवार के साथ खेती-किसानी

करता है। बताया गया कि 13 जुलाई की शाम करीब 7 बजे मुकेश अपनी मोटरसाइकिल मे घर से ग्राम सेरवी चरेगांव जाने के लिए निकला था।कोचेवाड़ा से लामता की ओर जाते समय ग्राम नरसिंगा के पास सामने से आ रही एक पिकअप वाहन को साइड देने के दौरान उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल मुकेश को तत्काल शासकीय अस्पताल लामता ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। वर्तमान में मुकेश का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

ट्रामा सेंटर में बच्चे की मौत पर परिजनों ने मचाया जमकर हंगामा

महिला चिकित्सक पर लगाया लापरवाही का आरोप, कहा- समय पर सही उपचार नही मिलने से हुई बच्चे की मौत

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। एक ओर शासन प्रशासन द्वारा जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिए जाने का दावा किया जा रहा है।तो वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में, स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं को लेकर आए दिन हंगामे हो रहे हैं। जहां मरीजों के परिजन और चिकित्सक स्टाफ के बीच आए दिन विवाद देखने को मिल रहा है। ट्रामा सेंटर कि आए दिनों मिल रही इन शिकायतों के बावजूद भी यहां की अव्यवस्थाएं सुधारने का नाम ही नहीं ले रही है। इसी बीच मंगलवार की अल सुबह करीब 3 बजे जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में उस वक्त हंगामा मच गया जब कथित रूप से उपचार में लापरवाही, समय पर सही उपचार ना मिलने के कारण एक नवजात बच्चे की प्रसव के कुछ घण्टे ही मौत हो गई।जिसकी जानकारी मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने ट्रामा सेंटर में जमकर हंगामा मचाया।जहा उन्होंने उपचार में लापरवाही बरतने,सही समय पर ऑपरेशन ना करने के चलते बच्चे की मौत होने का आरोप लगाते हुए, मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

11ता.से भर्ती प्रसूता का 14 को किया सीजर

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रुपझर की उकवा पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहंगाव खुर्द निवासी पंकज क्षीरसागर का विवाह रेणुका के साथ करीब 1 वर्ष पूर्व 2025 में हुआ था।रेणुका के गर्भवती होने पर परिजनों द्वारा समय-समय पर उसका उपचार कराया गया, प्रसव पीड़ा होने पर उनके परिजनों ने रेणुका को 11 जुलाई की सुबह जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर लाकर भर्ती कराया गया था, बताया गया कि 11 जुलाई की दोपहर तक तरह तरह की जांच कराने के बाद, ट्रॉमा

सेंटर की महिला चिकित्सक नॉर्मल डिलीवरी कराने की बात करती रही। लेकिन नॉर्मल डिलीवरी नहीं हो सकी और ना ही प्रसूता का सीजर ऑपरेशन किया गया।उधर प्रसूता दर्द में तड़पती रही लेकिन शाम होने तक जांच रिपोर्ट आने की बात कहते हुए उसपर ध्यान नहीं दिया गया।परिजनों के अनुसार उन्होंने 11जुलाई को प्रसव के लिए रेणुका को भर्ती कराया था, लेकिन 13 जुलाई की रात्रि 12 बजे तक उसका प्रसव नही कराया गया।जब परिजनों ने हंगामा मचाया तो रेणुका को सीजर के लिए ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया।जहा 14 जुलाई को उसने सीजर ऑपरेशन से एक पुत्र को जन्म दिया। परिजनों का आरोप है कि उन्हें बच्चा दिखाया भी नही गया और आईसीयू में भर्ती करा दिया गया।जिसके कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई।

समय पर,सही उपचार नही मिलने का लगाया आरोप

उधर बच्चे के परिजनों ने समय मे सही उपचार ना मिलने का आरोप लगाया है।परिजनों की माने तो उन्होंने प्रसूता को प्रसव के लिए 11 जुलाई को दिन में लाकर भर्ती कराया था,यदि उसी दिन या उसके अगले दिन 12 जुलाई को सीजर कर दिया जाता, समय पर सही उपचार मिल जाता तो बच्चे की जान बच जाती।इसी बात को लेकर अलसुबह करीब 3 बजे मृतक बच्चे के परिजनों ने ट्रामा सेंटर में जमकर हंगामा मचाया और कार्यवाही की मांग करने लगे।उधर हंगामा और विवाद बढ़ता देख अस्पताल चौकी पुलिस को बुलाया गया, जिन्होंने मामले की लिखित शिकायत करने की समझाईश देकर, मामले को शांत कराया।

उपचार में लापरवाही से गई है बच्चे की जान-शैलेन्द्र

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पीड़ित के परिजन शैलेन्द्र कुमार पटले,ने बताया कि 11 तारीख को प्रसूता को भर्ती कराया गया था जिसकी डिलेवरी 14 तारीख को कराई गई,यदि समय रहते ही डिलेवरी करा दी जाती, तो आज ऐसा नहीं होता, हमारे बार-बार कहने पर भी सीजर ऑपरेशन नहीं कराया गया और नॉर्मल डिलीवरी की राह देखते रहे, काफी विवाद करने के बाद सीजर के लिए ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया था, ऑपरेशन के बाद बच्चा हमें दिखाया भी नहीं, और सीधे आईसीयू में भर्ती कर दिया गया और कुछ देर बाद जानकारी दी गई कि बच्चा नहीं रहा। इसमें पूरी गलती यहां की मैडम व स्टाफ की है उपचार मे लापरवाही की गई है जिससे बच्चे की जान चली गई, यदि समय पर सही उपचार मिल जाता तो बच्चा जीवित रहता। हमारी मांग है कि कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए ताकि दूसरों के साथ ऐसा ना हो।

समय पर नहीं पहुंच रहे डॉक्टर, मरीज परेशान

अस्पताल परिसर में उगीं झाड़ियां दे रहीं जहरीले जीव-जंतुओं को आमंत्रण, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाएं बेपटरी हो गई हैं। क्षेत्रीयजनों को समय पर चिकित्सकों की सेवाएं नहीं मिलने के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ओपीडी के समय डॉक्टर समय पर नही पहुंचते है ऐसी स्थिति में दुर-दराज से उपचार करवाने आने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं दुसरी पाली में शाम 4 से 5 बजे के बीच का समय ओपीडी के लिए निर्धारित किया गया है, जिसमें ड्यूटी डॉक्टर द्वारा मरीजों का परीक्षण किया जाना होता है। लेकिन धरातल पर स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। मंगलवार को शाम 4 बजे की ओपीडी के समय जब दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार करवाने अस्पताल पहुंचे, तो काफी समय तक कोई भी डॉक्टर ओपीडी में मौजूद नहीं था। मरीज और उनके परिजन इंतजार करते रहे। काफी देर बीत जाने के बाद महज एक डॉक्टर अस्पताल पहुंचे, जिसके बाद मरीजों का उपचार शुरू हो सका। जिससे दुर-दराज से उपचार करवाने पहुंचे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस तरह से चिकित्सक समय पर ओपीडी में नही पहुंच रहे है जिससे शासन-प्रशासन के बेहतर स्वास्थ्य दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। इस बदहाली के खिलाफ अब स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है और उन्होंने व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग प्रशासन से की है।

अस्पताल के पीछे उगीं झाड़ियां, मरीजों की जान को खतरा

50 बिस्तर का नवीन अस्पताल भवन का निर्माण किया जा रहा है। इसलिए अस्थाई रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन शासकीय महाविद्यालय के बालिका छात्रावास भवन में संचालित किया जा रहा है। जहां से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही है। लेकिन अस्पताल में केवल डॉक्टरों की अनुपस्थिति ही समस्या नहीं है, बल्कि यहां का परिसर भी सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील बना हुआ है। अस्पताल भवन के सामने वाले हिस्से को छोड़कर अन्य हिस्से में लंबी-लंबी झाड़ियां उग आई हैं, जिनकी लंबे समय से सफाई नहीं करवाई गई है। जिन कमरों में मरीजों को भर्ती किया जाता है, उक्त कमरों की कुछ खिड़कियां कमजोर हो चुकी है और खिलड़ियां इन्हीं झाड़ियों की तरफ खुलती हैं। ऐसे में खिड़कियों के रास्ते जहरीले कीड़े-मकोड़े और सांपों के वार्ड के भीतर घुसने की पूरी आशंका बनी हुई है, जिससे कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। वहीं एक तरफ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं देने का दावा करती है, तो वहीं दूसरी तरफ लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों के समय पर नही पहुंचने और प्रबंधन की उदासीनता ने सरकार के दावों की हवा निकाल दी है। परेशान क्षेत्रीयजनों और मरीजों ने शासन-प्रशासन के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि लालबर्रा अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने, कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले और समय पर उपस्थित न होने वाले चिकित्सकों पर कार्यवाही, अस्पताल परिसर की झाड़ियों की साफ-सफाई करवाने की मांग की है ताकि मरीज सुरक्षित वातावरण में अपना इलाज करवाा सकें। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के खंड चिकित्सक अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे से दुरभाष पर अस्पताल के ओपीडी में समय पर चिकित्सक नही पहुंचने से दूर-दराज से आने वाले लोगों को उपचार नही मिलने से हो रही परेशानी, परिसर की झाड़ियों की सफाई करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

डॉक्टर समय पर नही मिलते है - सत्यम

सत्यम एड़े ने बताया कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार करवाने आये थे और ओपीडी का समय शाम 4 से 5 बजे तक का है लेकिन 4.15 बजने के बाद भी कोई डॉक्टर उपस्थित नही हुए और मरीजों की संख्या बढ़ने लगी, लेकिन उनका उपचार करने वाले कोई नही थे जिससे सभी को परेशानी हुई। जबकि दुर-दराज से लोग अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी इसलिए शासकीय अस्पताल आते है, प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार कर और डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें।

झाड़ियों की सफाई करवाये प्रशासन - साहेबलाल

साहेबलाल राहंगडाले ने बताया कि बच्चीं को तेज बुखार होने पर उनका उपचार करवाने लालबर्रा शासकीय अस्पताल आये थे लेकिन पर्ची लेने के बाद भी डॉक्टर नही आये और काफी समय बाद एक डॉक्टर आया जिसके द्वारा उपचार किया गया। जबकि दोपहर के बाद में ओपीडी का समय शाम 4 से 5 बजे तक रहता है। एक घंटे के अंदर परीक्षण एवं जांच करना होता है लेकिन ब्लड जांच में समय लगता है अगर चिकित्सक समय पर नही मिलेगें तो रिपोर्ट दुसरे दिन मिलती है। इसलिए हमारी मांग है कि जो समय निर्धारित ओपीडी के लिए किया गया है उस समय अवधि पर चिकित्सक को ओपीडी में बैठना चाहिए ताकि दुर-दराज से आने वाले लोगों को उपचार समय पर और उन्हे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। श्री राहंगडाले ने बताया कि अस्पताल परिसर एवं भवन के आसपास लंबी-लंबी झाड़ियां उग चुकी है जिससे जहरीले कीड़े-मकोड़े के अंदर प्रवेश करने का डर बना हुआ है इसलिए प्रशासन से मांग है कि झाड़ियों की साफ-सफाई करवाये ताकि मरीजों को अच्छा वातावरण मिल सके।

बेहरई और कनकी के ग्रामीणों ने लाइनमैन पदस्थ करने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। विद्युत वितरण केन्द्र सरेखा-2 (बालाघाट) के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बेहरई मुख्यालय में पिछले लगभग एक महीने से विद्युत लाइनमैन का पद खाली पड़ा है, जिसके कारण क्षेत्र की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो चुकी है। वहीं पूर्व में पदस्थ लाइनमैन का स्थानांतरण होने के बाद से विभाग द्वारा किसी नये कर्मचारी की नियुक्ति नहीं की गई है। इस गंभीर समस्या से परेशान होकर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ग्राम पंचायत कनकी के सरपंच दुर्गाप्रसाद पगरवार के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल दो लाइनमैन पदस्थ करने की मांग की है। चर्चा में कनकी सरपंच दुर्गाप्रसाद पगरवार ने बताया कि बेहरई मुख्यालय एक बेहद महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसके अंतर्गत कुल 6 बड़े गांव आते हैं। इनमें कनकी, बेहरई, लवादा, बिरसोला, मांझापुर और छतेरा शामिल हैं। इन गांवों के अलावा क्षेत्र में स्थित (36 वीं) बटालियन कनकी की विद्युत व्यवस्था की देखरेख का जिम्मा भी इसी मुख्यालय के कर्मचारियों पर निर्भर है। वर्तमान में एक भी लाइनमैन न होने से पूरी व्यवस्था ठप हो चुकी है। श्री पगरवार ने बताया कि बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, इस मौसम में आये दिन बिजली के तार टूटने, फॉल्ट होने और ट्रांसफार्मर में खराबी आने जैसी गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं। मुख्यालय में एक भी जिम्मेदार कर्मचारी न होने के कारण ग्रामीणों को बिजली पोल व ट्रांसफार्मर में खराबी आने पर अंधेरे में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। बेहरई व कनकी के ग्रामीणों के साथ मिलकर मंगलवार को कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपकर बेहरई मुख्यालय में दो लाइनमैनों की स्थाई नियुक्ति करने की मांग की है। मांग करने वालों में कनकी सरपंच दुर्गा पगरवार, रेखलाल भोयर, सुनील भोयर, मिताराम भोयर, राधेश्याम पिछोड़े, नरेन्द्रनाथ सोलंकी सहित ग्रामीणजन शामिल है।

सिध्द बाबा दरबार में पहुंचे समाजसेवी ज्ञानचंद शर्मा, क्षेत्र की सुख-समृध्दि व अच्छी बारिश के लिए की प्रार्थना

मुरूम नाला जलाशय का किया निरीक्षण, अल्प वर्षा से चिंतित किसानों की खुशहाली की कामना की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र की खुशहाली और किसानों की समृध्दि की कामना को लेकर चली आ रही एक ऐतिहासिक और धार्मिक परंपरा को निरंतर रखते हुए मंगलवार को शाम 5 बजे जिला कांग्रेस कमेटी समन्वय समिति के सदस्य, समाजसेवी व वन्यजीव प्रेमी ज्ञानचंद शर्मा मुरूमनाला के पास विराजे सिध्द बाबा के दरबार पहुंचे। जहां बाबा के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र के किसानों की सुख-समृध्दि की कामना की। उल्लेखनीय है कि यह पावन परंपरा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व जनपद अध्यक्ष स्वर्गीय पंडित भिकमचंद शर्मा द्वारा शुरू की गई थी। वे प्रत्येक वर्ष मिरग (जून के प्रथम सप्ताह) से पूर्व अनिवार्य रूप से सिध्द बाबा के दर्शन कर प्रार्थना करते थे। पिता द्वारा स्थापित इसी जन-कल्याणकारी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ज्ञानचंद शर्मा भी प्रतिवर्ष बाबा के दरबार में शीश नवाते आ रहे हैं। वर्तमान में समूचे क्षेत्र में हो रही अल्प वर्षा (कम बारिश) के कारण किसान बेहद चिंतित और परेशान हैं। किसानों की इसी गंभीर पीड़ा और फसलों की चिंता को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी, जिला कांग्रेस कमेटी समन्वय समिति के सदस्य ज्ञानचंद शर्मा ने सिध्द बाबा से क्षेत्र में शीघ्र और अ%छी बारिश करवाने की विशेष कामना की, ताकि अन्नदाताओं के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट सके। दर्शन और पूजन के पश्चात उन्होंने मुरूम नाला जलाशय का स्थलीय निरीक्षण भी किया, जिससे जल स्तर की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। इस धार्मिक व जनकल्याणकारी यात्रा के दौरान उनके साथ मुख्य रूप से पूर्व जिला जल उपभोक्ता संस्था अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के सम्मानित सदस्यगण उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने भी सिध्द बाबा के समक्ष माथा टेककर क्षेत्र की उन्नति, खुशहाली और बेहतर मानसूनी वर्षा के लिए सामूहिक प्रार्थना की है।

माइनिंग इंस्पेक्टर के पद पर चयनित हुए स्वास्तिक देशमुख

बड़े भाई संगीत देशमुख भी मध्यप्रदेश शासन में हैं सहायक संचालक, आईआईटी कानपुर से पीएचडी कर रहे हैं स्वास्तिक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगा निवासी कृषक रूपसेन (विनोद) देशमुख के छोटे पुत्र स्वास्तिक देशमुख ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। स्वास्तिक का चयन माइनिंग इंस्पेक्टर के पद पर हुआ है। उनकी इस गौरवमयी उपलब्धि से कटंगा घोटी सहित पूरे लालबर्रा क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त है। होनहार स्वास्तिक को बधाई देने के लिए उनके घर पर परिजनों, इष्ट मित्रों और शुभचिंतक पहुंचकर मिठाई खिलाकर बधाईयां दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

आईआईटी कानपुर से कर रहे हैं पीएचडी

आपकों बता दे कि स्वास्तिक देशमुख की प्रारंभिक शिक्षा लालबर्रा में ही संपन्न हुई है। जिसके बाद वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भोपाल चले गये जहां से उन्होंने भूगर्भ शास्त्र (जियोलॉजी) विषय में एमएससी (स्नातकोत्तर) की डिग्री हासिल की है। वर्तमान में स्वास्तिक अपनी शैक्षणिक योग्यता के बल पर देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी कानपुर से भूगर्भ शास्त्र में पीएचडी कर रहे हैं। वहीं स्वास्तिक के परिवार के लिए यह दोहरी खुशी का अवसर है। उनके बड़े भाई संगीत देशमुख ने भी पूर्व में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता का परचम लहराया था। वर्तमान में वे पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन में सहायक संचालक के पद पर छिंदवाड़ा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्वास्तिक अपने परिवार के दूसरे ऐसे सदस्य हैं जो शासकीय सेवा के इस प्रतिष्ठित पद पर चयनित हुए हैं। स्वास्तिक देशमुख की इस ऐतिहासिक सफलता पर उनकी दादी झेलनबाई देशमुख, नानी केसरबाई बिसेन, पिता रूपसेन देशमुख, माता श्रीमती गीता देशमुख (गृहणी), बड़े पापा तानसेन देशमुख, बड़ी मम्मी किरण देशमुख, छोटी दादी शकुंतला देशमुख, बड़ी मौसी सीता तुरकर, छोटी मौसी भोजेश्वरी चौहान, चाचा प्रकाश देशमुख, भाई स्वप्निल देशमुख, शुभम देशमुख और दिशांत हनवत, गुरूप्रसाद बिसेन, श्रीमती हेमलता गौतम, प्रकाश देशमुख, घोटी सरपंच तीरथसिंह बिसेन, जनपद सदस्य देवेश गौतम सहित समस्त मित्रों और क्षेत्रवासियों ने उसके उ%जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की है।

माइनिंग ऑफिसर बनाना है - स्वास्तिक

माइनिंग इंस्पेक्टर पद पर चयनित हुए स्वास्तिक देशमुख ने बताया एमपीपीएससी द्वारा आयोजित इस परीक्षा में दो भाग होते हैं-प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का और द्वितीय प्रश्न पत्र मुख्य विषय का होता है। चूंकि मैं भूगर्भ शास्त्र से ही पीएचडी कर रहा हूँ, इसलिए विषय पर मेरी पकड़ मजबूत थी और तैयारी भी निरंतर जारी थी। जिस दिन परिणाम घोषित हुआ, मुझे दोस्त के माध्यम से जानकारी मिली, लेकिन मुझे विश्वास नहीं हुआ, बाद में बड़े भाई ने जब स्वयं रिजल्ट चेक कर पुष्टि की, तब मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यह मेरा दूसरा प्रयास था और मेरा अंतिम लक्ष्य माइनिंग ऑफिसर (खनिज अधिकारी) बनना है। श्री देशमुख ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बड़े भाई, गुरूजनों और मित्रों को देते हुए प्रतियोगी परीक्षा का तैयारी कर रहे परीक्षार्थियों को संदेश देते हुए बताया कि तैयारी के दौरान हमेशा सिलेबस को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। असफलताओं से घबराने के बजाय अपनी कमजोरियों को पहचानें, उन पर कड़ी मेहनत करने और निरंतर प्रयास करते रहने से निश्चित ही सफलता मिलती है।

बच्चों को दें बेहतर शिक्षा और पूरा समर्थन - रूपसेन

रूपसेन (विनोद) देशमुख ने बताया कि अभिभावक के तौर पर हमारा कर्तव्य है कि हम ब%चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा दिलाने का प्रयास करें। उन्हें पढ़ाई के लिए पूरा समर्थन देना चाहिए, उनका हौसला बढ़ाना चाहिए और आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रोत्साहित करना चाहिए। आगे बताया कि हमारे द्वारा बच्चों को हमेशा शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित कर बेहतर से बेहतर शिक्षा देने का प्रयास किया गया है। जिसका परिणाम है कि मेरे दोनों बेटे शासकीय सेवा में चयनित हुए है, ये हमारे लिए गौरव की बात है। इसलिए मैं सभी बच्चों के अभिभावकों से अपील करता हूं कि बच्चों को बेहतर शिक्षा और पूरा समर्थन करें ताकि वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर ३ दिवसीय सामूहिक अवकाश पर गए पटवारी

लंबित मांगें पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर खैरलाँजी पटवारी संघ के द्वारा अपनी विभिन्न न्यायोचित एवं लंबे समय से लंबित ५ सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंप कर ३ दिवसीय सामूहिक सांकेतिक अवकाश पर चले गए हैं। इस सामूहिक अवकाश के कारण क्षेत्र के तमाम राजस्व कार्य पूरी तरह से ठप होने की संभावना है। सौपे गए ज्ञापन में पटवारी संघ ने उल्लेख किया है कि वे अपनी जायज मांगों को लेकर विगत कई वर्षों से निरंतर विभिन्न माध्यमों से शासन स्तर पर संघर्षरत हैं। पूर्व में मुख्यमंत्री के द्वारा पटवारी महाधिवेशन का आमंत्रण स्वीकार करते हुए नवंबर २०२५ का समय दिया गया था। किंतु लगातार प्रयासों के बावजूद मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा महाधिवेशन की कोई तारीख निश्चित नहीं की गई और ना ही पटवारियों की मांगों का कोई निराकरण किया गया। इससे संपूर्ण पटवारी संवर्ग खुद को उपेक्षित और शोषित महसूस कर रहा है।

यह हैं पटवारियों की ५ सूत्रीय मांगें

पटवारियों ने ज्ञापन में मांग की है कि पटवारी संवर्ग की वेतनमान विसंगति को दूर करने के लिए शासन स्तर पर लंबित कैडर रिव्यू प्रस्ताव को तत्काल लागू किया जाए। पदोन्नति से शेष रहे पटवारियों को समयमान वेतनमान का लाभ अति शीघ्र दिया जाए। नायब तहसीलदार पद हेतु विभागीय परीक्षा का नियमित आयोजन हो। पिछले २५ वर्षों में सिर्फएक बार वर्ष २०१८ में यह परीक्षा हुई है जिसे पुनः शीघ्र आयोजित कराया जाए। राजस्व मामलों की जांच व निर्णय के दौरान कई मामलों में पटवारियों पर सीधे एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। अतः पटवारियों को भी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की भांति जज प्रोटेक्शन एक्ट में शामिल किया जाए। स्वामित्व योजना, कृषि संगणना, लघु सिंचाई संगणना और फार्मर आईडी कैंप जैसे विभिन्न शासकीय कार्यों का मानदेय जो वर्षों से लंबित है उसका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। संगठन के पदाधिकारियों के खिलाफ किए जा रहे नियम विरुद्ध और प्रताड़ना पूर्ण स्थानांतरणों को तत्काल निरस्त किया जाए तथा स्थानांतरण नीति २०२६ का कड़ाई से पालन हो।

मांगे पूर्ण नही होने पर तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश ले रहे है-शिफिल धमगाये

पटवारी शिफिल धमगाये ने बताया कि अभी हमारे मध्य प्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर कैडर रिव्यू समयमान वेतन व अन्य विसंगति के बारे में पूर्व में एक ज्ञापन दिया था। हम लोगों के संघ की अधिकारियों से चर्चा भी हुई थी परंतु उसका कोई परिणाम नहीं निकलने पर हम सभी तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश ले रहे हैं। इसमें समस्त पटवारी १५ से १७ जुलाई तक अवकाश पर रहेंगे फिर भी कुछ नहीं होता है तो प्रांतीय संगठन के निर्देश का आगे पालन करेंगे।

इनका कहना हैं

खैरलांजी तहसील के पटवारियों ने अपने संघ के आव्हान पर ज्ञापन दिया है। इसमें इन्होंने पदोन्नति वेतनमान जैसी कई मांगे रखी है। यह सभी तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश पर जा रहे हैं अब पटवारी का काम तो पटवारी ही करेगा।

तीरथ प्रसाद अक्षरिया
तहसीलदार खैरलाँजी

नपा परिषद ने राष्ट्रीय नमस्ते दिवस का किया आयोजन

पीपीई किट वितरित कर सफाई मित्रों का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार भारत सरकार द्वारा संचालित योजना नेशनल एक्शन फ ॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम के अंतर्गत सीवर एवं सेप्टिक टैंक सफाई मित्र एवं कचरा बिनने वाले सफ ाई मित्रों को शामिल कर निर्देशानुसार १४ जुलाई २०२६ को नगर पालिका परिषद वारासिवनी में राष्ट्रीय नमस्ते दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दादरे, श्रीमती अंशिका सिंह चौहान अधिकारी कर्मचारी एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नमस्ते योजना अंतर्गत पंजीकृत सफ ाई मित्रों एवं वेस्ट पिकर्स का सम्मान करते हुए उन्हें पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट किट तथा पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सफाई मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आयोजन के अंतर्गत सफ ाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण, शिविर आयोजित किए गए। जिसमें उपस्थित स्वच्छता मित्रों का स्वास्थ परीक्षण मेडिकल ऑफिसर एवं स्टाफद्वारा किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा कि सफाई मित्र हमारे शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनका सम्मान, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राष्ट्रीय नमस्ते दिवस का उद्देश्य सफाई मित्रों के योगदान का सम्मान करना तथा उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है। श्रीमती अंशिका सिंह चौहान उपयंत्री ने कहा कि नगर पालिका द्वारा सफाई मित्रों के कल्याण हेतु संचालित सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा तथा भविष्य में उनके हित में निरंतर कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों के द्वारा स्वच्छता, सुरक्षित कार्य व्यवहार एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर किया गया।

घर से निकला किसान अगली सुबह जंगल में मिला शव

धारदार हथियार से रेता गला डॉग स्क्वाड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स ने 5 घंटे तक खंगाला घटनास्थल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोपे से बरबसपुर सड़क किनारे स्थित जंगल में सोमवार की सुबह संदिग्ध अवस्था में शव मिलने का मामला प्रकाश में आया है। यहाँ एक ४० वर्षीय युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई ,मृतक की पहचान ग्राम डोंगरिया निवासी राजेंद्र शरणागत उम्र के रूप में हुई है। जो सोमवार की दोपहर में लापता था शव के गले पर धारदार हथियार के गहरे निशान मिले हैं जिससे प्रथम दृष्टया मामला गला रेतकर निर्मम हत्या का प्रतीत हो रहा है। मामले में पुलिस के द्वारा विवेचना शुरू कर दी गई है।

ग्रामीणों ने जंगल में देखा युवक का शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह कुछ ग्रामीण जंगल के रास्ते से अपने खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कोपे.बरबसपुर सड़क किनारे जंगल में उनकी नजर एक अज्ञात शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना गांव के अन्य लोगों को दी और वारासिवनी पुलिस को मामले से अवगत कराया। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस बल तुरंत मौके पर पंहुचा और घटनास्थल को अपने नियंत्रण में लिया। पुलिस को मृतक के शव के पास से एक शराब की बोतल और पानी की बोतल बरामद हुई है जिससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि घटना के वक्त वहाँ कोई और भी मौजूद था। मृतक राजेंद्र के गले पर किसी धारदार हथियार से वार किए जाने के गहरे निशान थे। अत्यधिक खून बह जाने और गले पर गंभीर चोट होने के कारण पुलिस इसे सीधे तौर पर हत्या का मामला मानकर चल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वारासिवनी पुलिस ने तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद एफएसएल टीम बालाघाट, डॉग स्क्वाड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स की टीम को विशेष रूप से मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों और विभिन्न जांच एजेंसियों ने घटनास्थल और शव का बारीकी से निरीक्षण किया। डॉग स्क्वाड की मदद से आसपास के जंगलों में आरोपियों के सुराग तलाशने की कोशिश की गई। वहीं फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स ने शराब व पानी की बोतल सहित अन्य जगहों से उंगलियों के निशान एकत्र किए। लगभग ५ घंटे तक चली इस सघन छानबीन के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया।

आज होगा पोस्टमार्टम

पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह में लाकर सुरक्षित फ्रीजर में रखवा दिया है। मंगलवार की शाम हो जाने के कारण पोस्टमार्टम १५ जुलाई की सुबह किया जाएगा। मृतक राजेंद्र शरणागत ग्राम डोंगरिया का स्थाई निवासी था। वह पेशे से किसान था और अपने पीछे पत्नी, दो मासूम बच्चों और बूढ़ी मां को छोड़ गया है। परिजनों के अनुसार राजेंद्र सोमवार की दोपहर अचानक घर से बिना कुछ बताए कहीं निकला था। जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश कर रहे थे और अगली सुबह सीधे उसकी मौत की खबर सामने आई।

मृतक मेरे मामा ससुर के दामाद है जो डोंगरिया रहते है- योगेश ठाकरे

योगेश ठाकरे ने बताया कि हम कोपे रहते हैं और यह मृतक मेरे मामा ससुर के दामाद है जो डोंगरिया रहते हैं। हमारे पंचायत के व्हाट्सएप ग्रुप पर जानकारी मिली तो उनकी फोटो देख हमने पहचाना फिर रिश्तेदारों को फोन किया। यह डोंगरिया में रहकर किसानी कार्य करते थे सोमवार को १२ बजे से यह लापता थे। अब पता नहीं क्या हुआ है पुलिस जांच कर रही है।

मामला हत्या का हैं या नहीं यह विवेचना का विषय है-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि १४ जुलाई को हमें पता चला कि कोपे बरबसपुर रोड पर १०० मीटर अंदर जंगल में एक व्यक्ति का शव मिला है। मौके पर थाना प्रभारी सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए शव की स्थिति देखते हुए तत्काल एफएसएल, फिंगरप्रिंट और डॉग स्क्वायड से बुलाकर जांच करवायी गई। मृतक राजेंद्र शरणागत उम्र ४० वर्ष डोंगरिया का रहने वाला है मामले में मर्ग पंजीबद्ध पर पोस्टमार्टम के लिए शव ला लिया गया है मामला हत्या का हैं या नहीं यह विवेचना का विषय है।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर हुई ठगी के पीड़ितों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल और थाना प्रभारी से लगाई न्याय की गुहार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र में फ ॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर सैकड़ों निवेशकों की गाढ़ी कमाई हड़पने का एक बड़ा मामला सामने आया था। लंबे समय से न्याय के लिए भटक रहे पीड़ित निवेशकों ने मंगलवार को पूर्व केबिनट मंत्री प्रदीप जायसवाल और वारासिवनी थाने के नवागत थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके से मुलाकात कर अपनी आपबीती सुनाई और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की।

झांसा देकर हड़प ली खून पसीने की कमाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष २०२४-२५ में वारा के पूर्व सरपंच रिजवान राजा अली और उसके साथियों ने नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों लोगों को फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश कर मोटी कमाई का लालच दिया था। शुरुआत में निवेशकों को भरोसा जीतने के लिए कुछ महीनों तक लगभग ६ प्रतिशत का रिटर्न दिया गया। जैसे ही निवेश की राशि बड़ी हुई रिटर्न मिलना पूरी तरह बंद हो गया। जब पीड़ितों ने अपनी रकम वापस मांगी तो उन्हें लगातार टालमटोल किया गया और कई बार तो उन्हें सीधे तौर पर धमकियां भी दी गईं। लंबे समय तक शिकायत के बाद भी जब पुलिस के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो निराश होकर सभी पीड़ित मंगलवार को पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के निवास पहुंचे। पीडितों की व्यथा सुनने के बाद पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने तत्काल फोन पर पुलिस अधीक्षक बालाघाट से बात की और पूरे मामले की गंभीरता से अवगत कराया। एसपी बालाघाट ने इस मामले में जल्द से जल्द उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। पूर्व मंत्री के आवास से निकलने के बाद सभी पीड़ित एकजुट होकर वारासिवनी थाना पहुंचे। वहां उन्होंने नवागत थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके से मुलाकात की। थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीडितों से ठगी और निवेश से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज, बैंक ट्रांजेक्शन और सबूत जल्द से जल्द थाने में जमा करने को कहा है ताकि आरोपियों के खिलाफवैधानिक कार्यवाही और एफआईआर की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। पीड़ित परिवार अब जल्द से जल्द अपनी फंसी हुई राशि वापस पाने और दोषियों को सलाखों के पीछे देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह पूरा मामला १२० करोड़ से अधिक की राशि का है राजा अली पर कार्यवाही हो-नगेंद्र रंगारे

नगेंद्र रंगारे ने बताया कि हम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के पास अपनी समस्या से अवगत करवाने आए थे। एक माह पूर्व हमने थाने में राजा अली, फरहान अली और मुदस्सर के खिलाफ शिकायत की थी। उसमें हमें सकारात्मक परिणाम नहीं मिले तो यहां पर आए थे पुलिस की कार्यवाही जैसी अपेक्षा थी वैसी नहीं होने पर हमें यहां आना पड़ा। कार्यवाही के नाम पर एसडीओपी के यहां हमारे बयान हुए हैं थाने में बुलाया गया है, बयान देने पर पुलिस का विवेक है कि वह क्या करती है। राजा अली ने एक ट्रेडिंग कंपनी खोला था उसमें हमें ६ प्रतिशत रिटर्न का लालच दिया तो हमने निवेश किया था। यह पूरा १२० करोड़ से अधिक राशि का मामला है हम यही चाहते हैं कि हमें हमारी राशि वापस हो। राजा अली ,फरहान अली जैसा कोई व्यक्ति दोबारा ना आए और इन पर कड़ी कार्यवाही हो।

राजा अली ने ६ प्रतिशत रिटर्न का लालच देकर की धोखाधड़ी-मिनाज अली

पीड़ित मिनाज अली ने बताया कि हम लोगों के साथ ठगी हुई है राजा अली के द्वारा पैसा लिया गया है। ६ प्रतिशत रिटर्न के हिसाब से किसी कंपनी में लगाता हूं कहा गया था ऐसा लग रहा है कि वारासिवनी में इन्हीं के द्वारा ठगी कर ली गई है। पैसे मांगने पर यह कंपनी का नाम बताते हैं कंपनी फरवरी २०२४ में बंद हुई है उसके बाद भी इन्होंने पैसा लिया और दिया है जब कंपनी बंद हो गई थी तो लेनदेन कैसे किया। हम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के पास आए थे उन्होंने पुलिस अधीक्षक बालाघाट से बात की है और १० से १२ दिन में कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

पिड़ितो को न्याय मिले और लालच देने वालो पर कठोर कार्यवाही हो-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि काफी लोग जिनका पैसा डूबा है वह आए हुए हैं इसके पूर्व भी कुछ लोग आए हुए थे। जैसी पुलिस की कार्यवाही होना चाहिए वैसी होगी सोचा पर इन लोगों ने अवगत कराया की कार्यवाही नहीं हुई है। तो तत्काल पुलिस अधीक्षक से बात की गई है उन्होंने अवगत कराया कि जिले में कई घटनाक्रम चल रहे हैं चावल और जमीन सहित अन्य मामले हैं। जिसमें व्यस्तता के चलते ध्यान नहीं दिया गया है तो उन्होंने आश्वाशन दिया है कि कुछ दिन बाद इस प्रकरण में तत्परता के साथ पुलिस कार्यवाही करेगी। इसमें चार पांच नाम जो है उन नाम से मतलब नहीं है पर जो भी पीडित लोग हैं उन्होंने बयान दिए हैं उसमें जो नाम आए हैं। इसमें अब उनके द्वारा मोबाइल पर बात करके या अन्य तरीके से जो कुछ किया गया है। क्योंकि यह करोड़ का घोटाला है तो जैसा जमीन और चावल की कार्यवाही हो रही है वैसी ही जल्द इस मामले में भी कार्यवाही देखने मिलेगी।

सड़क दुर्घटना में चेतेश गंभीर रूप से घायल जिला चिकित्सालय रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत अंसेरा के ग्राम खड़गपुर के तिबट्टा स्थित पुलिया पर सड़क दुर्घटना होने से १९ वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना उस समय हुई जब चेतेश पारधी अपने ग्राम हीराटोला लौट रहा था। घायल का सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चेतेश पिता भरतलाल पारधी उम्र १९ वर्ष हीराटोला बघोली निवासी बालाघाट पॉलिटेक्निक कॉलेज में अध्यनरत है। जो प्रतिदिन की तरह मंगलवार को अपने घर से पॉलिटेक्निक कॉलेज जाने के लिए मोटरसाइकिल से निकला था। इसके बाद शाम करीब ७ बजे ग्राम पंचायत अंसेरा के खड़गपुर की चौक के पास स्थित पुलिया पर मोटरसाइकिल स्लिप होने से चेतेश मौके पर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों के द्वारा युवक की पहचान कर घटना की जानकारी तत्काल घायल के परिजनों को दि गयी। जिन्होंने मौके पर उपस्थित होकर घायल को संजीवनी १०८ की मदद से सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाकर भर्ती किया। जहां उसका प्राथमिक उपचार कर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। इस दुर्घटना में चेतेश पारधी के हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्से में अंदरूनी और बाहरी छोटे आई है वहीं पेट में भी गंभीर कट लग गया है। इसमें बताया जा रहा है कि युवक का जिस पुलिया पर वाहन स्लिप हुआ था वहां पुलिया के किनारे छोटे सरिया के एंगल लगे हुए हैं जिससे पेट में गंभीर चोट आई है।

साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निर्माताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत ब ?ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है। युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो। भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी।

भारत की कूटनीतिक उड़ान बनाम पश्चिम एशिया का युद्ध

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए अवसर, जोखिम और नई दिशा

वैश्विक स्तरपर भारतीय विदेश नीति,वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों के दृष्टिकोण से 11 जुलाई 2026 एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन के रूप में दर्ज किया जाएगा। एक ओर भारतीय प्रधानमंत्री की छह दिवसीय इंडोनेशिया,ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड यात्रा 6 से 11 जुलाई 2026 छह दिवसीय यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई,जिसमें अनेक रणनीतिक समझौते,निवेश साझेदारियां, रक्षा सहयोग,क्रिटिकल मिनरल्स, मुक्त व्यापार और तकनीकी सहयोग से जुड़े एमओयू हुए।दूसरी ओर,पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच समझौता टूटने के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य हमले तेज होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार,समुद्री व्यापार, निवेशकों की धारणा और अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई।इन दोनों घटनाओं को यदि एक साथ देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि विश्व अर्थव्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां एक तरफ युद्ध से उत्पन्न जोखिम हैं तो दूसरी ओर भारत के लिए नए आर्थिक अवसर भी तेजी से उभर रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र वित्तीय दृष्टिकोण से बताना चाहूंगा कि भारतीय पीएम की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड यात्रा केवल एक राजनयिक दौरा नहीं थी बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक नीति का महत्वपूर्ण विस्तार थी। इंडोनेशिया के साथ रक्षा उत्पादन,समुद्री सुरक्षा तथा लगभग 5,400 करोड़ रूपए के रक्षा सहयोग,ऑस्ट्रेलिया के साथ क्रिटिकल मिनरल्स, लिथियम, दुर्लभ खनिज, शिक्षा,ऊर्जा तथा सेमीकंडक्टर सहयोग और न्यूजीलैंड के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते ने यह संकेत दिया कि भारत केवल व्यापार नहीं बढ़ाना चाहता बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन में एक निर्णायक भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।इससे भारत के विनिर्माण, निर्यात, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी और हाई-टेक उद्योगों को सटीकता से नई गति मिलने की संभावना है। साथियों भारतीय शेयर बाजार के दृष्टिकोण से देखें तो इन समझौतों का सबसे अधिक लाभ रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, पोर्ट, जहाजरानी और निर्यात आधारित कंपनियों को मिलने की संभावना है। निवेशकों की सोच सामान्यत: भविष्य की संभावनाओं पर आधारित होती है।जब किसी देश के साथ दीर्घकालिक व्यापारिक समझौते होते हैं,तब विदेशी निवेशकों का विश्वास मजबूत होता है।यही कारण है कि ऐसे कूटनीतिक समझौते अक्सर बाजार को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करते हैं,भले ही अल्पकाल में वैश्विक घटनाओं के कारण सटीकता से उतार- चढ़ाव बना रहे। साथियों, न्यूजीलैंड के साथ रिकॉर्ड समय में संपन्न मुक्त व्यापार समझौता,40 साल का सूखा खत्म! 35000 करोड़ का होगा ट्रेड, समझौते हुए ?- भारत -न्यूजीलैंड ने तैयार किया विजन 2030, भारतीय कृषि,डेयरी, फार्मास्यूटिकल्स, आईटी सेवाओं वस्त्र उद्योग,खाद्य प्रसंस्करण तथा इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए नए अवसर लेकर आया है। यदि दोनों देशों के बीच व्यापार 2030 तक दोगुना होता है तो भारत के निर्यातकों, बंदरगाहों, कंटेनर लॉजिस्टिक्स बैंकिंग और बीमा क्षेत्र को भी अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। इससे भारतीय रुपये की स्थिरता और विदेशी मुद्रा भंडार पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। साथियों,ऑस्ट्रेलिया के साथ क्रिटिकल मिनरल्स साझेदारी भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि भविष्य की अर्थव्यवस्था इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर उद्योग पर आधारित होगी। लिथियम, कोबाल्ट तथा अन्य दुर्लभ खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति भारत को चीन पर निर्भरता कम करने का अवसर देती है। इससे मेक इन इंडिया,आत्मनिर्भर भारत और उच्च मूल्य विनिर्माण को नई गति मिलने की संभावना है।इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग और समुद्री सुरक्षा समझौते हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की सामरिक स्थिति को मजबूत करते हैं। ब्रह्मोस जैसे रक्षा निर्यात भारतीय रक्षा उद्योग के लिए वैश्विक बाजार खोल सकते हैं। रक्षा निर्यात में वृद्धि का सीधा लाभ सार्वजनिक और निजी दोनों रक्षा कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और सहायक उद्योगों को मिलेगा। इससे रोजगार, उत्पादन और निर्यात आय में सटीकता से वृद्धि होगी। साथियों, इन सकारात्मक संकेतों के बीच पश्चिम एशिया से आने वाली खबरें वैश्विक बाजारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। ईरान और अमेरिका के बीच समझौता टूटने तथा दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष ने वैश्विक निवेशकों को जोखिम से बचने की रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित किया है। जब भी विश्व में युद्ध या बड़े भू- राजनीतिक तनाव उत्पन्न होते हैं, तब निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों जैसे सोना, अमेरिकी डॉलर और सरकारी बॉन्ड की ओर रुख करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि उभरते बाजारों से विदेशी निवेश का अस्थायी बहिर्वाह शुरू हो सकता है।भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है।यदि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बना रहता है और तेल आपूर्ति प्रभावित होती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची रह सकती हैं। इससे भारत का आयात बिल बढ़ेगा, चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है, रुपये पर दबाव आ सकता है तथा घरेलू महंगाई में वृद्धि की आशंका बनेगी। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, उर्वरक, प्लास्टिक, रसायन तथा परिवहन लागत बढ़ने से लगभग हर क्षेत्र प्रभावित हो सकता है।भारतीय शेयर बाजार में ऐसे समय सबसे अधिक दबाव विमानन, ऑटोमोबाइल, पेंट, टायर, सीमेंट, रसायन और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्रों पर दिखाई देता है क्योंकि इनकी उत्पादन लागत ऊर्जा पर काफी निर्भर करती है। दूसरी ओर तेल एवं गैस उत्पादन,रक्षा, ऊर्जा अवसंरचना तथा कुछ कमोडिटी आधारित कंपनियों को अपेक्षाकृत लाभ मिल सकता है।यही कारण है कि युद्धकालीन परिस्थितियों में सेक्टर रोटेशन तेजी से देखने को मिलता है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। अमेरिका, यूरोप और एशिया के प्रमुख बाजार युद्ध संबंधी समाचारों पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं। यदि संघर्ष लंबा चलता है तो वैश्विक विकास दर प्रभावित हो सकती है, समुद्री मालभाड़ा बढ़ सकता है, बीमा लागत बढ़ सकती है और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव आ सकता है। इससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लाभ पर असर पड़ सकता है।हालांकि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक पक्ष यह भी है कि विश्व की अनेक कंपनियां अब अपनी आपूर्ति श्रृंखला का विविधीकरण करना चाहती हैं। चीन-प्लस-वन रणनीति, हिंद- प्रशांत साझेदारी और भारत के साथ बढ़ते व्यापारिक समझौते भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।यदि भारत समय पर अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स श्रम सुधार और उत्पादन क्षमता को मजबूत करता है तो वह युद्ध से उत्पन्न वैश्विक पुनर्संतुलन का वास्तव में बहुत बड़ा लाभ उठा सकता है। साथियों, विदेशी संस्थागत निवेशकों की दृष्टि से भारत आज भी सबसे आकर्षक उभरती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है।मजबूत घरेलू मांग,डिजिटलअर्थव्यवस्था युवा कार्यबल, तेज बुनियादी ढांचा विकास, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं और स्थिर वित्तीय प्रणाली भारत को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश गंतव्य बनाती हैं। यही कारण है कि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद दीर्घकालिक निवेशकों का विश्वास बना रह सकता है।भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती महंगाई नियंत्रण और विकास दर के बीच संतुलन बनाए रखने की होगी। यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहती हैं तो मौद्रिक नीति, राजकोषीय प्रबंधन और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ेगी। साथ ही रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा और घरेलू गैस उत्पादन का महत्व और बढ़ जाएगा। साथियों, विश्व अर्थव्यवस्था के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो वर्तमान समय दो विपरीत धाराओं का संगम है। पहली धारा युद्ध, ऊर्जा संकट,महंगाई और अनिश्चितता की है।दूसरी धारा तकनीकी निवेश,हरित ऊर्जा,डिजिटल परिवर्तन,रक्षा आधुनिकीकरण और नए व्यापारिक गठबंधनों की है। भारत की त्रि-राष्ट्र यात्रा दूसरी धारा का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि ईरान-अमेरिका संघर्षपहली धारा का। आने वाले वर्षों में जो देश इन दोनों चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित कर पाएंगे, वही वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दौड़ में आगे रहेंगे। साथियों, भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वह आज केवल एक बड़ा उपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार, रक्षा सहयोगी,तकनीकी भागीदार और विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती भूमिका, मुक्त व्यापार समझौते,रक्षा निर्यात, क्रिटिकल मिनरल्स साझेदारी और वैश्विक निवेश आकर्षित करने की क्षमता भारत को आने वाले दशक में विश्व अर्थव्यवस्था के प्रमुख विकास इंजन के रूप में सटीकता से स्थापित कर सकती है। साथियों,11 जुलाई 2026 शाम हुई भारतीय पीएम के त्रि-राष्ट्रीय छह दिवसीय दौरे में भारत- न्यूजीलैंड का विजन 2030 दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरुआत जैसा है, जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था व शेयर बाजारों मैं दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकता है।40 साल बाद हुई इस पहल से उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और सहयोग नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा, भारत और न्यूजीलैंड के रिश्तों में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है. करीब 40 साल बाद न्यूजीलैंड के किसी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुई अहम बातचीत ने व्यापारिक रिश्तों के लिए नए रास्ता खोल दिए हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने मिलकर विजन 2030 का रोडमैप तैयार किया है, जिसका मकसद दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना है. दोनों देशों की कोशिश है कि आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को करीब 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाया जाए.भारत और न्यूजीलैंड के बीच लंबे समय से अच्छे कूटनीतिक संबंध रहे हैं, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों के बीच व्यापार की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ पाई थी. अब दोनों देशों ने इस अंतर को कम करने के लिए विजन 2030 तैयार किया है. ट्रेड डील लागू होने के बाद पहले दिन से ही न्यूजीलैंड के 57 प्रतिशत निर्यात को भारत में बिना टैरिफ के एंट्री मिलेगी. इससे न्यूजीलैंड के कृषि, फूड प्रोसेसिंग, डेयरी के सामान को भारतीय बाजार में पहुंच बनाने में मदद मिलेगी. वहीं, भारत को भी न्यूजीलैंड के बाजार में अपने उत्पादों के लिए बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद है. इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय पीएम की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड यात्रा भारत की आर्थिक कूटनीति को नई ऊंचाई देने वाली सिद्ध हो सकती है,जबकि ईरान- अमेरिका संघर्ष विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर जोखिम प्रस्तुत करता है। अल्पकाल में शेयर बाजारों में अस्थिरता,महंगाई और ऊर्जा लागत का दबाव बना रह सकता है,किंतु यदि भारत अपने सुधारों,व्यापारिक साझेदारियों, ऊर्जा सुरक्षा और निवेश वातावरण को मजबूत बनाए रखता है, तो वह इस वैश्विक संकट को भी अवसर में बदल सकता है।यही कारण है कि आज भारत के सामने चुनौती जितनी बड़ी है, संभावना उससे कहीं अधिक व्यापक है। आने वाले वर्षों में भारतीय शेयर बाजार, भारतीय उद्योग और भारतीय अर्थव्यवस्था का भविष्य केवल घरेलू नीतियों पर नहीं बल्कि भारत की सक्रिय वैश्विक कूटनीति, रणनीतिक साझेदारियों और बदलते विश्व आर्थिक संतुलन को अवसर में बदलने की क्षमता पर भी निर्भर करेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

-ललित गर्ग

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंतत: पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंतत: स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करो ?ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंतत: समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खा ?ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है।

विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

भारत न्यूजीलैंड संबंधों का नया स्वर्णिम अध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा ने भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है। दोनों देशों ने अपने रिश्तों को औपचारिक रूप से सामरिक साझेदारी का स्वरूप देते हुए भारत न्यूजीलैंड सामरिक साझेदारी रोडमैप 2030 को मंजूरी दी है। इसके साथ रक्षा व्यापार समुद्री सुरक्षा खेल पशुपालन आपदा प्रबंधन आतंकवाद विरोधी सहयोग तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े कुल 18 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह केवल दो देशों के बीच सहयोग का विस्तार नहीं बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि की दिशा में एक दीर्घकालिक रणनीतिक पहल भी मानी जा रही है।

ऑकलैंड में आयोजित शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच व्यापक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भविष्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना साझेदारी और विश्वास के आधार पर ही किया जा सकता है। इसी सोच के साथ दोनों देशों ने नियमित उच्चस्तरीय वार्ता विदेश मंत्रियों की वार्षिक बैठक और संसदों के बीच संवाद को मजबूत करने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में न्यूजीलैंड की खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड केवल प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं बल्कि अपनी सामाजिक समरसता सांस्कृतिक विविधता और मानवीय मूल्यों के लिए भी पूरी दुनिया में अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों के लोग जिस सम्मान और सौहार्द के साथ रहते हैं वह पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा है। उन्होंने न्यूजीलैंड की सामाजिक व्यवस्था को संतुलित समावेशी और आधुनिक बताते हुए कहा कि यह देश विकास और मानवीय मूल्यों के बीच उत्कृष्ट संतुलन स्थापित करने में सफल रहा है।

मोदी ने विशेष रूप से वहां बसे भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड में भारतीय संस्कृति को सम्मान मिला है और भारतीय परंपराओं ने स्थानीय समाज के साथ सुंदर समन्वय स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि ऑकलैंड में गांधी रोड महात्मा गांधी सेंटर और भारत से जुड़े अनेक सांस्कृतिक स्थलों के साथ भारतीय समुदाय की सक्रिय उपस्थिति यह दर्शाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल सरकारों तक सीमित नहीं बल्कि लोगों के दिलों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कई स्थानों पर भारतीय शहरों और महापुरुषों के नाम दिखाई देते हैं जो भारतीय विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक हैं और यह दृश्य उन्हें अत्यंत अद्भुत लगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड भारतीय संस्कृति के अनुरूप स्वयं को ढालने वाला एक निराला देश है। यहां भारतीय पर्व उत्साह के साथ मनाए जाते हैं भारतीय भोजन लोकप्रिय है और भारतीय भाषाओं तथा परंपराओं को भी सम्मान प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह अपनापन दोनों देशों के रिश्तों को और अधिक मजबूत बनाता है।

अपने सम्मान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अत्यंत विनम्रता के साथ कहा कि उन्हें जो भी सम्मान मिला है वह व्यक्तिगत नहीं बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं उसकी सांस्कृतिक विरासत और विश्व बंधुत्व की भावना का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रत्येक भारतीय को समर्पित है जिसने अपने परिश्रम और संस्कारों से दुनिया में भारत की सकारात्मक पहचान बनाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लक्सन दूरदर्शी नेतृत्व वाले ऐसे जननेता हैं जो भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई दिशा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि लक्सन के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच विश्वास सहयोग और मित्रता का नया युग प्रारंभ हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनका नेतृत्व आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाएगा।

शिखर वार्ता के दौरान रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर विशेष बल दिया गया। वर्ष 2025 के रक्षा सहयोग समझौते को प्रभावी ढंग से लागू करने पर सहमति बनी। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों और तीनों सेनाओं के बीच नियमित संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया गया। समुद्री सुरक्षा आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध संयुक्त प्रयासों को और मजबूत बनाने पर भी सहमति बनी। हिंद प्रशांत क्षेत्र में वार्षिक समुद्री सुरक्षा संवाद शुरू करने का फैसला इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों ने महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय वस्तु और सेवा व्यापार को सात अरब न्यूजीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र लागू करने और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर दोनों पक्षों ने विशेष जोर दिया। इससे कृषि डेयरी शिक्षा सूचना प्रौद्योगिकी पर्यटन और निवेश जैसे क्षेत्रों में व्यापक अवसर खुलने की उम्मीद है।

खेल शिक्षा विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। दोनों देशों ने छात्र आदान प्रदान अनुसंधान और नई तकनीकों के विकास में साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों को भी नई गति देने पर सहमति बनी।

वैश्विक स्तर पर न्यूजीलैंड ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन दोहराया। यह भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और दोनों देशों के मजबूत विश्वास का प्रमाण माना जा रहा है। दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति सुरक्षा और स्थिरता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।

भारत और न्यूजीलैंड के संबंध लंबे समय से लोकतांत्रिक मूल्यों कानून के शासन और साझा मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित रहे हैं। अब रोडमैप 2030 और सामरिक साझेदारी के माध्यम से इन संबंधों को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा मिली है। यह साझेदारी केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं बल्कि सांस्कृतिक संवाद सामाजिक सहयोग और जनसंपर्क को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा केवल कूटनीतिक उपलब्धि नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और वैश्विक मित्रता की भावना का भी सशक्त संदेश बनकर सामने आई है। न्यूजीलैंड की संस्कृति सामाजिक समरसता विविधता को स्वीकार करने की परंपरा और भारतीय समुदाय के प्रति सम्मान ने इस यात्रा को विशेष बना दिया। वहीं प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के नेतृत्व में न्यूजीलैंड सरकार द्वारा भारत के साथ संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना इस बात का संकेत है कि दोनों देश आने वाले वर्षों में विश्वास और सहयोग के नए इतिहास की रचना करने के लिए तैयार हैं।

भारत और न्यूजीलैंड की यह नई सामरिक साझेदारी भविष्य के उस व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है जिसमें आर्थिक विकास सुरक्षा सांस्कृतिक निकटता और वैश्विक शांति एक साथ आगे बढ़ते हैं। रोडमैप 2030 इसी साझा संकल्प का दस्तावेज है जो आने वाले वर्षों में दोनों देशों को और अधिक निकट लाएगा तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र सहित पूरी दुनिया में स्थिरता और समृद्धि के नए अध्याय लिखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मंगलवार को भी खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी पर रहे। किराना जिंसों में पूजन सामग्री में पूछपरख देखी गयी। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य है, किन्तु आयातित मालों की आपूर्ती बाधित होने की आशंका में बाजार मजबूत देखे गये। उधर, किराना जिंसों में पूजन सामग्री में पूछपरख देखी गयी। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4450-4520, खोपरा गोला 370-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीर्ड?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500, (160) 2900, (200) 3100, (250) 3600,

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1630, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1400-1405, सोया रिफाइंड 1460-1465, कपास्या 1535, धूलिया 1540, कड़ी 1540,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1630, मुम्बई पाम 1470, मुम्बई सोया 1475,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7600-7800, रायडा 6800, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5000-5100, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6200-6300, एवरेज 5900-6000, विशाल 6000-6100, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9600, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9600-9800, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीर्ड?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 222000, चॉंदी (99) 221900, टंच 221500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141100,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 54 पैसे गिरकर 96.22 पर बंद हुआ। 22 मई के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंचा है। पिछले सत्र में यह 95.62 पर बंद हुआ था। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने और अमेरिका तथा ईरान के बीच संघर्ष तेज होने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है इससे भी भारतीय रुपये पर दबाव बना है। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 48 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.16 पर पहुंच गया। नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 561, निफ्टी 158 अंक गिरा

मुम्बई। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 561.46 अंक टूटकर 77,054.94 अंक पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 158.95 अंक फिसलकर 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 नीचे आये। कारोबार के दौरान एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं ब ज ा ज फिनसर्व, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईटीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और ट्रेंट के शेयरों में भी गिरावट दर्ज

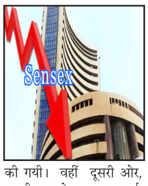

की गयी। वहीं दूसरी ओर, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टीसीएस, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स के शेयर उछले।

निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी सबसे ज्यादा नीचे आये। ब्रॉडर मार्केट में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। सेक्टर के अनुसार देखें तो निफ्टी रियल्ट, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह निवेशकों ने मुनाफावसूली का रुख अपनाया, जिससे घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स शुरुआती कारोबार में ही गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद बीएसई सेंसेक्स 388.16 अंक की कमजोरी के साथ 77,228.24 पर और एनएसई निफ्टी 50, 102 अंक गिरकर 24,109.10 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमश: 0.37 और 0.57 फीसदी तक लुढ़क गए।

खुदरा महंगाई ने तोड़ा आरबीआई का लक्ष्य, जून में 4.38 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई, जो मई में 3.93 फीसदी थी। नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तहत जनवरी 2025 के बाद यह पहली बार है जब महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 फीसदी के लक्ष्य को पार कर गई है। इसे मुख्य तौर पर ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण परिवहन, खाद्य और रेस्तरां सेवाओं की लागत बढ़ने से रफ्तार मिली। हालांकि अर्थशास्त्रियों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि 5 अगस्त को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में तत्काल वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में आई बड़ी गिरावट है, जो अप्रैल में 114 डॉलर प्रति बैरल से घटकर जुलाई में करीब 71 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। जून का महंगाई आंकड़ा 2024 की नई सीपीआई श्रृंखला के तहत छठा आंकड़ा है। मई के मध्य में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के बाद जून इस आंकड़े का पहला पूरा महीना था, जिसका असर परिवहन खंड में स्पष्ट दिखा, जहां महंगाई दर मई में 1.75 फीसदी से बढ़कर जून में 4.31 फीसदी हो गई। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) के आधार पर खाद्य महंगाई दर भी जून में 5.32 फीसदी हो गई, जो मई में 4.78 फीसदी थी। यह अदरक (50.41 फीसदी) और टमाटर (31.92 फीसदी) जैसी सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.74 फीसदी हो गई, जो शहरी क्षेत्रों में दर्ज 3.92 फीसदी से अधिक है। इक्रा की एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना से इनकार किया है, हालांकि वह पश्चिम एशिया में तनाव और मानसून के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की आवश्यकता पर जोर देती हैं। इसके विपरीत, बैंक ऑफ बड़ौदा के मदन सबनवीस वर्ष के अंत तक, संभवत: अक्टूबर के बाद, दर वृद्धि की संभावना देखते हैं। अर्थशास्त्री मूल्य दबाव बने रहने की आशंका जता रहे हैं, क्रिसिल ने इस वित्त वर्ष में औसत महंगाई 5.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। राज्यों में तेलंगाना ने 6.36 फीसदी के साथ सबसे अधिक महंगाई दर्ज की।

होर्मुज तनाव से तेल की कीमतें फिर उछलीं, प्लैटिनम पर महंगाई का दबाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव ने अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में हलचल मचा दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल आया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति बाधित होने का डर बढ़ गया है। वहीं कच्चे तेल के महंगा होने से उत्पन्न महंगाई की आशंका ने प्लैटिनम जैसी कीमती धातुओं पर दबाव बनाया है। मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल फ्यूचर्स लगभग 79.41 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करते हुए 1.63 फीसदी की बढ़त दर्ज की, जबकि ब्रेंट क्रूड 1.15 फीसदी की तेजी के साथ 84.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में कच्चे तेल की कीमतों में 10 फीसदी से अधिक की तेजी आई है, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ता तनाव है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरानी जहाजों पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर रोक लगाने और इस मार्ग का उपयोग करने वाले अन्य मालवाहक जहाजों पर 20 फीसदी शुल्क लगाने का फैसला किया है। इसके अतिरिक्त, रूस के तेल और प्राकृतिक गैस पर सख्त प्रतिबंधों का उनका समर्थन वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ा रहा है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि यदि आपूर्ति प्रभावित होती है तो आने वाले दिनों में कच्चा तेल और महंगा हो सकता है। जहां एक ओर तेल की कीमतें चढ़ रही हैं, वहीं प्लैटिनम पर दबाव देखने को मिला। प्लैटिनम फ्यूचर्स करीब 1,600 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि महंगे तेल से वैश्विक महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा होता है, जिससे निवेशक अपने रुख में बदलाव करते हैं और प्लैटिनम सहित कुछ कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव आता है। हालांकि, केडिया एडवाइजरी का अनुमान है कि प्लैटिनम के बुनियादी संकेतक अभी भी मजबूत हैं। यह लगातार चौथा साल होगा जब इसकी आपूर्ति मांग से कम रहेगी और वैश्विक स्टॉक भी घटकर लगभग 23 लाख औंस रह गया है, जो दुनिया की तीन महीने की मांग से भी कम है। ऐसे में लंबी अवधि में प्लैटिनम को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

मेष- आज आपकी मेहनत और लगन रंग लाती नजर आएगी। जिस काम को लेकर आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, उसमें सफलता मिलने के अच्छे संकेत हैं और अधूरे कार्य भी पूरे हो सकते हैं। संतान की संगति पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी रहेगा। काम के सिलसिले में भागदौड़ बनी रहेगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए दिन मेहनत और एकाग्रता का है।

वृषभ- आज का दिन आपके रहन-सहन और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम को पूरा करने के लिए सहयोगियों की मदद लेनी पड़ सकती है, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा, लेकिन पेट से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानी को नजरअंदाज न करें। घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का योग भी बन रहा है। आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी और सम्मान मिलने की संभावना है।

मिथुन- आज आर्थिक मामलों में किस्मत आपका साथ देती नजर आएगी। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और नए विचार आपके काम को नई दिशा देंगे। हालांकि बेवजह के विवादों या अनावश्यक बातों में पड़ने से बचें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी हर कदम पर आपका साथ देंगे। छोटी-मोटी नाराजगी हो सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी और प्यार से माहौल फिर से खुशनुमा बना देंगे।

कर्क- आज मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। काम में बदलाव करने का विचार आएगा, लेकिन फिलहाल कोई बड़ा फैसला टालना ही बेहतर रहेगा। बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा और उनकी सलाह व्यापार में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति के साथ धन का लेन-देन करने से फिलहाल बचना ही समझदारी होगी।

सिंह- आज सफलता पाने के लिए पूरे ध्यान और एकाग्रता के साथ काम करना होगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य में नए अवसरों के द्वार खोल सकती है। अपनी वाणी पर संयम रखें, क्योंकि छोटी-सी बात भी बड़ा असर डाल सकती है। परिवार के बड़े सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी सरकारी योजना में निवेश करने का विचार भी मन में आ सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी की बात दिल को ठेस पहुंचा सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें।

कन्या- आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से भागदौड़ बढ़ सकती है। दोस्तों के साथ किसी छोटी पार्टी या मिलन समारोह की योजना बन सकती है। जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें, वरना परिवार में किसी बात को लेकर बहस हो सकती है। व्यापार से जुड़े फैसले भी सोच-समझकर ही लेना बेहतर रहेगा।

तुला- आज विरोधियों की कोशिशें आपकी समझदारी के आगे कमजोर पड़ सकती हैं। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आएंगे। हालांकि कोई काम आखिरी समय में अटक सकता है, इसलिए पूरी एकाग्रता बनाए रखें। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो सकती हैं, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आज आपको सही दिशा दिखाएगी।

वृश्चिक- आज का दिन उन्नति और नई सफलताओं की ओर इशारा कर रहा है। लगातार मिलने वाली अच्छी खबरें आपका उत्साह बढ़ाएंगी। व्यापार से जुड़े मामलों में आपकी सतर्कता आपको लाभ दिलाएगी। पुरानी परेशानियों से राहत मिलने के संकेत हैं। संतान को अच्छे संस्कार और जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य सिखाने का अवसर मिलेगा। अपने लिए नए कपड़े या कोई पसंदीदा गैजेट खरीदने का योग भी बन रहा है।

धनु- आज खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा। बजट बनाकर चलेंगे तो आर्थिक संतुलन बना रहेगा। यदि कहीं आपका पैसा फंसा हुआ था, तो उसके वापस मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। परिवार के किसी विषय पर माता-पिता से खुलकर बातचीत करनी पड़ सकती है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। लंबी यात्रा पर जाने से पहले माता-पिता की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

मकर- व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायक साबित हो सकता है। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से अच्छी खबर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। संतान की उपलब्धियां आपको गर्व का अनुभव कराएंगी। अपनी निजी या महत्वपूर्ण जानकारी किसी के साथ साझा करने से बचें।

कुंभ- आज रुके हुए काम पूरे करने में थोड़ी मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। नौकरी में भी कुछ चुनौतियां सामने आएंगी, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप उन्हें पार कर लेंगे। परिवार के किसी सदस्य से किया गया वादा निभाने की पूरी कोशिश करेंगे।

मीन- आज आध्यात्मिक कार्यों से जुड़कर आपको सम्मान और नई पहचान मिलने के संकेत हैं। अपने आसपास के लोगों को समझने और छिपे हुए विरोधियों को पहचानने की जरूरत होगी। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष न रखें, क्योंकि सकारात्मक सोच ही आपको आगे बढ़ाएगी। अपने शौक और मनोरंजन पर खर्च कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8320

शब्दजाल में दस पर्यटन स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

ताजमहल, लालकिला, कुतुबमीनार, जंतर मंतर, इंडिया गेट, हवा महल, गेटवे ऑफ इंडिया, डलझील, विवेकानंद स्मारक, रणथम्भौर

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	र्निं
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

शब्दजाल - 8319 का हल

उ	जा	ला	ह	दा	प	उ	ड़ी	सा	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	मो	ल	ब्ब	तें	शा	अ
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ज	ढ़ा	र	ला	ब
ज	कु	उ	ल	बे	ला	लू	उ	त	रा	ना
स	ति	श	द	व	दा	ल	उ	ग	वी	ट
री	रं	ल	चु	बि	लि	र्त	क्ष	दा	प	च
जो	उ	ल	के	गा	ला	म	उ	कौ	र	ले
श	ता	जीं	स	त	क	व	क	ग	श	ता
म	व	मि	न	व	न	ज	सा	शा	जू	द
द	ला	ल	म	ह	उ	ठ	ना	स	प	ना
थो	औ	र	प्या	र	उ	ल	झ	न	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7264

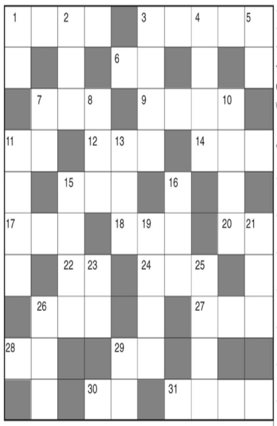

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पिया बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7263

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		मीं		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	स		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	श	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

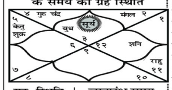

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.35 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	07.51 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.03 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.13 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.28 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.44 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.49 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.09 बजे से
राहुकाल		मेष	23.39 बजे से
12.00 से 1.30		वृष	01.19 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.17 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 196 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 11.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 21.47 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 08.05 बजे तदनन्तर वज्र 04.31 बजे प्रात: को समाप्त।
करण बव 11.52 बजे तदनन्तर बालव 22.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872771
जूलियन दिन 2461236.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 29
विशेष चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रारम्भ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सही चुनाव

एक राजा को अपने दरबार के किसी उत्तरदायित्वपूर्ण पद के लिए योग्य और विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश थी। उसने अपने आस-पास के युवकों को परखना शुरू किया। लेकिन वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाया। तभी एक महात्मा का पदार्पण हुआ, जो इसी तरह यदा-कदा अतिथि बनकर सम्मानित हुआ करते थे। युवा राजा ने वयोवृद्ध संन्यासी के सम्मुख अपने मन की बात प्रकट की - 'मैं तय नहीं कर पा रहा हूँ। अनेक लोगों पर मैंने विचार किया। अब मेरी दृष्टि में दो हैं, इन्हीं दोनों में से एक को रखना चाहता हूँ।' 'कौन हैं ये दोनों?' 'एक तो राज परिवार से ही संबंधित हैं, पर दूसरा बाहर का है। उसका पिता पहले हमारा सेवक हुआ करता था, उसका देहांत हो गया है। उसका यह बेटा पढ़ा-लिखा सुयोग्य है।' 'और राज परिवार से संबंधित युवक? उसकी योग्यता 'मामूली है।' 'आपका मन किसके पक्ष में है?' 'मेरे मन में द्वंद्व है, स्वामी!' 'किस बात को लेकर?' 'राज परिवार का रिश्तेदार कम योग्य होने पर भी अपना है, और. . .' 'राजन! रोग शरीर में उपजता है तो वह भी अपना ही होता है, पर उसका उपचार जंगलों और पहाड़ों पर उगने वाली जड़ी-बूटियों से किया जाता है। ये चीजें अपनी नहीं होकर भी हितकर होती हैं।' राजा की आँखों के आगे से धुंध छँट गई। उसने निरपेक्ष होकर सही आदमी को चुन लिया।

सूडोकु नवताल- 7573

★★★☆☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7572 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8788

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8787 का हल

म	न		श	री	र		ज	ला
त		ह	र	म		न	हा	ना
	आ	रा	म		रा	ज	न	
क	स	म		ल	ह	र		त
र	न		ग	ल	त		भ	ला
म		स	ब	क		का	र	क
	आ	ब	रू		ह	र	ना	
म	ह	ल		का	र	ण		त
न	ट		क	ल	म		शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

मानसून की बेरुखी से किसानों की चिंता बढ़ी, किसानों पर दोहरी मार

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में इस बार मानसून की अनियमितता ने किसानों को गहरे संकट में डाल दिया है। पिछले दिनों अचानक हुई बारिश ने खेतों को डुबो दिया, जिससे कई किसानों की बोवाई सड़ गई। वहीं, कई किसान तो बीज डालने का मौका ही नहीं पा सके। शुरुआती बरसात के बाद अब आसमान सूना है और किसान रोपा लगाने के लिए पानी का इंतजार कर रहे हैं।

किसानों की स्थिति दयनीय

किसानों ने जैसे-तैसे खार को बचा लिया है, लेकिन परहा यानी रोपा लगाने के लिए पर्याप्त पानी की जरूरत है। पानी की कमी से उनकी चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि अगर समय पर बारिश नहीं हुई तो बीज बर्बाद हो जाएंगे और इस साल उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ेगी।

लागत में हुई बढ़ोतरी

दरअसल, इस बार रासायनिक खाद के दाम दोगुने हो गए हैं, जिससे खेती की लागत पहले ही बढ़ चुकी है। ऐसे में बारिश की देरी किसानों के लिए संकट का कारण बन रही है। किसान बताते हैं कि बीज और खाद की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि खेती करना अब घाटे का सौदा लगने लगा है। किसानों का कहना है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो उन्हें न केवल बीज और खाद की लागत का नुकसान होगा बल्कि कर्ज चुकाने में भी मुश्किलें आएंगी। यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आम जनता तक महंगाई के रूप में पहुंचेगा।

सावरी खुर्द स्कूल के पास खतरनाक पेड़ों की कटाई

3 पेड़ के बदले 10 पेड़ लगाने का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी तहसील के ग्राम पंचायत सावरी खुर्द स्थित शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला के मुख्य प्रवेश द्वार के पास लगे 3 विशाल लिफ्टन के पेड़ लंबे समय से बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे। पेड़ों की शाखाएं 11 केवी विद्युत लाइन और घरेलू बिजली तारों से टकराकर शॉर्ट सर्किट और आग जैसी घटनाओं का कारण बन रही थीं। कई बार तार टूटने से विद्यालय में भय का माहौल बन गया था। ग्रामीणों और अभिभावकों की लगातार शिकायतों के बाद प्रशासन ने नियमों के तहत इन पेड़ों की कटाई-छंटाई कर दी है। जिससे विद्यालय में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो गई है। ग्रामीणों और स्कूल के शिक्षकों ने पेड़ कटते समय भावुक होकर कहा कि पेड़ों को बड़ा करने में वर्षों लगते हैं, इसलिए इन 3 पेड़ों के बदले हम 10 नए पेड़ लगाएंगे और उन्हें बड़ा करेंगे। तभी यह धन्यवाद सार्थक होगा। उन्होंने प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समय पर कार्रवाई की गई है, जिससे अब छात्र-छात्राएं बिना डर के विद्यालय आ-जा सकेंगे।

दिव्यांग जन कल्याण संघ की वार्षिक बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। दिव्यांग जन कल्याण संघ की वार्षिक साधारण सभा की बैठक 12 जुलाई को संघ के कार्यालय, ग्राम भानेगांव में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संघ के सदस्य स्व. अनिल कुर्वे के आकस्मिक निधन के कारण रिक्त पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न की गई। निर्वाचन अधिकारी कु. पारुल ठाकरे के नेतृत्व में हुए निर्वाचन में प्रत्याशी तमन्ना ठाकरे द्वारा अपना नामांकन पत्र वापस ले लेने के कारण श्रीमती सत्यभामा बिसेन (किरनापुर निवासी) को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। बैठक के दौरान संघ के सचिव रूपेश कुमार कुथे ने साधारण सभा के समक्ष वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। पूर्ण लोकतांत्रिक चर्चा के पश्चात बजट को सर्वसम्मति से अनुमोदित कर लिया गया। नव निर्वाचित सदस्य श्रीमती सत्यभामा बिसेन को सचिव श्री कुथे द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर संघ के संरक्षक श्रीमती परमिला देवीचरण जी ठाकरे, उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे, सचिव रूपेश कुमार कुथे, संयुक्त सचिव सुश्री अनीता उईके, कोषाध्यक्ष सुनीता बिसेन, कु. पारुल ठाकरे, श्रीमती सत्यभामा बिसेन, कु. सलिता ठाकरे, कु. तमन्ना ठाकरे, प्रेरक आकाश ग्वालवंशी, जगदीश मिश्रा संघ के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने बैठक में सक्रिय रूप से भाग लिया।

जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए किया हैंडपंपों की मरम्मत कर किया क्लोरीनीकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में वर्षाकाल के दौरान जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से संचालित डायरिया रोको अभियान के तहत 14 जुलाई को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के लांजी उपखंड द्वारा व्यापक अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैंडपंपों की मरम्मत एवं क्लोरीनीकरण का कार्य किया गया। पीएचई विभाग की टीम ने ग्राम अमेडा (प), कुम्हारीकला, ओटेकसा एवं डोंगरगांव सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत की, जिससे ग्रामीणों को पुन: सुचारु रूप से पेयजल उपलब्ध होने लगा। इसके साथ ही इन गांवों के सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स (क्लोरीन) डालकर पेयजल स्त्रोतों का क्लोरीनीकरण किया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि क्लोरीनीकरण से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु एवं कीटाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे डायरिया, हैजा, टायफाइड सहित अन्य जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है। वर्षा ऋतु में दूषित पानी के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए पेयजल स्त्रोतों का नियमित क्लोरीनीकरण अत्यंत आवश्यक है। अभियान के दौरान विभागीय टीम ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग के प्रति भी जागरूक किया। लोगों को सलाह दी गई कि जहां संभव हो पानी को उबालकर पीएं, उपयोग से पहले छानें तथा पेयजल को हमेशा ढककर रखें, ताकि दूषित होने से बचाया जा सके। साथ ही आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और जल स्त्रोतों को गंदगी से मुक्त रखने का भी आग्रह किया गया। पीएचई विभाग ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न गांवों में पेयजल स्त्रोतों की नियमित निगरानी, हैंडपंपों का रखरखाव, जल गुणवत्ता परीक्षण एवं क्लोरीनीकरण का कार्य लगातार जारी रहेगा। विभाग का उद्देश्य वर्षाकाल में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना तथा जलजनित रोगों की रोकथाम सुनिश्चित करना है।

घोटी में ग्राम पंचायत विकास योजना जी.पी.डी.पी.प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्रीय ग्रामीण एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केंद्र, सिवनी के आदेशानुसार 9 जुलाई से 15 जुलाई तक बोलेगांव, कारंजा, पालडोंगरी, घोटी एवं मनेरी सेक्टरों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायतों के फ्रंटलाइन कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं वार्ड सदस्य सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। यह प्रशिक्षण 16वां वित्त आयोग अंतर्गत वर्ष 2026-27 की जी.पी.डी.पी. योजनाओं को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर सही व पूर्ण रूप से अपलोड करने हेतु दिया जा रहा है। 14 जुलाई को घोटी सेक्टर में आयोजित अभ्यास सत्र में घोटी , खुर्सीटोला, नन्दोरा , देवरबेली, बेलगांव,नेवरवाही, कसुली, सर्रा , पौसेरा, खांडाफरी, थानेगांव, टेकरी, पूर्वाटोला, दुल्हापुर ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर जी.पी.डी.पी. (ग्राम पंचायत विकास योजना) का डेटा 100त्न अपलोड कराने तथा उसी दिवस सभी उपस्थित लोगों को प्रमाण पत्र प्रदान करने का निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनरों द्वारा संचालित किया गया। मुख्य प्रशिक्षक संदीप मर्सकोले (स. वि. अधि.) के साथ महेन्द्र सिरामे (पीसीओ), परमानंद बोरकर (बीसी) तथा दिलीप सत्कार (सचिव) तथा निकेश खरे ऑपरेटर ने तकनीकी और व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान कर योजनाओं के पोर्टल अपलोडिंग नियम, आवश्यक दस्तावेजों की जाँच तथा फील्ड-लेवल डेटा एंट्री की बारीकियाँ समझाईं।

प्रशिक्षण का उद्देश्य

ग्राम पंचायतों द्वारा वर्ष 2026-27 की जी.पी.डी.पी. योजनाओं को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर समयबद्ध व पूर्ण रूप से अपलोड कराना, क्षेत्रीय फ्रंटलाइन कर्मचारियों को पोर्टल के व्यवहारिक उपयोग का प्रशिक्षण देना, प्रत्येक ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक को पोर्टल ऑपरेशन में सक्षम बनाना, प्रशिक्षण समाप्ति पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी उपस्थिति और योग्यता सुनिश्चित करना। प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित सरपंचों व ग्राम कर्मचारियों ने पोर्टल पर वास्तविक समय में योजनाओं के अपलोड की प्रक्रिया का अभ्यास किया तथा तकनीकी समस्याओं पर प्रशिक्षकों से समाधान प्राप्त किया। आयोजन के समापन पर प्रशिक्षक गणों ने सभी पंचायतों से आग्रह किया कि वे निर्दिष्ट तिथि तक जी.पी.डी.पी. प्लान 100 प्रतिशत अपलोड सुनिश्चित करें ताकि 16वाँ वित्त आयोग अंतर्गत आवंटन प्रक्रियाओं में विलंब न हो।

रिसेवाड़ा में सड़क विवाद-साइड देने की बात पर ड्राइवर की बेदम पिटाई कर जान से मारने की दी धमकी

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम रिसेवाड़ा में एक मामूली सड़क विवाद को लेकर तीन युवकों ने एक ट्रक ड्राइवर को बुरी तरह पीटा। आरोपियों ने डंडे-मुक्कों से हमला कर पीड़ित को गंभीर चोटें पहुंचाई और गंदी गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। साथ ही बीच बचाव करने वालों को भी मारने-पीटने की धमकी दी। घटना 12 जुलाई 2026 की सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित ग्राम ठेमा निवासी सैयद नासिर हुसैन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह फरान राइस मिल से लोहे का लादा 14 चक्कों वाला वाहन लेकर धीरी मुरम से सुलसुली गया था। लोहा खाली करने के बाद रिसेवाड़ा से ठेमा की ओर लौट रहा था। रिसेवाड़ा मस्जिद के पास पहुंचते ही स्थानीय रंजीत खरोले ने उनकी गाड़ी रोककर पूछा कि 卐अपर डिपर क्यों नहीं दे रहे हो? नासिर हुसैन ने जवाब दिया कि गाड़ी डिपर पर ही है और साइड देने को कहा। इस पर रंजीत खरोले भड़क गया। उसने अश्लील गालियां देते हुए कहीं से डंडा उठाया और नासिर पर हमला बोल दिया। उसने दोनों हाथों, छाती और पूरे शरीर पर डंडे बरसाए। गमछा खींचकर घसीटा भी। इस दौरान ग्राम रिसेवाड़ा के ही आसाराम राऊत और राकेश राऊत भी मौके पर पहुंच गए। तीनों ने मिलकर नासिर को दबोच लिया। एक ने हाथ पकड़कर रोका तो बाकी दो डंडे और मुक्कों से लगातार मारपीट करते रहे। पीड़ित के शरीर पर अंदरूनी चोटें आई हैं। घटना देखकर ग्राम ठेमा व आमेड़ा के दो व्यक्तियों ने बीच बचाव किया। आरोपियों ने उन्हें भी गालियां दीं और मारने-पीटने की धमकी दी। नासिर हुसैन किसी तरह अपने दो साथियों के साथ थाने पहुंचकर पूरे मामले की रिपोर्ट लिखाई। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 296(ड्ढ), 351(3) तथा 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चिपचिपाती गर्मी के बीच लो वोल्टेज की समस्या से परेशान उपभोक्ता

पद्मेश न्यूज।खैरलांजी/ वारासिवनी। इन दिनों मुख्यालय सहित क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता चिपचिपाती और उमस भरी गर्मी के बीच लो वोल्टेज की समस्या से परेशान है। विगत सप्ताह भर से बारिश नही होने से ऐसे भी किसानों के साथ आम जन मानस उमस भरी गर्मी से हलाकान और परेशान है। ऊपर से कम वोल्टेज के कारण पंखें, कूलर नहीं चल पा रहे है। जिस ओर विद्युत विभाग को गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। ताकि आम जनमानस को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सके। देखने में आ रहा है कि विगत दो तीन दिनों से पंखें हो या कूलर बहुत ही कम स्पीड से घूम रहे है। घरेलू पानी की मोटर हो या फिर खेतों की मोटर सभी का हाल बेहाल नजर आ रहा है। परिणाम स्वरूप घरेलू उपभोक्ता और किसान परेशान और हताश है। कुछ किसानों को तो मोटर जलने की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। विभाग के जानकारों की माने तो बारिश जैसे ही आएगी तो वोल्टेज अपने आप बड़ जाएगा। यदि अभी वोल्टेज बड़ा दिया जाए तो जब बारिश आएगी तो उपभोक्ताओं के घरेलू उपकरणों को क्षति पहुंच सकती है। मतलब कूलर, पंखे,टीवी, पानी की मोटर और अन्य उपकरण जल सकते है। क्योंकि वोल्टेज बड़ाना हो या फिर वोल्टेज घटाना इसके लिए विभागीय प्रक्रियाओं का लिखित में पालन करना पड़ता है। मतलब जब तक पुन: विगत सप्ताह जैसे बारिश नही आती तब तक उपभोक्ताओं को ऐसे ही गर्मी सहन करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। ज्ञात हो कि विगत सप्ताह लगातार हुई बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई थी। कुछ लोगों ने तो अपने अपने कूलर भी निकाल कर रख दिए थे। मगर ८ जुलाई के बाद से १४ जुलाई तक बारिश ने मानो मूंह ही मोड़ लिया है। अब उपभोक्ताओं को पुन: कूलर निकालने पड़ गए है। जिससे कि कुछ राहत मिल सके। उपभोक्ता दिन के साथ.साथ रात में भी उमस भरी गर्मी से हलाकान है। इस दौरान १३ और १४ जुलाई को दिन भर बिजली का आना जाना जारी रहा। जिससे भी उपभोक्ता हलाकान दिखाई दिए। लो वोल्टेज की समस्या ने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही किसानों की भी मुश्किलों को बड़ा दिया है। ऐसे में वे किसान जो बोर या कुंए के माध्यम से रोपा लगा रहे है या लगा चुके है वे किसान पहले रोपा लगाए या फिर जो रोपा सुख रहा है उसकी सिंचाई करें बड़ी समस्या बनी हुई है। वहीं ऐसे किसान जिन्होंने खार या बावता बो दिया है वह किसान कैसे अपने खार को सूखने से बचाये यह बड़ी समस्या किसानों के समक्ष उत्पन्न हो गई है। ऐसे में किसान, घरेलू उपभोक्ता और विभाग आपस में किस तरह का सामंजस्य स्थापित कर कार्य कर पाते है और तक कर पाते हैं देखना दिलचस्प होगा।

इनका कहना है

लो वोल्टेज की समस्या ऊपर से बनी हुई है। पॉवर हाउस से इसका कोई संबंध नही है।

प्रमोद लिल्हारे
प्रभारी जेई खैरलांजी

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

10,800 करोड़ रुपये के विकास प्रस्तावों को कैबिनेट की मंजूरी, नगरीय विकास, सिंचाई और किसानों को बड़ी सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण से जुड़े 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने नगरीय अधोसंरचना, सिंचाई, कृषि, पोषण और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

बैठक में नगरीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए 8 हजार 445 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। यह राशि पंजीयन एवं मुद्रांक शुल्क के अधिभार से प्राप्त निधि के माध्यम से नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषदों में अधोसंरचना परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा ऋण पुनर्भुगतान पर खर्च की जाएगी। इस योजना का संचालन अगले पांच वर्षों तक जारी रहेगा।

किसानों के हित में मंत्रि-परिषद ने रबी विपणन वर्ष 2024-25 में लक्ष्य से अधिक खरीदी गई मूंग के लिए 1,587 करोड़ रुपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। इसके तहत पंजाब नेशनल बैंक और भारतीय स्टेट बैंक से ली गई साख सीमा के लिए निर्धारित अवधि तक शासकीय गारंटी प्रदान की जाएगी।

जल संसाधन विभाग की राजगढ़ स्थित कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना को 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालित रखने के लिए 245 करोड़ 45 लाख रुपये मंजूर किए गए। इस परियोजना से राजगढ़ और आगर-मालवा जिले के लगभग 1.39 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से सिंचाई क्षमता विकसित होगी।

कैबिनेट ने टेक-होम राशन के उत्पादन एवं वितरण की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश राज्य आजीविका फोरम से वापस लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंपने का निर्णय भी लिया। नई स्थायी व्यवस्था लागू होने तक स्व-सहायता समूहों एवं अल्पकालीन निविदा के माध्यम से पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके अलावा वाणिज्यिक कर विभाग के मुख्यालय, जिला और परिक्षेत्रीय कार्यालयों के संचालन के लिए वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक 521 करोड़ 4 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। इस राशि का उपयोग वेतन-भत्तों, कार्यालय संचालन, व्यावसायिक सेवाओं तथा मशीनरी, फर्नीचर और वाहनों के संधारण पर किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इन निर्णयों से प्रदेश में विकास कार्यों को गति मिलेगी और जन-कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

भोपाल के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 28 से सेना भर्ती

भोपाल। भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 28 जुलाई से सेना भर्ती रैली शुरू होगी। इसमें भोपाल समेत 15 जिलों के पुरुष उम्मीदवार शामिल हो सकेंगे। अग्निवीर जनरल ड्यूटी, तकनीकी एवं ट्रेड्समैन रैली के साथ एमपी और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के लिए धर्मगुरु और एजुकेशन हवलदार की रैली भी होगी। सेना भर्ती रैली 8 अगस्त तक चलेगी। इसे लेकर सोमवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्टोरेट में संबंधित विभागों की तैयारियों के संबंध में बैठक की। उन्होंने कहा कि भर्ती रैली में बड़ी संख्या में आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। आयोजन स्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए। साथ ही बिजली सप्लाई, स्वास्थ्य, एम्बुलेंस, अस्थायी विश्राम, सफाई, चलित शौचालय और ट्रैफिक व्यवस्था की जाए। मीटिंग में सेना भर्ती कार्यालय के भर्ती निदेशक कर्नल जयशंकर सिंह ने भर्ती प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कलेक्टर मिश्रा ने नगर निगम, पीएचई, बिजली कंपनी, स्वास्थ्य पुलिस एवं अन्य विभागों से माइक्रो प्लान के अनुसार तैयारियां करने को कहा।

इन जिलों के लिए होगी भर्ती

प्रदेश के 15 जिले अशोकनगर, भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, दमोह, गुना, हरदा, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, पन्ना, पांढुर्णा, रायसेन, राजगढ़, सीहोर और विदिशा के पुरुष उम्मीदवारों के लिए यह भर्ती रहेगी। अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी एवं अग्निवीर ट्रेड्समैन रैली का आयोजन होगा।

कांग्रेस हर विषय को देखती है हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक के नजरिए से

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर गठित उच्च स्तरीय समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। अब कांग्रेस को भी इस विषय पर अपना स्पष्ट रुख बताना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यूसीसी हो या भोजशाला का मुद्दा, कांग्रेस हर विषय को हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक की राजनीति के नजरिए से देखती है।

मंगलवार को विधानसभा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कैलाश जोशी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी धर्मों के लोगों ने यूसीसी पर खुलकर अपने विचार रखे हैं, लेकिन कांग्रेस ने अब तक इस मुद्दे पर अपना पक्ष स्पष्ट नहीं किया है।

तीन खंडों में तैयार की गई रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ने बताया कि यूसीसी के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति ने 13 जुलाई को अपना अंतिम प्रतिवेदन सौंपा। उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर समिति के अध्यक्ष और सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान समिति के सदस्य प्रो. गोपाल शर्मा, बुधपाल सिंह, शोभा पैठणकर और सदस्य सचिव अजय कटेसरिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट तीन खंडों में तैयार की गई है। पहले खंड में समिति की अनुशंसाएं शामिल हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर लागू विभिन्न कानूनों एवं परंपराओं का विश्लेषण करते हुए सुझाव दिए गए हैं। इस भाग में कुल 10 अध्याय शामिल हैं।

अनुसूचित जनजातियों को यूसीसी से बाहर रखने की सिफारिश

रिपोर्ट के दूसरे खंड में प्रस्तावित विधेयक का प्रारूप दिया गया है। समिति ने मध्यप्रदेश में प्रचलित कानूनों और नियमों को ध्यान में रखते हुए विधेयक का मसौदा तैयार किया है। प्रस्तावित विधेयक में चार भाग, 404 धाराएं और सात अनुसूचियां शामिल हैं। रिपोर्ट के तीसरे खंड में जन-परामर्श का विस्तृत विवरण दिया गया है। समिति ने जिला स्तर, राज्य स्तर और वेबसाइट के माध्यम से व्यापक सुझाव आमंत्रित किए थे। इस प्रक्रिया में 9.58 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए, जिनका प्रश्नवार, लिंगवार और समुदायवार विश्लेषण रिपोर्ट में शामिल किया गया है। समिति ने अपनी अनुशंसाओं में अनुसूचित जनजातियों को समान नागरिक संहिता के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश भी की है। अब सरकार रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद आगे की प्रक्रिया पर निर्णय लेगी।

कांग्रेस ने राजनीतिक दल के नाते नहीं स्पष्ट की बात

सीएम डॉ यादव ने कहा कि मुस्लिम, हिन्दू, ईसाई समाज ने अपने-अपने स्तर पर बात कही है, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। कांग्रेस को अपना रवैया स्पष्ट करना चाहिए। प्रदेश स्तर के राजनीतिक दल के नाते कांग्रेस ने अपनी बात तक स्पष्ट करना उचित नहीं समझा है। यह कांग्रेस के दोहरे रवैया अपनाने की ओर इंगित करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लॉन्च किया दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, पंचायतों में डिजिटल ऑडिट और ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था शुरू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंचायत स्तर पर वित्तीय ऑडिट प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया। इसके साथ ही पंचायत दर्पण पोर्टल पर पेमेंट गेटवे सुविधा भी लॉन्च की गई। मंत्रालय में आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक के दौरान शुरू की गई यह पहल देश में पंचायतों के पूर्णतः डिजिटल रिमोट वित्तीय ऑडिट की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

केंद्रीय वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान के लिए त्रिस्तरीय पंचायतों का समयबद्ध ऑडिट अनिवार्य है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारत के महालेखाकार के निर्देशन में पंचायती राज संचालनालय ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के तकनीकी सहयोग से दृष्टि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑडिटर घर या कार्यालय से ही किसी भी पंचायत के आय-व्यय संबंधी अभिलेखों का ऑनलाइन परीक्षण कर सकेंगे।

नई व्यवस्था से प्रदेश की 23,011 ग्राम पंचायतों के वित्तीय ऑडिट में तेजी आएगी तथा सीमित मानव संसाधनों के बावजूद समयबद्ध और पारदर्शी ऑडिट सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे समय और संसाधनों की बचत होने के साथ वित्तीय जवाबदेही और सुशासन को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने पंचायत दर्पण पोर्टल पर विकसित पेमेंट गेटवे सुविधा का भी शुभारंभ किया। एनआईसी, जल निगम और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से तैयार इस प्रणाली के माध्यम से पंचायतें नागरिकों के लिए ऑनलाइन बिल जनरेट कर सकेंगी। नागरिक घर बैठे ही भुगतान कर ऑनलाइन रसीद प्राप्त कर सकेंगे। इससे पंचायतों के वित्तीय अभिलेख स्वतः तैयार होंगे, सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित होगा।

राज्य सरकार का मानना है कि इन डिजिटल नवाचारों से पंचायतों की कार्यप्रणाली अधिक आधुनिक, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन को नई मजबूती मिलेगी।

पेपर लीक, बेरोजगारी और महंगाई को लेकर प्रदर्शन

एसयूसीआई का ऐलान-अब लाखों युवाओं को सड़कों पर उतारेंगे

भोपाल। पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई को लेकर मंगलवार को भोपाल के नीलम पार्क में एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों से लेकर किसान, मजदूर, महिलाएं और कर्मचारी तक परेशान हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं पर गंभीर नहीं है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। एसयूसीआई ने इसे राज्यव्यापी विरोध दिवस बताते हुए दावा किया कि प्रदेश के अलग-अलग जिला मुख्यालयों पर भी धरने और प्रदर्शन किए गए।

पार्टी सदस्य सतीश ओझा ने परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार पेपर लीक हो रहे हैं, लेकिन कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 9 साल में 89 पेपर लीक हुए हैं। परीक्षा रद्द होने और धांधली से युवाओं पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। ओझा ने कहा कि सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था तक भ्रष्टाचार के आरोप सामने आ रहे हैं। जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होगी तो व्यवस्था कैसे सुधरेगी।

मांगें नहीं मानीं तो भोपाल में होगा बड़ा प्रदर्शन

एसयूसीआई ने सरकार को बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दी है। सतीश ओझा ने कहा कि पार्टी लाखों छात्र और नौजवानों को सड़कों पर उतारने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और अन्य मांगों पर विचार नहीं हुआ तो प्रदेशभर से लोगों को भोपाल बुलाकर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

स्कूल-कॉलेज के बाहर शराब दुकानें, बेटियां कैसे बचेंगी

पार्टी की आरती शर्मा ने महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल-कॉलेजों के आसपास शराब दुकानें संचालित हो रही हैं और नशे का कारोबार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की बात की जा रही है, दूसरी तरफ महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के निजीकरण का भी विरोध

प्रदर्शन में बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण का मुद्दा भी उठा। जिला कार्यालय सचिव विनोद लोगारिया ने कहा कि जनता के टैक्स से तैयार संसाधनों को निजी हाथों में सौंपना गलत है। स्मार्ट मीटर लगाने और बिजली महंगी होने पर भी सवाल उठाए गए। लोगारिया ने कहा कि बढ़ती महंगाई और रोजगार संकट से आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। मौजूदा हालात में मजबूत जन आंदोलन ही रास्ता है। प्रदर्शन का संचालन जिला समिति सदस्य सतीश ओझा ने किया।

नौकरी का विज्ञापन देख आवेदन करना पड़ा महंगा, टास्क देकर की ठगी

भोपाल। मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में नौकरी की तलाश कर रहे एक युवक को इंस्टाग्राम पर नौकरी का विज्ञापन देख आवेदन करना महंगा पड़ गया। ठगों ने पहले रजिस्ट्रेशन के नाम पर पैसे लिए, फिर टेलीग्राम पर टास्क पूरा कराने के बहाने अलग-अलग क्यूआर कोड पर रकम जमा कराते रहे। मामला अन्नपूर्णा थाना पहुंचा, जहां पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सुदामा नगर निवासी राजीव चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह नई नौकरी की तलाश कर रहे थे।

रेल वन ऐप पर दिखने वाला डिजिटल टिकट ही मान्य

रेलवे में मोबाइल पर टिकट का स्क्रीनशॉट या पीडीएफ नहीं चलेगा, रेलवे का आया नया रूल

भोपाल। अगर आप ट्रेन में सफर करने वाले हैं तो ये खबर आपके काम की है। ट्रेन में यात्रा के दौरान अभी तक यात्री टीटीई को मोबाइल पर टिकट का स्क्रीनशॉट, पीडीएफ फाइल या वाट्सएप पर फारवर्ड किए गए मैसेज दिखाते थे, टीटीई इसे मान्य कर लेता था। लेकिन अब रेलवे ने नियम बदल दिया है। रेलवे ने अनारक्षित टिकट के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए साफ किया है कि रेल वन से बुक किए गए टिकट ही वैध माने जाएंगे। अगर कोई कोई यात्री टिकट की फोटोकापी, स्क्रीनशॉट या किसी इससे जुड़ा कुछ और फ़ोन दिखाता है तो इसे अवैध माना जाएगा। इस हालत में रेलवे जुर्माना वसूलेगा।

रेलवे को कई ऐसी शिकायतें मिली हैं कि यात्रा के दौरान कुछ लोग एक ही टिकट का स्क्रीनशॉट या पीडीएफ अलग-अलग मोबाइल पर फारवर्ड कर कई संबंधित लोगों को यात्रा करवा रहे हैं। इससे रेलवे को नुकसान हो रहा है। इससे धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं। इसलिए रेलवे ने साफ किया है कि अब केवल ओरिजिनल रेल वन एप टिकट और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर को ही माना जाएगा।

भोपाल रेल मंडल के वाणिज्य प्रबंधक और जनसंपर्क अधिकारी नवल अग्रवाल ने बताया चेकिंग के दौरान केवल ऐप पर दिखने वाला ओरिजिनल डिजिटल टिकट ही मान्य होगा। किसी भी प्रकार का स्क्रीनशॉट, पीडीएफ या व्हाट्सएप कॉपी दिखाने पर जुर्माना लगाया जा सकता है। ध्यान रहे कि यात्रियों को यह डिजिटल टिकट ट्रेन के स्टेशन से छूटने से पहले ही खरीदना होगा, क्योंकि ट्रेन चलने के बाद की गई कोई भी बुकिंग पूरी तरह अमान्य मानी जाएगी।

नवल अग्रवाल का कहना है कि रेलवे ने रेल वन पर अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए दो विकल्प दिए हैं। इनमें एक विकल्प प्रिंट वाले टिकट का है। दूसरा विकल्प प्रिंटलेस टिकट का है। यदि आप प्रिंट का विकल्प चुनते हैं तो आपको रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर में जाकर अपने ऐप पर प्रिंट वाला टिकट दिखाकर वहां से प्रिंटआउट ले सकते हैं। लेकिन यदि आपने प्रिंट लेस का विकल्प चुना है, तो ऐसे में यात्रा के दौरान आपको वही मोबाइल साथ में रखना पड़ेगा जिसमें रेल वन ऐप है और जिस टिकट बुक किया गया है।

उम्मीदवार आशुतोष, लेकिन असली परीक्षा नरोत्तम की

भोपाल। मध्यप्रदेश का दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों का नामांकन हो गया है। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी और कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के नामांकन के साथ ही चुनाव प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। दतिया उपचुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है। यह भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। खासतौर पर भाजपा में यह मुकाबला पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी से अधिक पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की राजनीतिक साख से जुड़ गया है। टिकट नहीं मिलने के बाद समर्थकों की नाराजगी और विरोध के बीच अब पार्टी नेतृत्व ने डॉ. मिश्रा पर दतिया में जीत सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी भी डाल दी है।

टिकट वितरण के बाद जिस तरह भाजपा में विरोध के स्वर उभरे, उसने इस उपचुनाव को प्रदेश की सबसे चर्चित राजनीतिक लड़ाई बना दिया। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या डॉ. नरोत्तम मिश्रा अपने समर्थकों को पूरी तरह एकजुट कर भाजपा प्रत्याशी को बड़ी जीत दिला पाएंगे या कांग्रेस इस असंतोष का राजनीतिक लाभ उठा लेगी। दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद डॉ. मिश्रा ने साफ कर दिया कि वे संगठन के निर्णय के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। ऐसे में उपचुनाव का परिणाम केवल आशुतोष तिवारी की जीत-हार नहीं, बल्कि डॉ. मिश्रा के संगठन पर प्रभाव और राजनीतिक स्वीकार्यता का भी पैमाना माना जा रहा है।

जीत से तय होगी कद

नेताओं की साख

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दतिया उपचुनाव का परिणाम केवल एक विधानसभा सीट तक सीमित नहीं रहेगा। भाजपा के लिए यह संगठनात्मक एकजुटता और टिकट वितरण के फैसले की परीक्षा होगी, जबकि डॉ. नरोत्तम मिश्रा के लिए यह साबित करने का अवसर होगा कि टिकट भले न मिला हो, लेकिन दतिया में उनकी पकड़ और प्रभाव अब भी कायम है। दूसरी ओर कांग्रेस इस चुनाव को भाजपा के भीतर की नाराजगी को भुनाने के अवसर के रूप में देख रही है। ऐसे में दतिया की लड़ाई आने वाले दिनों में प्रदेश की सबसे चर्चित राजनीतिक जंग बनने जा रही है।

भाजपा ने नरोत्तम पर जताया भरोसा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी स्पष्ट कहा है कि दतिया में पार्टी को डॉ. नरोत्तम मिश्रा के अनुभव, संगठन क्षमता और जनाधार पर पूरा विश्वास है। उनके अनुसार मिश्रा वर्षों से क्षेत्र में सक्रिय रहकर विकास कार्य कराते रहे हैं और उपचुनाव में उनकी भूमिका निर्णायक होगी। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मिश्रा की सक्रियता से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और चुनावी अभियान को नई गति मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दतिया उपचुनाव का परिणाम सीधे तौर पर डॉ. नरोत्तम मिश्रा की राजनीतिक पकड़ का संकेत देगा। यदि भाजपा बड़ी जीत दर्ज करती है तो यह संदेश जाएगा कि टिकट भले किसी और को मिला हो, लेकिन दतिया में संगठन और कार्यकर्ताओं पर डॉ. मिश्रा की पकड़ आज भी मजबूत है। वहीं यदि चुनावी मुकाबला कड़ा रहता है या भाजपा अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाती है, तो विपक्ष इसे भाजपा के भीतर असंतोष और नेतृत्व की चुनौती के रूप में प्रचारित करेगा।

कांग्रेस भी पूरी ताकत से मैदान में

दूसरी ओर कांग्रेस इस उपचुनाव को भाजपा के भीतर की नाराजगी के खिलाफ जनमत बनाने का अवसर मान रही है। पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई वरिष्ठ नेता लगातार सक्रिय हैं। कांग्रेस का प्रयास है कि भाजपा में टिकट वितरण से उपजे असंतोष को चुनावी मुद्दा बनाया जाए और उसका लाभ मतदाताओं तक पहुंचाया जाए।

प्रदेश की राजनीति पर पड़ेगा असर

दतिया उपचुनाव का असर केवल एक विधानसभा सीट तक सीमित नहीं रहेगा। यह चुनाव भाजपा के संगठनात्मक अनुशासन, टिकट वितरण की रणनीति और वरिष्ठ नेताओं की स्वीकार्यता की परीक्षा होगा। वहीं कांग्रेस के लिए यह सत्ता पक्ष की अंदरूनी खींचतान को राजनीतिक लाभ में बदलने का अवसर है। यही कारण है कि दतिया का यह उपचुनाव आने वाले दिनों में प्रदेश की राजनीति की दिशा तय करने वाले सबसे अहम चुनावों में गिना जा रहा है। भाजपा के लिए आशुतोष तिवारी की जीत जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि डॉ. नरोत्तम मिश्रा अपने प्रभाव और नेतृत्व क्षमता को एक बार फिर साबित कर पाते हैं या नहीं।

बिजली कर्मचारी से मारपीट के मामले में पांच आरोपियों पर एफआईआर, कंपनी ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

ग्वालियर/गुना। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गुना वृत्त अंतर्गत ड्यूटी के दौरान बिजली कर्मचारी से मारपीट करने के मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ फतेहगढ़ थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। घटना 13 जुलाई की शाम ग्राम पाठी में हुई, जहां आउटसोर्स कर्मचारी नरेश कुमार लोधी लाइन सुधार कार्य कर रहे थे।

कंपनी के अनुसार ग्राम पाठी निवासी रघुवीर नागर, शिवराज नागर, रमेश उर्फ मिंटू नागर, सोनू नागर और रामदयाल धाकड़ ने कर्मचारी के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की, जिससे उन्हें कंधे, हाथ और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ड्यूटी के दौरान होने वाली मारपीट और दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीर बताते हुए सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को ऐसे मामलों में तत्काल एफआईआर दर्ज कराने और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने कहा कि शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने वाले ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी तथा आवश्यक होने पर जिला प्रशासन और पुलिस का सहयोग लिया जाएगा।

गिरिबाला सिंह और समर्थ की जेल रिमांड 28 तक बढ़ाई गई

- दोनो आरोपियो ने वॉयस सैंपल देने से किया इंकार

- सीबीआई ने कहा एम्स ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया है

भोपाल। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को सुनवाई के दौरान पूर्व जज गिरीबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अनुदिता गुप्ता की अदालत में पेश किया गया। अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि दोनों आरोपियों ने वॉयस सैंपल नहीं दिया है। वहीं भोपाल एम्स ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया है। सुनवाई के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को 28 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में ही रहने का आदेश दिया। मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों ने वॉयस सैंपल देने से इनकार किया हैं। इस पर अदालत ने वॉयस सैंपल देने के संबंध में दोबारा आदेश जारी किया है। साथ ही सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ाने की मांग की है। इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। ट्विशा पक्ष के वकील का कहना है कि अदालत पहले ही दोनों आरोपियों के वॉयस सैंपल लेने की अनुमति दे चुकी थी। इसके बाद 6 जुलाई को सीबीआई सैंपल लेने पहुंची थी। समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने से इनकार कर दिया, जबकि गिरिबाला सिंह ने एक बार सैंपल दिया, लेकिन दोबारा सैंपल नहीं दिया। सुनवाई के दौरान पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। वकील के मुताबिक, भोपाल एम्स ने अदालत को बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और उससे जुड़े सभी दस्तावेज पहले ही सीबीआई को सौंपे जा चुके हैं। इसलिए अलग से रिपोर्ट नहीं दी जाएगी। वहीं, दिल्ली एम्स की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। उल्लेखनीय है की ट्विशा शर्मा 12 मई 2026 की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में संदिग्ध हालत में मृत मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। पहले पोस्टमॉर्टम पर सवाल उठने के बाद हाईकोर्ट ने दिल्ली एम्स से दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने के निर्देश दिए थे। अब इसी रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। सीबीआई ने 25 मई 2026 को हाईकोर्ट के आदेश के बाद इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। जांच की 60 दिन की वैधानिक अवधि पूरी होने से पहले एजेंसी चालान पेश कर सकती है। यदि तय समय-सीमा के भीतर चालान दाखिल नहीं होता है, तो आरोपी पक्ष कानून के तहत डिफॉल्ट जमानत का दावा कर सकता है।

फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना आमने-सामने, फाइनल में जगह बनाने की जंग

अटलांट। फीफा विश्व कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल फुटबॉल प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय समयानुसार गुरुवार, 16 जुलाई को सुबह 12:30 बजे इंग्लैंड और अर्जेंटीना की टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों ही टीमें विश्व फुटबॉल की दिग्गज मानी जाती हैं और उनके बीच होने वाले मुकाबले हमेशा रोमांच, संघर्ष और ऐतिहासिक प्रतिस्पर्धा के लिए याद किए जाते हैं। इस बार भी दांव विश्व कप के फाइनल में जगह बनाने का है, इसलिए, मुकाबले के बेहद कड़ा होने की उम्मीद है।

इंग्लैंड ने इस विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। टीम ने लीग चरण से लेकर नॉकआउट मुकाबलों तक संतुलित खेल दिखाया है। क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड ने नॉर्वे को 2–1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। टीम की मजबूत रक्षा पंक्ति, तेज आक्रमण और अनुशासित खेल उसकी सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही है। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं ने भी पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, जिससे टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है।

वहीं अर्जेंटीना ने भी अपने अभियान में लगातार दमदार खेल का प्रदर्शन किया है। क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3–1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। टीम ने आक्रामक फुटबॉल, बेहतरीन तालमेल और सटीक फिनिशिंग के दम पर विरोधी टीमों को लगातार दबाव में रखा है। अर्जेंटीना की मिडफील्ड और आक्रमण पंक्ति शानदार लय में है, जबकि रक्षा पंक्ति ने भी अहम मौकों पर मजबूत प्रदर्शन किया है।

इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच मुकाबलों का इतिहास भी काफी दिलचस्प रहा है। विश्व कप में दोनों टीमों के बीच खेले गए कई मुकाबले यादगार रहे हैं और इस प्रतिद्वंद्विता ने फुटबॉल इतिहास को कई ऐतिहासिक पल दिए हैं। यही कारण है कि इस मुकाबले को केवल सेमीफाइनल नहीं, बल्कि विश्व फुटबॉल की दो बड़ी ताकतों के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई भी माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि मैच का नतीजा इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन-सी टीम दबाव के क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करती है। इंग्लैंड की संगठित रणनीति और अर्जेंटीना की आक्रामक शैली के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। दोनों टीमों के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

इस मुकाबले की विजेता टीम पहले सेमीफाइनल की विजेता से विश्व कप 2026 के फाइनल में भिड़ेगी, जबकि हारने वाली टीम तीसरे स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में उतरेगी। दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों की नजरें इस हाई-वोल्टेज मुकाबले पर टिकी हैं। दोनों टीमें पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेंगी और फाइनल का टिकट हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज में अदानी मुंद्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड, कच्छ, गुजरात के लिए ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई, गर्रा, मांझापुर, बालाघाट (म.प्र.) में दिनांक 14/07/2026 दिन मंगलवार को जॉब-सही (सतपुड़ा ग्रुप) के माध्यम से ओपन कैंपस का आयोजन किया गया, जिसमें गुजरात की सुप्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित कंपनी अदानी मुंद्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड, कच्छ के लिए एच.आर. योगेंद्र चौहान सर द्वारा भर्ती ली गई जिसमें आईटीआई कर चुके छात्र-छात्राएं जो बालाघाट जिले म.प्र. के अन्य शहरों एवं अन्य राज्यों से लगभग 55 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से 41 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

संस्था के प्राचार्य, प्लेसमेंट अधिकारी एवं सभी स्टॉफ सदस्यों द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हमारी संस्था द्वारा प्रतिष्ठित कंपनियों के कैंपस/रोजगार मेले के आयोजन किये जाते रहते हैं जिसका लाभ लेने हेतु छात्र-छात्राएं हमारी संस्था के सोशल मीडिया नेटवर्क/दैनिक समाचार पत्र एवं संस्था से जुड़े रहे, जिससे संबंधित जानकारी समय-समय पर उपलब्ध की जाती रहेगी।

फ्रांस की टीम जीत सकती है फीफा विश्व कप 2026 खिताब - ओलिवर कान

लंदन । जर्मनी के महान गोलकीपर ओलिवर कान ने कहा है कि इस इस फ्रांस की टीम फीफा विश्वकप खिताब जीत सकती है। जर्मन खिलाड़ी कान के अनुसार फ्रांस की खिताबी जीत की दावेदारी इस बार इसलिए मजबूत है क्योंकि टीम का संतुलन अच्छा है और उसके सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। साथ ही कहा कि अन्य टीमें भी अच्छी हैं और कोई भी विश्वकप जीत सकती है पर वर्तमान प्रदर्शन को देखते हुए फ्रांस की दावेदारी पक्की नजर आ रही है। फ्रांस की टीम बुधवार) को डलास स्टेडियम में पहले सेमीफाइनल में स्पेन से टकरायेगी। कान के अनुसार, इस सेमीफाइनल में वही टीम जीतेगी जो मिडफील्ड पर नियंत्रण बनाए रखेगी और अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत रखेगी। साथ ही कहा कि सेमीफाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में जीत आम-तौर पर छोटे-छोटे अंतर से तय होती है। साथ ही कहा कि स्पेन के लिए फ्रांस की रक्षापंक्ति को तोड़ना आसान नहीं होगा।

भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच का पद छोड़ सकते हैं मोर्कल, टेन डोशेट

मुम्बई। इंग्लैंड दौरे के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोचिंग स्टाफ में बदलाव होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे के बाद तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और सहायक कोच रयान टेन डोशेट कोचिंग स्टाफ से अलग हो सकते हैं। इसी कारण ये दोनो ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ बातचीत में लगे हुए हैं। कहा जा रहा है कि अब ये दोनो ही अपने पदों से इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में बदलाव होना तय है।

रिपोर्ट के अनुसार, टेन डोशेट टीम के साथ लगातार यात्रा करने से परेशानी का अनुभव कर रहे हैं। व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शेड्यूल और साल भर टीम के साथ रहने की चुनौती के कारण वह अब कोच का काम जारी नहीं रखना चाहते हैं। उन्होंने अपनी समस्याओं से बोर्ड को अवगत करा दिया है और अब बोर्ड इस बारे में कब तक फैसला लेता है ये देखना होगा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल अभी भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। बीसीसीआई फिलहाल दोनों कोचों के साथ लगातार संपर्क में है और बीच का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है।

बोर्ड की प्राथमिकता है कि दोनों दिग्गजों की चिंताओं को दूर किया जाए जिससे वे मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ बने रहें।

गौरतलब है कि मोर्कल और टेन डोशेट दोनों को मुख्य कोच गौतम गंभीर की विशेष सिफारिश पर ही बीसीसीआई ने नियुक्त किया था। इन दोनों ने इससे पहले आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) जैसी फ्रेंचाइजी में गंभीर के साथ मिलकर काम किया था। गंभीर इन दोनों के कोचिंग स्टाइल और कार्यप्रणाली से बेहद प्रभावित थे। रिपोर्ट्स की मानें तो यदि टेन डोशेट भारतीय टीम का साथ छोड़ते हैं, तो वह दोबारा किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने पर विचार कर सकते हैं, जहां उन्हें साल के सिर्फ दो-तीन महीने ही व्यस्त रहना पड़ेगा। दूसरी तरफ, मोर्ने मोर्कल का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। मोर्कल का बीसीसीआई के साथ मौजूदा अनुबंध इंग्लैंड दौरे के अंत तक ही है। यदि बातचीत का कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलता है और मोर्कल अपने अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला करते हैं, तो बीसीसीआई श्रीलंका दौरे के लिए अंतरिम व्यवस्था कर सकता है।

फीफा विश्वकप फुटबॉल के बीच ही विवादास्पद डच रैफरी डिपेरिंक का निधन

मियामी। एक ओर जहां फीफा विश्वकप फुटबॉल के मुकाबले अभी अंतिम चरण में हैं। वहीं दूसरी ओर 38 साल के डच रेफरी रॉब डिपेरिंक के अचानक हुए निधन से प्रशंसकों को झटका लगा है। डच फुटबॉल एसोसिएशन ने डिपेरिंक के निधन की पुष्टि करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। इस रैफरी की मौत के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। डिपेरिंक भले ही इस विश्व कप में मैदान पर नहीं दिखे पर उनका नाम टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही सुर्खियों में आ गया था। उनकी हाल में कथित यौन उत्पीड़न के एक मामले में गिरफ्तारी भी हुई थी। इसी कारण उन्हें विश्व कप के लिए अधिकारियों की सूची से हटा दिया गया था।

इसी साल अप्रैल महीने में लंदन में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने डिपेरिंक को एक नाबालिग लड़के के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया था।

युवराज ने अभिषेक शर्मा और वैभव की जमकर प्रशंसा करते हुए फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की तुलना

लंदन। दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो जिस प्रकार से निडर होकर खेलते हैं वह मुझे पंसद है। युवराज सिंह ने अपनी और इनकी तुलना हॉलीवुड फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की है। युवराज ने कहा है कि मैं टर्मिनेटर हूं, अभिषेक टर्मिनेटर चार और वैभव टर्मिनेटर छह है।

गौरतलब है कि अभिषेक उनके शिष्य हैं जिन्हें व समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। वहीं युवराज ने 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आक्रामक बल्लेबाजी के विकास में अगला कदम है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस युवा खिलाड़ी के साथ काम करने का अवसर मिलता है तो उन्हें खुशी होगी। युवराज ने कहा, मैं खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब अभिषेक शर्मा के रूप में टर्मिनेटर चार आ गया है क्योंकि वह मुझसे चार गुणा बेहतर है। अब वैभव सूर्यवंशी के रूप में टर्मिनेटर छह आ गया है।

युवराज ने कहा, मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया और अब वैभव नए मानक स्थापित कर रहा है। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को इस तरह विकसित होते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैंने अभिषेक के साथ काफी समय बिताया है और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना चाहूंगा। उसका भविष्य काफी अच्छा है।

वहीं वैभव ने कहा कि युवराज के साथ बातचीत से उन्हें तकनीक को लेकर कई अच्छी जानकारियां मिली हैं। उन्होंने कहा, युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं। उनसे पहली बार मिलना एक खास पल था। मुझे उनके साथ समय बिताने का अवसर मिला और उन्होंने खेल के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें बताईं। वैभव कहा, उन्होंने खेल के मानसिक पहलू, दबाव से निपटने के तरीके और आत्मविश्वास के महत्व के बारे में बात की। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे भविष्य में काफी सहायता मिलेगी। वहीं अभिषेक ने वैभव के बारे में कहा, मैं समझ सकता हूं कि वैभव इस समय कैसा महसूस कर रहा है क्योंकि युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं।

वैभव को समय से पहले डेब्यू कराने और सैमसन को बाहर करने का फैसला अजीब रहा- जाफर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा है कि जिस प्रकार से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को कम उम्र में डेब्यू कराया गया। वह सही तरीका नहीं था। जाफर के अनुसार वैभव के डेब्यू के लिए अनुभवी संजू सैमसन को बाहर किया गया वह उससे भी अजीब बात रही है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई टी20 श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम की सलामी जोड़ी में लगातार बदलाव देखने को मिला, जिससे कई दिग्गज क्रिकेटर नाराज हैं। उन्हीं में से एक जाफर का कहना है कि लगातार बदलाव से टीम20 सीरीज में टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर पहले तीन मैचों में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत की, लेकिन जब सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में रन नहीं बना पाये तो युवा वैभव को उतरा गया। वैभव ने अगले तीन मैचों में अभिषेक शर्मा के साथ पारी शुरु की। जब वह भी इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाए, तो सैमसन को फिर से टीम में शामिल कर लिया गया। इसी फेरबदल से जाफर नाराज हैं।

जाफर ने एक वीडियो में साफ तौर पर कहा कि वैभव को टीम में शामिल करने में जल्दबाजी की गई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की। मीडिया में उसके बारे में बहुत चर्चा थी और लोग उसे खेलते हुए देखकर बहुत भावुक थे। जाफर का मानना था कि सैमसन को ही पारी की शुरुआत करनी थी। टीम को यह संयोजन नहीं बदलना चाहिए था। उन्होंने जोर दिया कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और उन्हें अपने अवसर का इंतजार करना चाहिए था। टीम के साथ रहकर और बाहर से खेल को देखकर भी वह बहुत कुछ सीख सकते थे।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि टीम प्रबंधन ने मीडिया हाइप के दबाव में वैभव को समय से पहले ही उतार दिया। जाफर के अनुसार, अगर टीम प्रबंधन संजू सैमसन के खराब फॉर्म को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त था, तभी यह फैसला लिया जाना चाहिए था पर बाद में उसे भी लगा कि वैभव को टीम में जल्दबाजी में शामिल कर लिया गया।

जाफर ने संजू सैमसन के साथ किए गए व्यवहार पर भी हैरानी जताई। वैभव को तीन मैच देने के बाद, जब वह प्रदर्शन नहीं कर पाए, तो सैमसन को टीम में वापस लाया गया। सैमसन ने केवल एक मैच खेला और अब उन्हें आगामी जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ मुख्य ओपनर के तौर पर चुना गया है।

इंग्लैंड टीम जश्न मनाये पर तय सीमा नहीं लांघे - मैकुलम

लंदन । इंग्लैंड की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अपने खिलाड़ियों को जश्न के दौरान शराब पार्टी की अनुमति दे दी है पर कहा है कि उन्हें अपनी तय सीमाओं को नहीं लांघना होगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शराब के सेवन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन दिशानिर्देशों में मैच से एक दिन पहले और मैच के दिन और मैच के तुरंत बाद शराब पीने पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं मैकुलम ने टीम की हाला की सफलता और खिलाड़ियों के बीच अपने विश्वास को दिखाते हुए, इन नियमों में राहत देने का फैसला किया है। ईसीबी की शराब से जुड़ी गाइडलाइंस में कहा गया है कि मुख्य कोच मैकुलम और मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की चाहें तो नियमों में राहत दे सकते हैं। वहीं अपने इस फैसले को

लेकर मैकुलम ने कहा, हमारे बहुत से लोग खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ असल में शराब नहीं पीते हैं पर जिसे भी बीयर चाहिए, वह पी सकता है। गाइडलाइंस अभी भी लागू हैं और सभी खिलाड़ियों को इसकी जानकारी भेज दी गई है। यह पॉलिसी इसलिए बनाई गई है कि लोगों का ध्यान रखा जाए और वे सही फैसले लें। कोच ने अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम को सफलता को सहज भाव ने लेना होगा।

मैकुलम ने खिलाड़ियों को पिछले दस दिनों में हासिल की गई शानदार उपलब्धि को अपने तरीके से महसूस करने की राहत दी, लेकिन साथ ही कड़ी चेतावनी भी दी कि हर कोई गाइडलाइंस के बारे में बहुत जानता है और मुझे लगता है कि हम शांति से बीयर पीएंगे और आनंद उठायें पर किसी प्रकार से भी ऐसा न करें कि विवाद हो और टीम की छवि खराब हो।

प्लेइंग फॉर ह्यूमैनिटी फुटबॉल मैच में उतरे टाइगर श्रॉफ और ताहा शाह बदुशा

मुंबई। यहां हुए प्लेइंग फॉर ह्यूमैनिटी चैरिटी फुटबॉल मैच में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ और ताहा शाह बदुशा ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चैरिटी मैच में उतरकर दोनों सितारों ने खेल के साथ ही समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी दिखायी है। इस मैच में दर्शकों को इन सितारों का एक नया रूप देखने को मिला, जहां मनोरंजन के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी निहित था। टाइगर और ताहा दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ ही उत्साह के साथ मैदान पर उतरे लाल जर्सी पहने टाइगर जहां हाफ टाइम के दौरान साथी खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करते और अपनी टीम को प्रेरित करते नजर आए, वहीं पीली जर्सी में ताहा भी खेल का अपनी टीम के जीत दिलाने का प्रयास करते दिखे। मैच से पहले, दोनों कलाकारों को अपने टीम के सदस्यों के साथ बातचीत करते रणनीति बनाते हुए देखा गया, जिससे उनके खेल के प्रति उनका समर्पण दिखाई। मैदान पर उनकी यह मौजूदगी केवल एक खेल प्रदर्शन तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का एक प्रेरणादायक संदेश भी थी, जिसे वे स्वयं अपने जीवन में अपनाते हैं। इस मैच का एक और खास पहलू टाइगर और ताहा के बीच मैदान पर नजर आई दोस्ताना केमिस्ट्री रही। दोनों कलाकारों को खेल के दौरान एक-दूसरे से बातचीत करते, हंसते-मजाक करते और यहां तक कि एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते हुए भी देखा गया।

इतवारी बाजार में जर्जर दुकान को किया गया ध्वस्त, जनसुरक्षा के मद्देनजर नगर पालिका की कार्यवाई

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। बालाघाट शहर के इतवारी बाजार क्षेत्र में स्थित एक जर्जर दुकान को मंगलवार, 14 जुलाई को नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से ध्वस्त (डिस्मेंटल) किया गया। यह कार्रवाई पूर्व में जारी किए गए नोटिस के पालन में नगर पालिका के अमले द्वारा की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि संबंधित भवन मालिक को जर्जर दुकान को हटाने के लिए पहले ही नोटिस जारी किया गया था। भवन की स्थिति अत्यंत खराब होने के कारण आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे मशीनों की सहायता से

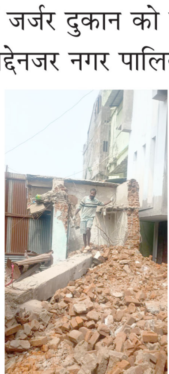

डिस्मेंटल किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में ऐसे सभी जर्जर भवनों की पहचान की जा रही है, जिनसे जनहानि की आशंका है। चिन्हित भवनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। नगर पालिका बालाघाट ने भवन स्वामियों से भी अपील की है कि यदि उनकी इमारतें जर्जर अवस्था में हैं, तो उन्हें समय रहते सुरक्षित कराएं अथवा स्वयं हटाने की कार्रवाई करें, जिससे आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

एमबीबीएस कर किसान का बेटा अक्षयसिंह मस्करे बना डॉक्टर

पद्मेश न्यूज़। खैरलांजी/वारासिवनी। सच्ची निष्ठा लगन और मेहनत से किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नही जाता है। खैरलांजी मुख्यालय निवासी कृषक किसनलाल पिता पुनाजी मस्करे के पुत्र अक्षय सिंह मस्करे ने साकार कर दिखाया है। महज तीन एकड़ कृषि भूमि पर फ सल उत्पादन कर परिवार का भरण पोषण करके पुत्र अक्षयसिंह को एमबी बीएस एवं एमडी जैसी गौरवशाली उपलब्धि हासिल कर चिकित्सा क्षेत्र में नई बुलंदियों को छूकर हर पालक के लिये एक प्रेरणास्पद उदाहरण बना है। बता दे कि हाल ही में संपन्न हुई एमसीआई परीक्षा उत्तीर्ण कर अक्षयसिंह मस्करे महाराष्ट्र राज्य में शासकीय चिकित्सक के लिये चयनित हुये है। कृषक किसन मस्करे ने पुत्र के सपनों का साकार करने कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास को बरकरार रखते हुये महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न शहरों में पुत्र की चिकित्सा शिक्षा पूर्ण कराने में कोई कोर कसर

बाकी नही रखी। जिसका परिणाम रहा कि आज मामूली सा किसान का बेटा एमबीबीएस की पढ़ाई कर शासकीय चिकित्सक के पद पर चयनित हुआ है। ज्ञात हो कि चिकित्सक अक्षयसिंह मस्करे ने प्राथमिक शिक्षा महाराष्ट्र के तुमसर कस्बे से अर्जित की है। वहीं उन्होने अपने चाचा डॉ. सुखदेव मस्करे, डॉ. हेमंत कुमार मस्करे, चाची डॉ. योगिता मस्करे के मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा गढ़चिरोली एवं अमरावती विद्यालयों से प्राप्त की। तथा नीट की कोचिंग नान्देड़ से प्राप्त करने के बाद प्रथम प्रयास में ही नीट परीक्षा उत्तीर्ण करके एमबीबीएस की पढ़ाई किर्गीस्तान देश से प्राप्त की गई। तथा पढ़ाई पूरी करते ही एमसीआई की परीक्षा नागपुर में देकर लगातार सफ लता अर्जित करते हुये शासकीय चिकित्सक के लिये चयनित हुये है। उनकी इस सफलता एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने पर ग्राम पंचायत खैरलांजी की सरपंच श्रीमती ज्योति भरतसिंह नगपुरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनिता मानसिंह बहेटवार, चाचा संभरसिंह मस्करे, राजेन्द्र मस्करे, पिता किसनलाल मस्करे, माता श्रीमती अनुसया मस्करे सहित शुभचिंतकों में खुमेश डोंगरे, अभिषेक डोंगरे, छोटू नगपुरे, अधिवक्ता प्रिंस बंसोड़, भुवन सोनी, दीपेश दमाहे ,भाई अभय मस्करे, ईश्वरदयाल कुर्वे, शुभम दमाहे ने हर्ष व्यक्त कर बधाईयां प्रेषित की है।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर कलेक्टर सख्त

लापरवाही पर नोटिस और वेतन कटौती के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने मंगलवार 14 जुलाई को कृषि, स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की लंबित 17 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई कर प्रकरणों की वस्तुस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान 4 शिकायतों का तत्काल निराकरण कर उन्हें बंद कराया गया, जबकि शेष शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मीना ने शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब एवं पोर्टल पर गलत या अपूर्ण जवाब दर्ज करने वाले अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

प्रसूति सहायता और नसबंदी मुआवजा प्रकरणों की समीक्षा

स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 200 दिनों से अधिक समय से लंबित सात शिकायतों की सुनवाई के दौरान परसवाड़ा के ग्राम डोंगरिया की सुकवंती मरकाम, लालबर्रा के नंदकिशोर देवाहे तथा वारासीवनी के ग्राम कोचेवाही की मोनिका द्वारा नसबंदी ऑपरेशन असफल होने पर मुआवजे की मांग की गई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि सुकवंती मरकाम एवं नंदकिशोर देवाहे के मामलों में मुआवजा स्वीकृत हो चुका है और शासन से राशि प्राप्त होते ही उनके खातों में जमा करा दी जाएगी, जबकि मोनिका का प्रकरण पात्रता के अभाव में स्वीकृत नहीं किया जा सकता।

इसके अलावा महकेपार की उषा काड़ेकर, आरती उइके, बोरगांव (किरनापुर) की विनीता मर्सकोले तथा बालाघाट के डालीराम लिल्हारे द्वारा संबल योजना के अंतर्गत मिलने वाली 16 हजार रुपये की प्रसूति सहायता राशि नहीं मिलने की शिकायत की गई थी। कलेक्टर ने इन

शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं के पंजीयन के समय संबल कार्ड की पात्रता की भी जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

फसल बीमा और कृषक सहायता मामलों में सख्ती

कृषि विभाग की शिकायतों की सुनवाई में तिरोड़ी के राजेंद्र, कोहका के ओमकार, खैरलांजी की रामरी तथा ग्राम दिघोरी के मोहम्मद खालिक की फसल बीमा राशि नहीं मिलने संबंधी शिकायतों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि भुगतान बीमा कंपनी द्वारा किया जाना है। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसानों को बीमा कंपनी से समन्वय कर भुगतान की राशि और समयसीमा की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

वारासिवनी तहसील के ग्राम नरोड़ी की हेमलता चौधरी द्वारा मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के तहत आर्थिक सहायता नहीं मिलने की 216 दिनों से लंबित शिकायत की सुनवाई के दौरान पाया गया कि कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रकरण के निराकरण में लापरवाही बरती गई और जांच के लिए मामला विलंब से एसडीएम के पास भेजा गया। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एल-1 अधिकारी एवं उप संचालक कृषि को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उज्ज्वला योजना की शिकायतों पर कारवाई

सुनवाई के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत नए गैस कनेक्शन नहीं मिलने से संबंधित पांच शिकायतों की भी समीक्षा की गई, जो 350 दिनों से अधिक समय से लंबित थीं। कलेक्टर श्री मीना ने खाद्य आपूर्ति विभाग एवं गैस एजेंसी के अधिकारियों को इन शिकायतों का शीघ्र निराकरण कर बंद कराने के निर्देश दिए। उज्ज्वला योजना की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर कटंगी के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी का दो दिन का वेतन काटने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए।

कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला पंचायत की कृषि समिति की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 15 जुलाई को जिला पंचायत की कृषि समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। समिति के सभापति टामेश्वर पटले की अध्यक्षता में आयोजित समिति की यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में दोपहर 01 बजे से प्रारंभ होगी। इस बैठक में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के कार्यों की समीक्षा की जायेगी। इसके साथ ही उद्यानिकी, मत्स्योद्योग, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की भी समीक्षा की जायेगी। समिति के सभी सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए सूचित कर दिया गया है।

जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 15 जुलाई को जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। समिति के सभापति की अध्यक्षता में आयोजित समिति की यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगी। इस बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विभागों द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की जायेगी। समिति के सभी सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए सूचित कर दिया गया है।

रिहायशी बस्ती में सुअर पालन से परेशान रहवासी, जनसुनवाई में कलेक्टर से लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 4 स्थित देवटोला बड़ी नहर क्षेत्र के रहवासी मंगलवार को जनसुनवाई में अपनी गंभीर समस्या लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। क्षेत्रवासियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर रिहायशी इलाके में हो रहे सुअर पालन और खुले में सुअरों का वध कर मांस बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उनका कहना है कि इस कारण पूरे क्षेत्र में गंदगी, दुर्गंध और संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। रहवासियों ने शिकायत में बताया कि क्षेत्र में रोहित करसे और गोविंद करसे द्वारा सुअर पालन किया जा रहा है। आरोप है कि सुअरों को खुले स्थान और सड़क किनारे काटकर उनका मांस बेचा जाता है। इस दौरान निकलने वाले अवशेषों और गंदगी के कारण पूरे इलाके में असहनीय बदबू फैल जाती है। इसके अलावा खुले घूम रहे सुअर भी आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैला रहे हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लगातार फैल रही गंदगी के कारण क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। इससे डेंगू, मलेरिया, स्वाइन फ्लू, हैजा और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। कई बार दुर्गंध के कारण घरों के दरवाजे और खिड़कियां तक बंद रखनी पड़ती हैं। रहवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि सड़क पर ही सुअरों का वध कर मांस बिक्री किए जाने से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह दूषित हो रहा है और स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से भी समस्या बताई गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की कि रिहायशी क्षेत्र में संचालित सुअर पालन और खुले में वध की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा ऐसे कार्यों को आबादी क्षेत्र से हटाकर निर्धारित स्थान पर संचालित कराया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। जनसुनवाई में ज्योति मड़के, अनुसुईया भोंडे, उर्मिला, भागवंती, सविता, चम्पा, मोनिका, पूनम साहू, ललिता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। फिलहाल जिला प्रशासन ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच कराने और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कृषि महाविद्यालय मुरझड़ में प्रवेश काउंसलिंग शुरू, 19 जुलाई तक होंगे दस्तावेज सत्यापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (क्क्ष)-2026 के घोषित परिणाम के आधार पर शासकीय कृषि महाविद्यालय, मुरझड़ (वारासिवनी), जिला बालाघाट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। मेरिट के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की काउंसलिंग एवं मूल दस्तावेजों का सत्यापन महाविद्यालय परिसर में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जा रहा है। महाविद्यालय के शैक्षणिक प्रभारी डॉ. ऋषिकेश ठाकुर ने बताया कि काउंसलिंग एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य 14 जुलाई से 19 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक संचालित होगा। अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल दस्तावेज, अंकसूचियां, प्रवेश परीक्षा से संबंधित अभिलेख, जाति, निवास एवं आय प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो) सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने प्रदेश के सभी पात्र अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों से निर्धारित तिथि एवं समय पर महाविद्यालय पहुंचकर काउंसलिंग और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को ही प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों से समय पर उपस्थित होकर काउंसलिंग संबंधी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी महाविद्यालय से संपर्क कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया के सफल संचालन में डॉ. शैलेन्द्र भलावे, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. सुरेंद्र राय, डॉ. रामकृष्ण सिंह सोलंकी, डॉ. विक्रम सिंह गौर, डॉ. प्रतिभा बिसेन तथा श्री संदीप डेकाटे सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

वृद्धा पेंशन बंद होने से परेशान बुजुर्ग महिलाएं पहुंचीं जनसुनवाई, पेंशन दोबारा शुरू करने और राशि बढ़ाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वृद्धावस्था पेंशन बंद होने से परेशान शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की बुजुर्ग महिलाएं मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं। महिलाओं ने कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बंद पड़ी वृद्धा पेंशन को तत्काल पुनः शुरू करने तथा पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग की। महिलाओं का कहना था कि बढ़ती महंगाई के दौर में पेंशन ही उनकी आजीविका का प्रमुख सहारा है, लेकिन पिछले लगभग एक वर्ष से उन्हें यह राशि नहीं मिल रही है, जिससे उनका जीवनयापन बेहद कठिन हो गया है।

जनसुनवाई में पहुंचे कांग्रेस नेता मकसूद खान ने बताया कि केवल शहर ही नहीं बल्कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की भी सैकड़ों बुजुर्ग महिलाएं वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की समस्या से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले पात्र हितग्राहियों को प्रतिमाह 600 रूपये की पेंशन मिलती थी, लेकिन पिछले लगभग एक वर्ष से अनेक महिलाओं के खातों में पेंशन की राशि आना बंद हो गई है। कई बार संबंधित विभागों में शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते महिलाओं को जनसुनवाई का सहारा लेना पड़ा। बुजुर्ग महिलाओं ने बताया कि उनकी आय का कोई अन्य स्थायी साधन नहीं है। दैनिक जरूरतों, दवा-इलाज और घरेलू

खर्च के लिए वे इसी पेंशन पर निर्भर रहती हैं। पेंशन बंद होने के कारण उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई महिलाओं ने कहा कि शासन द्वारा दी जाने वाली यह छोटी-सी आर्थिक सहायता भी बंद हो जाने से उनके सामने जीवनयापन की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। महिलाओं ने ज्ञापन के माध्यम से यह भी मांग उठाई कि वर्तमान महंगाई को देखते हुए वृद्धावस्था पेंशन की राशि 600 रूपये से बढ़ाकर 1200 रूपये प्रतिमाह की जाए, ताकि बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन जीने में कुछ राहत मिल सके। उनका कहना था कि वर्तमान राशि भी पर्याप्त नहीं थी और अब उसके बंद हो जाने से स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। कांग्रेस नेता मकसूद खान ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद और बुजुर्ग लोगों को आर्थिक संबल देना है। यदि पात्र हितग्राहियों को समय पर पेंशन नहीं मिलेगी तो योजना का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी लंबित प्रकरणों की जांच कर पात्र महिलाओं की बंद पेंशन तत्काल पुनः प्रारंभ कराई जाए तथा शासन स्तर पर पेंशन राशि बढ़ाने के लिए भी प्रस्ताव भेजा जाए। जनसुनवाई में महिलाओं ने जिला प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताते हुए कहा कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे आगे भी अपनी आवाज बुलंद करने के लिए मजबूर होंगी। फिलहाल जिला प्रशासन ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित विभाग को आवश्यक जांच एवं कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया है।

जनसुनवाई में 177 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 14 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 177 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम बेलगांव निवासी फगनी दशमेर नाली बंद किए जाने की शिकायत लेकर आयी थी। उसका कहना था कि पड़ोसी शिवा बिसेन एवं नंदलाल शेंद्रे द्वारा नाली में मिट्टी-मुरम डालकर उसे बंद कर दिया गया है, जिससे फगनी के घर के सामने बरसात का पानी जमा हो रहा है। उन्होंने जलभराव से संक्रामक बीमारियों के फैलने और मकान को नुकसान होने की आशंका जताई है। फगनी ने तत्काल नाली की सफाई कराने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है। इस प्रकरण में तहसीलदार किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट निवासी संजय राव शिकायत लेकर आये थे कि श्रम आयुक्त के आदेश के बाद भी उन्हें औद्योगिक विवाद के तहत 2 लाख 50 हजार रुपए का भुगतान नही किया गया है। संजय ने बताया कि श्रम आयुक्त कार्यालय के आदेश के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला मलेरिया अधिकारी को 02 लाख 50 हजार रुपए का भुगतान करना था। किंतु आदेश जारी होने के बाद भी उसे आज तक राशि का भुगतान नहीं किया गया। कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस प्रकरण में तहसीलदार बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट निवासी विजय पटले अपने पुत्र विवेक पटले का सांदिपनी विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर आये थे। विजय का कहना था कि विवेक ने कक्षा 5वीं में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और अब वह सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में अध्ययन करना चाहता है। विजय ने बताया कि प्रवेश लेने में देरी होने से विद्यालय द्वारा विवेक को प्रवेश नही दिया जा रहा है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

परसवाड़ा निवासी हरीश श्रीवास प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने दो मकानों की कथित अवैध खरीदी-बिक्री और कब्जे की शिकायत लेकर आये थे। हरीश ने बताया कि पीएम आवास योजना के लाभार्थी गंसू एवं मोहन साकरे दोनों आवासों के मूल हितग्राहियों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि वर्तमान में अन्य लोग मकानों में रह रहे हैं। आवेदक ने दावा किया है कि संबंधित व्यक्तियों के पास परसवाड़ा का वैध निवास प्रमाण भी नहीं है। हरीश ने प्रशासन से मामले की जांच कर शासकीय राशि और भूमि पर बने दोनों मकानों को सरकारी कब्जे में लेने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम परसवाडा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बेहरई के ग्रामीण ग्राम में लाईनमेन पदस्थ करने की मांग लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि विद्युत वितरण केंद्र सरेखा-2 के अंतर्गत बेहरई मुख्यालय में लाइनमैन का पद करीब एक माह से रिक्त होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि लाईनमेन नही होने से बेहरई सहित छह गांव और छत्तीस बटालियन कनकी क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अतः बेहरई मुख्यालय में शीघ्र कम से कम दो लाइनमैन पदस्थ किये जाए। इस प्रकरण में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट की कोसमी निवासी मीना लिल्हारे भूमि के रिकॉर्ड में सुधार की मांग लेकर आयी थी। उसका कहना था कि वर्ष 2016-17 के पटवारी परिमार्जन के दौरान खसरा क्रमांक 2/1/1 (5) एवं 9/1 (1) में त्रुटिवश दो अन्य व्यक्तियों के नाम जोड़ दिए गए। उक्त भूमि पर पहले से केवल मीना बाई और कौशल पति झुमरलाल के नाम दर्ज थे। उन्होंने रिकॉर्ड सुधार के लिए आवेदन भी प्रस्तुत किया था, लेकिन छह माह बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अतः शीघ्र रिकार्ड सुधार किया जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार लामता को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

आदिवासी मछुआ सहकारी समिति डोरा के अध्यक्ष श्री गणेश पुसाम ग्राम पंचायत लिलामेटा पर तालाब के दस वर्षीय पट्टे के लिए प्रस्ताव नहीं देने की शिकायत लेकर आये थे। समिति का कहना है कि 30 जून 2026 को पूर्व पट्टे की अवधि समाप्त हो चुकी है, लेकिन पंचायत की ओर से प्रस्ताव नहीं मिलने से नवीनीकरण अटका हुआ है। संबंधित तालाब समिति के कार्यक्षेत्र में आता है, फिर भी पट्टा प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। ग्राम पंचायत से प्रस्ताव जारी कराने और दस वर्षीय पट्टा शीघ्र स्वीकृत कराने की मांग की है। इस प्रकरण में उप संचालक मत्स्योद्योग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया हे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली में पदस्थ भृत्य आशीष बोरकर तीन माह का वेतन रोके जाने की शिकायत लेकर आये थे। उसका कहना था है कि उसे मई और जून 2026 का वेतन जारी हो चुका है, किंतु फरवरी, मार्च एवं अप्रैल का वेतन जारी नही किया गया है, जबकि वह लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वेतन नहीं मिलने से परिवार की आर्थिक स्थिति और बीमार पिता के उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है। आशीष ने शीघ्र उसे फरवरी से अप्रैल 2026 तक का लंबित वेतन दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम लडसड़ा निवासी सावन बाई बघेले प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। सावनबाई का कहना है कि पात्र हितग्राही होने के बावजूद उन्हें अब तक योजना का लाभ नहीं मिल सका है। उन्होंने बताया कि पक्का मकान नहीं होने से परिवार को रहने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह का प्रकरण लडसडा की ही अलका बघेले, सुनिता उपवंशी एवं गीतेश्वरी बघेले लेकर आयी थी। इन प्रकरणों में संबंधित अधिकारी को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

ग्राम नाहरवानी निवासी प्रेमलाल घरडे पड़ोसी पर निस्तार की भूमि में गंदा पानी और कूड़ा-कचरा फैलाने की शिकायत लेकर आये थे। उसका कहना था कि पडोसी द्वारा उसके मकान और पेयजल नल के पास गंदा पानी और कूड़ा-कचरा फैलाने की वजह से परिवार को आवागमन और स्वच्छता संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अतः शीघ्र मामले की जांच कर गंदगी हटवाने संबंधी कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

शिक्षण समिति हट्टा के टीआर रंगारे हट्टा स्थित प्रबुद्ध ज्योति स्कूल के सामने मुर्गियों की बीट और मृत मुर्गियों के निस्तारण के लिए बनाए गए टैंक को हटाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि स्कूल के पास बीट संग्रहित होने और मृत मुर्गियों का टैंक होने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है तथा पानी दूषित होने की आशंका है। इससे स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य के साथ-साथ मवेशियों और आसपास के किसानों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अतः शीघ्र टैंक और मुर्गियों की बीट को वहां से हटाने की कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में एसडीएम बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2026)

अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं

प्रिय किसान भाइयो एवं बहनो,

वर्ष 2026 में एल-नीनो (El Niño) के संभावित प्रभाव से वर्षा में अनियमितता एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं अन्य मौसम जनित जोखिमों से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है।

अंतिम तिथि का इंतजार न करें

आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यस्थ के माध्यम से फसल बीमा कराएं।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
D11060/26 मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन: म.प्र. माध्यम/2026

बालाघाट
बुधवार 15 जुलाई 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

तंत्र-मंत्र के जाल में फंसे युवक बने लुटेरे, गड़े खजाने के लालच में महिला पर किया जानलेवा हमला

किरनापुर के कलकत्ता गांव की वारदात का 48 घंटे में खुलासा, तांत्रिक की बातों पर भरोसा कर बनाई थी करोड़ों का धन निकालने की साजिश, 9 आरोपी गिरफ्तार, 2 की तलाश जारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कलकत्ता में बुजुर्ग महिला पर हुए जानलेवा हमले का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि पूरी वारदात के पीछे अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र और कथित डबल मनी के लालच की कहानी छिपी थी। आरोपियों को एक तांत्रिक ने यह विश्वास दिलाया था कि महिला के घर में करोड़ों रुपये गड़े हुए हैं। इसी लालच में एक संगठित गिरोह ने आधी रात महिला के घर में घुसकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और कथित खजाने की तलाश में घर की खुदाई करने का प्रयास किया। पुलिस ने इस मामले में अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 14 जुलाई को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि आज भी समाज का एक वर्ग अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के नाम पर भ्रमित होकर अपराध की राह पर चल पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी कुछ लोगों को यह झांसा दिया गया था कि महिला के घर में डबल मनी योजना से प्राप्त करोड़ों रुपये जमीन में गाड़कर रखे गए हैं। इसी झूठे लालच ने आरोपियों को इतना अंधा बना दिया कि उन्होंने एक अकेली महिला पर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार 12 जुलाई को थाना किरनापुर में ग्राम कलकत्ता निवासी दिलीप पन्द्रे ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 11 जुलाई की रात लगभग 12:30 बजे गांव की निवासी लीलाबाई महेश्वरे (48 वर्ष) अपने घर में अकेली थीं। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा और महिला का मुंह दबाकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में महिला के सिर, हाथ और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर डायल-112 की मदद से घायल महिला को तत्काल शासकीय अस्पताल किरनापुर पहुंचाया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने तत्काल विशेष जांच दल गठित किया। एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का वैज्ञानिक परीक्षण कराया गया। घटनास्थल से मिले एक मोबाइल फोन और साइबर सेल की तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने रजेगांव निवासी वंश कुथे को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ पूरी साजिश रचकर वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्हें एक तांत्रिक ने विश्वास दिलाया था कि पीड़िता के घर में भारी मात्रा में नकदी जमीन में दबी हुई है। इसी लालच में सभी ने मिलकर योजना बनाई और हथियारों के साथ देर रात महिला के घर पहुंचे। महिला पर हमला कर उसे डराने-धमकाने के बाद घर में गड़े कथित खजाने की तलाश करने का प्रयास किया, लेकिन शोर मचने पर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो चाकू और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों में वंश कुथे (20), विजय गोंदुडे उर्फ मामाजी (26), धनेश्वर पांचे (20), रविन्द्र उर्फ रवि वागडे (19), अंकित राहांगडाले (22), रामसिंग मर्सकोले (55), राजेश उर्फ नानू भैया बिसेन (30), नितेन्द्र उर्फ गोलू अगासे (30) तथा आर्यन कुथे (18) शामिल हैं जिन पर पुलिस ने धारा-115(2), 118(1) 333 भारतीय न्याय संहिता और बढाई गई धाराऐं 331 (6), 310(2), 109, 311 एवं 61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला कायम किया हैं। वहीं शुभम हिंगे और रामा भोयर अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने इस प्रकरण में पहले दर्ज धाराओं के अलावा भारतीय न्याय संहिता की अन्य गंभीर धाराएं भी बढ़ाई हैं। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के नाम पर लोगों को भ्रमित कर अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि किसी भी प्रकार के तांत्रिक, चमत्कार या गड़े धन जैसी अफवाहों पर विश्वास न करें और ऐसी जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। इस पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी किरनापुर उपनिरीक्षक राजकुमार चौधरी, चौकी प्रभारी किन्ही उपनिरीक्षक प्रदीप बघेल, उपनिरीक्षक दामेन्द्र तुरकर, प्रधान आरक्षक मितेश राहगडाले, प्रधान आरक्षक आशीष बघेल, आरक्षक मनोज गुर्जर, विष्णु ठाकुर, कपिल बघेल, श्रीकांत राठौर, समीर चौधरी, रवि जाटव, सुनील पुसाम, विनोद कंकराने, दीपक कालबेले, विवेक तिवारी एवं सैनिक यशवंत गभने की सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घर में गड़े करोड़ों रुपये निकालने के लालच में रची गई थी वारदात

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पूरी घटना महिला के घर में कथित रूप से गड़े धन को निकालने के लालच में अंजाम दी गई थी। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रामसिंह मरस्कोले ने मुख्य आरोपी अंकित को यह जानकारी दी थी कि प्रार्थी महिला लीलाबाई के घर में सिरहाने के पास डबल मनी के करोड़ों रुपये गड़े हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, राम सिंह तंत्र-मंत्र और पूजा-पाठ से जुड़ा कार्य करता है। आरोपियों का कहना है कि इसी जानकारी के आधार पर उन्होंने महिला के घर में दबा हुआ धन निकालने की योजना बनाई। हालांकि पूछताछ के दौरान रामसिंह ने तंत्र-मंत्र से इस बात की जानकारी होने का दावा नहीं किया, बल्कि कहा कि उन्हें केवल यह अंदेशा था कि महिला के घर में बड़ी मात्रा में धन गड़ा हुआ है। इसी संदेह के आधार पर रामसिंह ने अंकित और उसके साथियों के साथ मिलकर महिला के घर जाने की योजना बनाई। आरोपियों ने महिला के साथ मारपीट कर कथित धन का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें कोई पैसा नहीं मिला। इसके बाद पूरी घटना सामने आई और पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने प्रेसवार्ता में लोगों से अपील करते हुए कहा कि तंत्र-मंत्र, चमत्कार और घर में गड़े धन जैसी अफवाहों या तथाकथित बाबाओं के बहकावे में न आएं। ऐसे दावों का कोई वास्तविक आधार नहीं होता और इन्हीं अंधविश्वासों के कारण कई बार गंभीर अपराध घटित हो जाते हैं।

योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति एवं किसानों को बीज वितरण में लापरवाही पर कटंगी के कृषि विस्तार अधिकारी सलील दीक्षित निलंबित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने कृषि विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही एवं लक्ष्य पूर्ति में असंतोषजनक प्रगति पाए जाने पर विकासखंड कटंगी के कृषि विस्तार अधिकारी श्री सलील दीक्षित (क्षेत्र देवरी) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी निर्धारित किया गया है। 16 मई 2026 को आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सुपर सीडर, बेलर, स्प्रिंकलर, पाइपलाइन, एआईएफ तथा जे-फार्म पंजीयन जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों के विरुद्ध सलील दीक्षित की शून्य प्रगति पाई गई थी। इसके अलावा स्वाइल हेल्थ एवं फर्टिलिटी योजना के तहत वर्ष 2026-27 में मिट्टी के नमूने एकत्रित कर प्रयोगशाला भेजने के निर्धारित 70 के लक्ष्य के मुकाबले केवल 21 नमूनों की ही प्रगति दर्ज की गई। किसानों को वितरण हेतु तिल एवं उड़द बीज का निर्धारित लक्ष्य भी श्री दीक्षित द्वारा पूरा नहीं किया गया। इस संबंध में 26 मई 2026 को कृषि विस्तार अधिकारी श्री सलील दीक्षित को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनके द्वारा निर्धारित अवधि तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इन तथ्यों के आधार पर कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत कटंगी के कृषि विस्तार अधिकारी श्री सलील दीक्षित को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी, लांजी निर्धारित किया गया है तथा इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

रेलवे ट्रैक किनारे एक व्यक्ति का शव बरामद

चलती ट्रेन से गिरने की आशंका, परतापुर निवासी है संतलाल उइके, ग्रामीण पुलिस ने शुरू की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र अंतर्गत जबलपुर रेलवे लाइन पर स्थित ग्राम ओरमा के पास सोमवार को रेलवे ट्रैक किनारे एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही ग्रामीण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पहचान कराने के प्रयास शुरू किए।बाद में मृतक की पहचान संतलाल उर्फ राजा उइके पिता लाल सिंह उइके 36 वर्ष ग्राम परतापुर थाना लामता निवासी के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि संतलाल की मौत चलती ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संतलाल उइके खेती किसानी के साथ मजदूरी भी करता था। वह मजदूरी के लिए महाराष्ट्र के चांदपुर जाता था। उसके परिवार में पत्नी रामकली उर्फ मीना उइके, एक पुत्र और एक पुत्री सहित अन्य परिजन हैं। बताया गया कि कुछ माह पूर्व संतलाल मजदूरी के सिलसिले में चांदपुर गया था। 13 जुलाई को ग्राम ओरमा के पास रेलवे लाइन किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव देखा गया।जिसके शरीर पर चोट के निशान थे। सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक उमेश मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्राम ओरमा के सरपंच एवं ग्रामीणों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया गया। इसी दौरान सोशल मीडिया पर शव का फोटो साझा किया गया। जिसके बाद मृतक की पत्नी रामकली उर्फ मीना सहित परिजन ग्राम परतापुर से मौके पर पहुंचे और शव की पहचान संतलाल उइके के रूप में की।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 13 जुलाई की सुबह संतलाल गोंदिया से जबलपुर जाने वाली ट्रेन से लामता लौट रहा था। आशंका है कि ग्राम ओरमा के पास चलती ट्रेन में संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।शाम हो जाने के कारण सोमवार को पोस्टमार्टम नहीं हो सका इसलिए शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखा गया था। 14 जुलाई को ग्रामीण थाना पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया है।ग्रामीण थाने की पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

मेरा विश्वास करें, सोमेंद्र कंकरायने को पकड़कर आपके सामने खड़ा करूंगा, एसपी आदित्य मिश्रा का बड़ा ऐलान

डबल मनी के मुख्य आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का दावा, एसपी बोले अब पूरा फोकस इसी केस पर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के चर्चित डबल मनी मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मंगलवार को कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बड़ा बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब पुलिस की प्राथमिकता इस मामले के मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने की गिरफ्तारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में लाया जाएगा। एसपी ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जिले में अब नक्सल संबंधी गतिविधियां खत्म हो गयी हैं, इसलिए पुलिस पूरी ताकत के साथ डबल मनी मामले की जांच और मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी रही है। प्रेस वार्ता के दौरान एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा कि जिले में बार-बार एक जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जहां कुछ लोग भोले-भाले नागरिकों को पैसे दोगुना करने का लालच देकर उनकी जीवनभर की कमाई हड़प रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि डबल मनी जैसी कोई योजना वास्तविक नहीं होती। कोई भी व्यक्ति या संस्था आपके पैसे रातों-रात दोगुने नहीं कर सकती। यह केवल लोगों को ठगने का तरीका है। एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा कि पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रही है, इसके बावजूद कुछ लोग लालच में आकर अपनी मेहनत की कमाई ऐसे लोगों के हवाले कर देते हैं। बाद में जब ठगी का पता चलता है तो उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी व्यक्ति या संस्था के झांसे में आने से पहले उसकी पूरी जानकारी लें और बिना जांच-पड़ताल के कहीं भी निवेश न करें। एसपी ने कहा कि किरनापुर क्षेत्र में सामने आए डबल मनी प्रकरण के बाद भी कुछ लोग ऐसी योजनाओं पर भरोसा कर रहे हैं, जो चिंता का विषय है। पुलिस ऐसे मामलों पर लगातार नजर रखे हुए है और ठगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने की गिरफ्तारी इस पूरे मामले में सबसे अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आएगा, तब तक निवेशकों की राशि वापस दिलाने की कानूनी प्रक्रिया भी आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए पुलिस की पहली प्राथमिकता उसे गिरफ्तार करना है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान एसपी आदित्य मिश्रा ने विश्वास दिलाते हुए कहा, आप मेरा विश्वास करें, मैं सोमेंद्र कांकराने को गिरफ्तार कर आपके सामने लाकर खड़ा करूंगा। उनका यह बयान पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया है। अब निवेशकों और आम नागरिकों की नजर पुलिस की आगामी कार्रवाई पर टिकी है कि आखिर डबल मनी घोटाले का मुख्य आरोपी कब तक कानून के शिकंजे में आता है और पीड़ितों को न्याय मिलने की प्रक्रिया कब शुरू होती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट